MINI SO
Please visit store nearest to you at these locations :
IRRUMMANZIL (L&T MALL)
MOOSARAMBAGH (L&T MALL)
KOMPALLY (TNR PLAZA)

खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

MOU Holder and Distributors
RN METALS Pvt. Ltd
Distributors of SAIL & VSP products in Telangana
Stockist of MS Beams MS Channel, MS Angle, MS Plates, TMT Bars
A-23/5 & 6, APIE, BALANAGAR, HYD.-500 037
040-23774718, 040-23774719, 9160111471

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । मंगलवार, 13 जनवरी, 2026 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । website : https://www.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 । मूल्य-8 रु.। वर्ष-8 । अंक-13

ट्रेड डील पर खुशखबरी

गोर ने संभाला कार्यभार, आज होगी वार्ता

नई दिल्ली, 12 जनवरी (एजेंसियां)।

अमेरिका के नामित राजदूत सर्जियो गोर ने सोमवार को नई दिल्ली में अपना पदभार ग्रहण किया। कार्यभार संभालते ही उन्होंने घोषणा की कि प्रस्तावित व्यापार सौदे (Trade deal) पर भारत और संयुक्त राज्य अमेरिका मंगलवार को ''अगली कॉल'' यानी महत्वपूर्ण चर्चा करेंगे। भारत-अमेरिका संबंधों को ''इस सदी की सबसे महत्वपूर्ण वैश्विक साझेदारी'' बताते हुए गोर ने कहा कि अमेरिका के लिए भारत से अधिक आवश्यक कोई और भागीदार नहीं है।

उन्होंने आगे कहा, ''आने वाले महीनों और वर्षों में, राजदूत के रूप में मेरा लक्ष्य एक बहुत ही महत्वाकांक्षी एजेंडे को आगे बढ़ाना है। हम सच्चे रणनीतिक साझेदार के रूप में ऐसा करेंगे, जहाँ प्रत्येक पक्ष मेज पर अपनी ताकत, सम्मान और नेतृत्व लेकर आएगा। हम कूटनीति के स्तर को और ऊंचा उठा रहे हैं, जिसका अर्थ है निष्पक्ष व्यापार, आपसी सम्मान और साझा सुरक्षा।'' राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के करीबी माने जाने वाले गोर जल्द ही राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को अपना परिचय पत्र सौंपेंगे।

'पैक्स सिलिका' पहल: सेमीकंडक्टर और अख में भारत की बड़ी भूमिका

सर्जियो गोर ने एक बड़ी घोषणा करते हुए बताया कि अगले महीने भारत को 'पैक्स सिलिका' (Pax Silica) में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया जाएगा। यह महत्वपूर्ण खनिजों, सेमीकंडक्टर और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) से संबंधित सिलिकॉन आपूर्ति श्रृंखला पर अमेरिका के नेतृत्व वाली एक रणनीतिक पहल है।

इस पहल के बारे में विस्तार से बताते हुए उन्होंने कहा, ''पैक्स सिलिका पिछले महीने अमेरिका द्वारा शुरू की गई एक पहल है, जिसका उद्देश्य उन्नत विनिर्माण, सेमीकंडक्टर और एआई विकास के लिए एक सुरक्षित और नवाचार-संचालित सिलिकॉन सप्लाई चेन बनाना है। पिछले महीने जापान, दक्षिण कोरिया, यूनाइटेड किंगडम और इजराइल इसमें शामिल हुए थे। आज मुझे यह घोषणा करते हुए खुशी हो रही है कि भारत को अगले महीने पूर्ण सदस्य के रूप में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया जाएगा।''

व्यापारिक मतभेद और द्विपक्षीय संबंधों की मजबूती

पिछले साल अगस्त में अमेरिका द्वारा भारत पर 50 प्रतिशत टैरिफ लगाए जाने के बाद उपजे तनावपूर्ण संबंधों की पृष्ठभूमि में गोर ने टिप्पणी की: ''सच्चे दोस्त असहमत हो सकते हैं लेकिन अंत में हमेशा अपने मतभेदों को सुलझा लेते हैं।'' प्रस्तावित व्यापार सौदे पर उन्होंने कहा कि दोनों पक्ष सक्रिय रूप से जुड़े हुए हैं। उन्होंने स्वीकार किया कि भारत दुनिया का सबसे बड़ा देश है, इसलिए इस समझौते को अंतिम रूप देना आसान काम नहीं है, लेकिन वे इसके लिए दृढ़ संकल्पित हैं।

व्यापार के अलावा उन्होंने सुरक्षा, आतंकवाद विरोध, ऊर्जा, प्रौद्योगिकी, शिक्षा और स्वास्थ्य जैसे क्षेत्रों में भी मिलकर काम करने की बात कही। उन्होंने यह भी संकेत दिया कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अगले एक या दो साल में भारत की यात्रा कर सकते हैं। प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति ट्रंप के संबंधों पर गोर ने कहा, ''मैंने राष्ट्रपति ट्रंप के साथ पूरी दुनिया की यात्रा की है, और मैं इसकी पुष्टि कर सकता हूँ कि प्रधानमंत्री मोदी के साथ उनकी दोस्ती वास्तविक है।'' उन्होंने बताया कि पिछले हफ्ते ही नए साल के बाद डिनर पर राष्ट्रपति ट्रंप ने अपनी भारत यात्रा के अनुभवों और प्रधानमंत्री मोदी के साथ अपनी महान मित्रता को याद किया था।

अपने संबोधन के अंत में गोर ने कहा, ''यह दुनिया के सबसे पुराने लोकतंत्र और दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र का संगम है। मैं इस अद्भुत राष्ट्र में गहरे सम्मान और साझेदारी को अगले स्तर पर ले जाने के स्पष्ट मिशन के साथ आया हूँ।''

उड़ी उड़ी रे पतंग

रिश्तों की मज़बूत डोर से नयी उड़ान

अहमदाबाद, 12 जनवरी (एजेंसियां)।

अहमदाबाद की ठंडी सुबह जब साबरमती आश्रम में महात्मा गांधी की प्रतिमा के समक्ष प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और जर्मनी के चांसलर फ्रेडरिक मर्ज नतमस्तक हुए, तभी स्पष्ट हो गया था कि यह दौरा केवल औपचारिक नहीं, बल्कि गहरे रणनीतिक संकेत देने वाला है। जर्मन चांसलर की यह यात्रा भारत0जर्मनी रणनीतिक साझेदारी के 25 वर्षों को एक नई दिशा देने वाली साबित हुई।

संस्कृति के माध्यम से कूटनीति: पतंगों में छिपा संदेश

गांधी आश्रम में श्रद्धांजलि के बाद दोनों नेता साबरमती रिवरफ्रंट पहुंचे, जहां अंतरराष्ट्रीय पतंग महोत्सव 2026 का उद्घाटन किया गया। खुले वाहन में साथ बैठकर प्रधानमंत्री मोदी और चांसलर मर्ज का शहर भ्रमण और फिर पतंग उड़ाना प्रतीकों से भरा दृश्य था।यह केवल सांस्कृतिक आत्मीयता नहीं, बल्कि एक राजनीतिक संदेश भी था कि भारत और जर्मनी अपनी साझेदारी को सिर्फ सम्मेलन कक्षों तक सीमित नहीं रखना चाहते, बल्कि उसे जनता और परंपराओं के बीच भी जीना चाहते हैं।

गांधीनगर में रणनीति: सुरक्षा, तकनीक और व्यापार पर सहमति

वहीं गांधीनगर के महात्मा मंदिर कन्वेंशन सेंटर में हुई औपचारिक वार्ता के दौरान दोनों देशों ने एक व्यापक संयुक्त बयान जारी किया। इसमें रक्षा और सुरक्षा सहयोग को नई मजबूती देने, आतंकवाद से निपटने, साइबर सुरक्षा, समुद्री सुरक्षा, हरित ऊर्जा, जलवायु

परिवर्तन, हाइड्रोजन मिशन, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, कौशल विकास और उच्च शिक्षा में सहयोग को आगे बढ़ाने पर सहमति बनी।

व्यापार और निवेश के क्षेत्र में भी दोनों देशों ने स्पष्ट लक्ष्य तय किए।

▶10पर

जल है तो कल है

हैदराबाद भूजल स्तर संकट में

हैदराबाद, 12 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

कडाके की सर्दी झेल रहे हैदराबाद वालों को अब गर्मी के मौसम में पीने के पानी की किल्लत झेलनी पड सकती है। दरअसल, बढते शहरीकरण, औद्योगिकीकरण और अँधाधुँध जल दोहण के चलते गर्मी शुरू होने से तीन महीने पहले ही सर्दियों के बीच हैदराबाद भू-जल संकट का सामना कर रहा है। शहर के कई हिस्से, विशेष रूप से तेजी से विकसित हो रहा पश्चिमी कॉरिडोर 'रेड जोन' में पहुंच गया है, जहां जल स्तर चिंताजनक रूप से गिर रहा है। तेलंगाना भू-जल विभाग के आंकड़ों से पता चलता है कि दिसंबर तक कुकटपल्ली और कुकटपल्ली हाउजिंग बोर्ड कालोनी में भूजल स्तर क्रमशः 18 मीटर और 16 मीटर की गहराई तक गिर गया । पटनचेरू , एक और तेजी से शहरीकृत केंद्र, में जल स्तर 10 मीटर तक गिर गया, जो गर्मी से पहले ही तनाव का संकेत है।

यह गिरावट पश्चिम तक सीमित नहीं है। उत्तर-पूर्वी बेल्ट में मलकजगिरी में भूजल स्तर लगभग 13 मीटर दर्ज किया गया। बंड्लागुडा, मेडिपल्ली, गंडीपेट और राजेंद्रनगर में भी समान प्रवृत्तियाँ देखी गईं। अमीरपेट, जहां मानसून के दौरान बार-बार बाढ़ आई थी, ने भी लगभग 16 मीटर का कम भूजल स्तर दर्ज किया, जिससे शहर की खराब संरक्षण क्षमता स्पष्ट होती है।

46 में से 13 मंडलों में गंभीर स्थिति

पूरे ग्रेटर हैदराबाद में, 46 मंडलों में से 13 में चिंताजनक भूजल स्तर दर्ज किए गए। औसतन, शहर का भूजल स्तर सिर्फ एक महीने में 1 मीटर गिर गया, नवंबर के 5.9 मीटर से दिसंबर में 6.9 मीटर हो गया, जो तेजी से हो रहे अवक्षयण (ह्रास) को दर्शाता है। दिसंबर 2024 में, हैदराबाद में भूजल की औसत गहराई लगभग 8 मीटर थी। विशेषज्ञ भूजल के अत्यधिक निष्कर्षण और तेज शहरीकरण को दोषी मानते हैं।

खुले स्थानों की कमी और रिचार्ज क्षेत्रों का गायब होना का मतलब है कि ▶10पर

जिलों के पुनर्गठन की तैयारी

जोनल प्रणाली और केंद्र सरकार की अनुमति का पेंच

हैदराबाद, 12 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

तेलंगाना राज्य में जिलों के पुनर्गठन को लेकर राज्य सरकार एक बार फिर सक्रिय हो गई है। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार ने संकेत दिए हैं कि पिछले शासन के दौरान किए गए जिलों के बंटवारे में मौजूद विसंगतियों को दूर करने के लिए बदलाव किए जाएंगे। वर्तमान में सरकार इन सुझावों और शिकायतों पर प्रारंभिक अभ्यास (कसरत) कर रही है।

अवैज्ञानिक विभाजन और प्रशासनिक चुनौतियाँ

राज्य विभाजन के बाद, 2022 तक नए जिलों, राजस्व मंडलों और तहसीलों के गठन के बावजूद, कई क्षेत्रों में प्रशासन, जोनल व्यवस्था और स्थानीय सुविधाओं को लेकर गंभीर समस्याएं बनी हुई हैं। कांग्रेस सरकार ने सत्ता में आते ही घोषणा की थी कि वे जिलों के पुनर्गठन की समीक्षा करेंगे। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने कई बार कहा है कि पिछला विभाजन ''अवैज्ञानिक'' था। हाल ही में विधानसभा में राजस्व मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी ने भी इस पर स्पष्टता दी है।

प्रशासनिक रूप से कई राजस्व मंडल और जिले समस्याग्रस्त पाए गए हैं। स्थिति यह है कि कुछ मंडल दो अलग-अलग विधानसभा क्षेत्रों के अंतर्गत आते हैं, जबकि कुछ विधानसभा और संसदीय क्षेत्र दो से तीन जिलों की सीमाओं में फैले हुए हैं। इसके कारण सरकारी योजनाओं के कार्यान्वयन, विकास कार्यों की प्रगति और धन के आवंटन में भारी दिक्कतें आ रही हैं। सरकार का मानना है कि प्रशासनिक सुगमता के लिए एक निर्वाचन क्षेत्र को एक ही जिले या एक ही संसदीय क्षेत्र के दायरे में लाना आवश्यक है। इसके लिए एक न्यायिक समिति गठित करने की भी योजना है।

जिलों का इतिहास और नए राजस्व मंडलों की मांग

तेलंगाना राज्य का गठन 10 जिलों, 48 राजस्व डिवीजनों और 466 मंडलों के साथ हुआ था। अक्टूबर 2016 में पहली बार पुनर्गठन किया गया, जिसके बाद 31 जिले, 74 राजस्व मंडल और 584 तहसीलें बनाई गईं। इसके बाद 2020-21 में नारायणपेट और मुलुगु जिलों के साथ कुछ और मंडल जोड़े गए। वर्तमान में राज्य में 33 जिले, 74 राजस्व मंडल और 612 तहसीलें हैं।

ताजा रिपोर्टों के अनुसार, सरकार को 12 नए राजस्व डिवीजनों और 25 नए मंडलों के गठन के लिए भारी संख्या में आवेदन प्राप्त हुए हैं। जनप्रतिनिधियों का कहना है कि कई गांवों का विभाजन तर्कसंगत नहीं है। उदाहरण के लिए, कुछ गांवों को उनके पास के मंडल केंद्र के बजाय बहुत दूर स्थित मंडल में जोड़ दिया गया है। इसके अलावा, एक जिले के मंडल को दूसरे जिले के निर्वाचन क्षेत्र में शामिल करने से जिला परिषद की बैठकों और समन्वय में कठिनाई होती है, जहाँ कलेक्टरों और जिला अधिकारियों को तालमेल बिठाने में पसीने छूट जाते हैं।

नए जिलों के गठन के बाद राज्य को दो बहु-जोन और सात जोन में विभाजित किया गया था, जिसके आधार पर नियुक्तियां और पदोन्नति की जा रही हैं। यदि अब जिलों की सीमाओं में बदलाव होता है, तो पूरी जोनल व्यवस्था को फिर से बदलना होगा। ▶10पर

कार्टून कॉर्नर

मौसम हैदराबाद

अधिकतम : 28^0

न्यूनतम : 16^0

इसरो का पीएसएलवी रॉकेट रास्ते से भटका

उपग्रहों को निर्धारित कक्षाओं में स्थापित करने में रहा विफल

श्रीहरिकोटा (आंध्र प्रदेश), 12 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) का ध्रुवीय उपग्रह प्रक्षेपण यान-सी62 (पीएसएलवी-सी62) सोमवार को देश के नवीनतम जासूसी सैटेलाइट 'अन्वेषा' (ईओएस-एन1) और उसके साथ भेजे गये अन्य उपग्रहों को उनकी तय कक्षाओं में स्थापित करने में विफल रहा।

इस उपग्रह अन्वेषा को रक्षा अनुसंधान विकास संगठन (डीआरडीओ) ने बनाया था और इसके साथ कुछ अन्य भारतीय एवं विदेशी संस्थाओं के 15 अन्य छोटे उपग्रह भी इस रॉकेट से भेजे गए थे। इसरो अध्यक्ष डॉ. वी. नारायणन ने घटना की जानकारी देते हुए कहा कि रॉकेट को तीसरे चरण के अंत में गड़बड़ी का सामना करना पड़ा। उन्होंने यहाँ मिशन कंट्रोल सेंटर से एक संक्षिप्त संबोधन में कहा कि इसके बाद रॉकेट के उड़ान पथ में विचलन हुआ। उनके अनुसार, इसरो इसके डेटा का विश्लेषण करने के बाद ही सही जानकारी प्रदान करेगा। पीएसएलवी रॉकेट यहाँ बने सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र (एसडीएससी) के पहले लॉन्च पैड से भारतीय समयानुसार सुबह लगभग 10.18 बजे लॉन्च हुआ। पीएसएलवी रॉकेट के इस वेरिएंट का इस्तेमाल पहली बार 24 जनवरी, 2019 को माइक्रोसैट आर उपग्रह को कक्षा में स्थापित करने के लिए किया गया था ▶10पर

अब ट्रांसजेंडरों का राज

हैदराबाद, 12 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने सोमवार को अपने कैबिनेट सहयोगियों को एक महत्वपूर्ण सुझाव दिया। उन्होंने कहा कि आगामी नगर निकाय चुनावों में ट्रांसजेंडर व्यक्तियों को कॉरपोरेटर के रूप में 'को-ऑप्ट' (सह-योजित) किया जाना चाहिए ताकि शासन में उनका प्रतिनिधित्व सुनिश्चित हो सके।

वरिष्ठ नागरिकों के लिए डे-केयर सेंटरों के उद्घाटन के अवसर पर बोलते हुए, रेड्डी ने यह भी घोषणा की कि राज्य जल्द ही एक नया कानून पेश करेगा, जिसके तहत उन सरकारी कर्मचारियों के वेतन से 10-15 प्रतिशत की कटौती की जाएगी जो अपने बुजुर्ग माता-पिता की देखभाल नहीं करते हैं।

ट्रांसजेंडर समुदाय का राजनीतिक और प्रशासनिक सशक्तिकरण

मुख्यमंत्री ने रेखांकित किया कि तेलंगाना पहले ही हैदराबाद पुलिस कमिश्नरेट और अन्य सरकारी विभागों में ट्रांसजेंडर व्यक्तियों को रोजगार के अवसर प्रदान कर चुका है। उन्होंने कहा, ''मेरा अपने कैबिनेट सहयोगियों से यह आग्रह है कि नगर निकाय चुनाव नजदीक हैं। हम निगमों में 'को-ऑप्टेड' सदस्यों को नामित कर सकते हैं। यदि हर निगम में एक ट्रांसजेंडर व्यक्ति को कॉरपोरेटर के रूप में नामित किया जाता है, तो विधायी निकायों में उनका प्रतिनिधित्व होगा।''

जिला परिषदों और नगर पालिकाओं में अल्पसंख्यकों को सदस्य के रूप में शामिल किए जाने का उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि यदि ट्रांसजेंडर व्यक्तियों को नागरिक निकायों में सदस्यता दी जाती है, तो वे अपने मुद्दों को प्रभावी ढंग से उठा सकेंगे। रेड्डी ने सुझाव दिया कि इस मामले पर अगली कैबिनेट बैठक में निर्णय लिया जा सकता है। ▶10पर

ट्रंप ने खुद को बताया वेनेजुएला का कार्यवाहक राष्ट्रपति, तस्वीर शेयर कर मचाया हड़कंप

वाशिंगटन,12 जनवरी (एजेंसियां)।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप एक बार फिर अपने सोशल मीडिया पोस्ट को लेकर सुर्खियों में हैं। वेनेजुएला में जारी राजनीतिक उथल-पुथल और राष्ट्रपति निकोलस मादुरो की गिरफ्तारी के बाद, ट्रंप ने अब खुद को वहां का कार्यवाहक राष्ट्रपति घोषित कर दिया है।

ट्रंप ने रविवार को अपने सोशल मीडिया प्लेटफार्म ट्रुथ सोशल पर एक तस्वीर साझा की, जिसे एक तंज के रूप में देखा जा रहा है। साझा की गई इस तस्वीर में विकिपीडिया के आधिकारिक पेज को एडिट किया गया है। इस एडिटेड पेज पर डोनाल्ड ट्रंप को जनवरी 2026 से वेनेजुएला के मौजूदा राष्ट्रपति के रूप में दर्शाया गया है। ट्रंप के इस पोस्ट के बाद अंतरराष्ट्रीय राजनीति में चर्चाएं तेज हो गई हैं और लोग उनकी मंशा पर सवाल उठा रहे हैं।

यह घटनाक्रम उस समय सामने आया है जब हाल ही में 3 जनवरी को अमेरिका ने एक बड़ा सैन्य अभियान चलाकर वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो और उनकी पत्नी सीलिया फ्लोर्स को राष्ट्रपति परिसर से गिरफ्तार कर लिया था। वर्तमान में दोनों अमेरिका की हिरासत में हैं और उन पर मुकदमा चलाया जा रहा है। मादुरो की अनुपस्थिति में डेल्सी रोड्रिग्ज को वेनेजुएला का अंतरिम राष्ट्रपति नियुक्त किया गया है, लेकिन ट्रंप के इस नए दावे ने भ्रम की स्थिति पैदा कर दी है।

ट्रंप ने स्पष्ट किया है कि अमेरिका वेनेजुएला के शासन पर तब तक नजर रखेगा जब तक कि वहां सुरक्षित और समझदारी भरा बदलाव सुनिश्चित नहीं हो जाता। इसके साथ ही उन्होंने वेनेजुएला की नई सरकार और मादुरो के करीबियों को कड़ी चेतावनी दी है। ट्रंप ने कहा है कि जो लोग अमेरिका के साथ सहयोग नहीं करेंगे, उनके खिलाफ आने वाले दिनों में दोबारा सैन्य कार्रवाई की जा सकती है। इस बीच, अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने बयान जारी कर कहा है कि अमेरिका के पास वेनेजुएला के लिए एक विशेष तीन-चरणीय योजना है। इस योजना का मुख्य उद्देश्य पड़ोसी देश में पूर्ण स्थिरता सुनिश्चित करना है। ट्रंप के इस पोस्ट और अमेरिका के आक्रामक रुख ने दक्षिण अमेरिकी राजनीति में नए तनाव को जन्म दे दिया है।

न्यूज ब्रीफ

काठमांडू के मेयर बालेन शाह देंगे इस्तीफा, केपी ओली के खिलाफ चुनाव लड़ने की तैयारी में

काठमांडू। काठमांडू के मेयर बालेंद्र शाह (बालेन) मेयर पद से इस्तीफा देकर आगामी आम चुनाव में पूर्व प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली के खिलाफ झापा-5 निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ने की तैयारी में हैं। उनके सचिवालय के अनुसार, वह इसके लिए आवश्यक तैयारी में जुटे हुए हैं। झापा-5 नेकपा (एमाले) के अध्यक्ष केपी शर्मा ओली का निर्वाचन क्षेत्र है। ओली यहां से लगातार निर्वाचित होते रहे हैं। सचिवालय ने बताया कि बालेन उसी निर्वाचन क्षेत्र में मुकाबला करने की तैयारी के तहत झापा के स्थानीय नेताओं और कार्यकर्ताओं के साथ लगातार चर्चा कर रहे हैं। रविवार को भी बालेन ने राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी (रास्वपा) झापा के अध्यक्ष प्रकाश पाठक सहित अन्य नेताओं से बातचीत की। बालेन के निजी सचिव भूपदेव शाह ने कहा, मेयर साहब झापा-5 से केपी ओली के खिलाफ चुनाव लड़ने की तैयारी में हैं। हमारी टीम वहां मत सर्वेक्षण भी कर रही है। इसी क्रम में आज भी उन्होंने वहां के नेताओं से मुलाकात कर स्थिति को समझा। शाह के अनुसार, वह 19 जनवरी तक अपने पद से इस्तीफा देकर 20 तारीख को नामांकन दाखिल करने के लिए झापा जाने की योजना बना रहे हैं।

अमेरिका में ईरान के प्रदर्शनकारियों के समर्थन में रैली, भीड़ में घुसा ट्रक

वाशिंगटन। अमेरिका के लास एंजिल्स के वेस्टवुड इलाके में ईरान के प्रदर्शनकारियों के समर्थन में आहूत रैली में एक ट्रक घुस गया। रविवार दोपहर विल्शायर बुलेवार्ड के 11000 ब्लाक में विल्शायर फेडरल बिल्डिंग के बाहर होने वाली रैली में शामिल होने के लिए सैकड़ों लोग जुटे थे। सीबीएस न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, इस दौरान एक ड्राइवर ने कथित तौर पर भीड़ में ट्रक घुसा दिया। इस घटना में दो लोग घायल हो गए। लास एंजिल्स दमकल विभाग के अनुसार, ट्रक दोपहर लगभग 3:30 बजे से वेटरन एवेन्यू और ओहियो एवेन्यू के पास फेडरल बिल्डिंग से लगभग एक ब्लाक दूर भीड़ में घुस गया। अधिकारियों ने अभी तक इस घटना के संबंध में किसी की भी गिरफ्तारी की सूचना नहीं दी है, लेकिन सोशल मीडिया पर पोस्ट किए गए वीडियो में अधिकारियों को एक व्यक्ति को हिरासत में लेते हुए दिखाया गया है । इस व्यक्ति को ट्रक से नीचे उतारकर ले जाया गया। इस दौरान भीड़ ने उस पर हमला करने की कोशिश की। पुलिस का कहना है कि ट्रक के ड्राइवर से पूछताछ की जा रही है। इस घटना के बाद शाम 4:30 बजे रैली की गई। लोगों ने ईरान की आजादी के नारे लगाए। कुछ लोगों ने ईरानी झंडा भी लहराया।

बांग्लादेश में हुई हिंदू युवक की हत्या को यूनुस सरकार ने बताया पारिवारिक रंजिश

ढाका। बांग्लादेश के नरसिंगदी जिले में एक हिंदू किराना व्यवसायी की नृशंस हत्या को लेकर देश की अंतरिम सरकार ने अपनी स्थिति स्पष्ट की है। मुख्य सलाहकार मोहम्मद यूनुस के कार्यालय ने मोनी चक्रवर्ती की मौत को सांप्रदायिक हमला मानने से इनकार करते हुए इसे पारिवारिक और व्यापारिक विवाद का परिणाम बताया है। सरकार का दावा है कि पीड़ित की धार्मिक पहचान का सहारा लेकर इस घटना के पीछे झूठा प्रोपेगैंडा फैलाया गया है। गौरतलब है कि पिछले कुछ हफ्तों में बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों, विशेषकर हिंदुओं को निशाना बनाए जाने की कई खबरें सामने आई हैं। इन घटनाओं पर भारत सरकार ने भी गहरी चिंता व्यक्त की है और अंतरिम सरकार से हिंदुओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने तथा ऐसी हिंसा पर तत्काल विराम लगाने का आग्रह किया है। मुख्य सलाहकार के वरिष्ठ सहायक प्रेस सचिव फोयेज अहमद ने इस मामले पर जानकारी देते हुए कहा कि पुलिस और पीड़ित परिवार की शुरुआती जांच से संकेत मिले हैं कि हत्या के पीछे पुरानी कारोबारी रंजिश और पारिवारिक कलह थी। उन्होंने कहा कि हाल की कुछ घटनाओं में यह देखा गया है कि गलत जानकारी फैलाकर सांप्रदायिक सद्भावना को बिगाड़ने की कोशिश की जा रही है। अहमद ने चेतावनी दी कि बिना तथ्यों की जांच किए किसी भी घटना को सांप्रदायिक रंग देना समाज के लिए हानिकारक हो सकता है। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय और स्थानीय स्तर पर बयान देने वालों से आग्रह किया कि वे किसी भी निष्कर्ष पर पहुंचने से पहले जमीनी हकीकत और तथ्यों की जांच अवश्य करें।

ईरान में गृहयुद्ध के हालात : प्रदर्शनकारियों के लिए मृत्युदंड का फरमान, फिर भी नहीं थम रही हिंसा

तेहरान,12 जनवरी (एजेंसियां)।

ईरान में जारी व्यापक जनविद्रोह अब एक भयावह और रक्त रंजित दौर में प्रवेश कर चुका है। पिछले दो हफ्तों से सड़कों पर उतरे प्रदर्शनकारियों के खिलाफ सरकार ने अब तक का सबसे कठोर रुख अपनाते हुए उन्हें सीधे तौर पर मौत की सजा देने का ऐलान किया है। देश के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला खामेनेई के निर्देशों के बाद प्रशासन ने प्रदर्शनकारियों को सजा-ए-मौत देने का फैसला सुनाया है। सरकार का कहना है कि विद्रोह में शामिल लोगों को खुदा का दुश्मन माना जाएगा और यह सजा न केवल प्रदर्शन करने वालों पर, बल्कि उनकी मदद करने वालों पर भी लागू होगी।

ईरान के अटार्नी जनरल मोहम्मद मोवाहेदी आजाद ने इस संबंध में आधिकारिक चेतावनी जारी करते हुए मोहरेब कानून का हवाला दिया है। इस क्रूर कानून के अनुच्छेद 190 के तहत, दोषी पाए जाने वाले व्यक्ति को फांसी पर लटकाने, उसके हाथ-पैर काटने या उसे स्थायी रूप से देश निकाला देने का प्रावधान है। सरकार की इस घोषणा ने देशभर में खौफ और आक्रोश को और बढ़ा दिया है। जानकारों का मानना है कि इस कानून का इस्तेमाल शासन के खिलाफ उठने वाली हर आवाज को स्थायी रूप से खामोश करने के लिए किया जा रहा है। ईरान में इस समय सूचनाओं का पूरी तरह से अकाल है क्योंकि सरकार ने इंटरनेट और टेलीफोन सेवाओं पर पूर्ण प्रतिबंध लगा दिया है। वैश्विक इंटरनेट निगरानी संस्थाओं के अनुसार, ईरान में कनेक्टिविटी सामान्य के मुकाबले महज 1 प्रतिशत रह गई है। इस पूर्ण संचार ब्लैकआउट को लेकर विशेषज्ञ आशंकित हैं कि शासन इसकी आड़ में बड़े पैमाने पर नरसंहार को अंजाम दे सकता है। आधिकारिक रूप से अब तक करीब 60 मौतों की पुष्टि हुई है, लेकिन स्थानीय सूत्रों और डाक्टरों के हवाले से चौंकाने वाले दावे सामने आ रहे हैं। बताया जा रहा है कि अकेले तेहरान में ही 217 से अधिक लोग मारे जा चुके हैं। शिराज और तेहरान के अस्पताल घायलों से पटे हुए हैं, जिनमें से अधिकांश को सुरक्षाबलों ने सीधे गोलियां मारी हैं। अस्पतालों में दवाओं की कमी और इंटरनेट न होने से घायलों की सटीक संख्या का पता लगाना भी मुश्किल हो गया है।

ट्रंप की बार-बार ईरान में हस्तक्षेप की धमकी, क्या कुछ बड़ा होने वाला है

तेल अवीव। ईरान में अमेरिकी हस्तक्षेप की संभावना को लेकर इजराइल अलर्ट मोड में है। मीडिया रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि इजराइली सुरक्षा परामर्शदाताओं ने इस स्थिति पर विस्तृत चर्चा की है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हाल के दिनों में बार-बार ईरान में हस्तक्षेप की धमकी दी है और प्रदर्शनकारियों के खिलाफ बल प्रयोग न करने की चेतावनी भी दी है। ट्रंप ने कहा कि अमेरिका मदद के लिए तैयार है। इजराइल के पीएम बेंजामिन नेतन्याहू और अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो के बीच शनिवार को फोन पर बातचीत हुई, जिसमें ईरान में संभावित अमेरिकी हस्तक्षेप पर चर्चा हुई। इजराइली सूत्र ने इसकी पुष्टि की हालांकि अमेरिकी अधिकारी ने बातचीत की पुष्टि तो की लेकिन खुलासा नहीं किया। इजराइल ने अभी तक ईरान में प्रदर्शनों में सीधे हस्तक्षेप करने की इच्छा नहीं जताई है। नेतन्याहू ने कहा है कि अगर ईरान ने इजराइल पर हमला किया तो उसके भयानक नतीजे भुगतने पड़ेंगे। प्रदर्शनों का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि ईरान के अंदर जो हो रहा है, उसे देखना चाहिए। इजराइली सूत्रों ने उच्च सतर्कता को लेकर विस्तार से जानकारी नहीं दी, लेकिन यह स्पष्ट है कि स्थिति को गंभीरता से लिया जा रहा है। ईरान में चल रहे विरोध प्रदर्शन आर्थिक संकट और शासन के खिलाफ असंतोष से उपजे हैं, जो पूरे देश में फैल चुके हैं। इंटरनेट ब्लैकआउट के बावजूद सोशल मीडिया पर वीडियो सामने आ रहे हैं। प्रदर्शनकारी सड़कों पर हैं और सुरक्षा बलों से झड़पें हो रही हैं। ट्रंप प्रशासन की ओर से बार-बार हस्तक्षेप की बात से ईरानी नेतृत्व में बेचैनी बढ़ गई है। ईरान के सुप्रीम लीडर और अधिकारियों ने प्रदर्शनकारियों को वैंडल करार देते हुए कठोर कार्रवाई की चेतावनी दी है। यह स्थिति मध्य पूर्व में नए संघर्ष की आशंका पैदा कर रही है।

कई बार आइंस्टीन को भी उलझा देते थे साधारण दिखने वाले सवाल

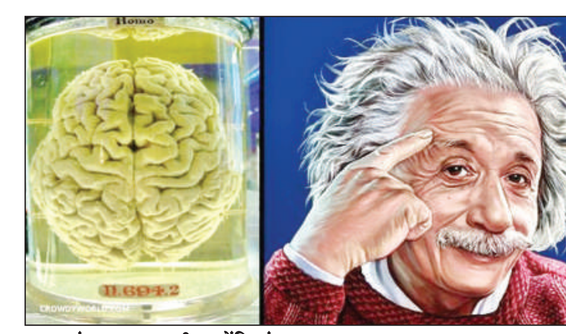

लंदन,12 जनवरी (एजेंसियां)।

आम धारणा होती है कि अल्बर्ट आइंस्टीन जैसे महान वैज्ञानिक के लिए कोई भी गणितीय सवाल बेहद आसान होगा। मगर इस आम धारणा में उतनी सच्चाई नहीं थी। महान वैज्ञानिक आइंस्टीन कई बार स्वयं स्वीकार कर चुके थे कि कुछ साधारण दिखने वाले सवाल उन्हें गहराई से सोचने पर मजबूर कर देते थे।

ऐसी ही एक पहेली, जो देखने में पांचवीं कक्षा के स्तर की लगती है, ने आइंस्टीन को इतना प्रभावित किया कि वह इसके पीछे छिपे तर्क और सीमाओं पर लंबे समय तक विचार करते रहे। यह दिलचस्प पहेली उन्हें उनके मित्र मैक्स वर्थाइमर ने भेजी थी, जो एक प्रसिद्ध मनोवैज्ञानिक थे। दोनों के बीच अक्सर हल्की-फुल्की लेकिन दिमाग को चुनौती देने वाली पहेलियों पर चर्चा होती रहती थी। इस सवाल का मकसद आइंस्टीन की फिजिक्स या गणित की परीक्षा लेना नहीं था, बल्कि यह देखने का एक तरीका था कि इंसानी दिमाग किसी समस्या को किस तरह समझता है। पहली नजर में यह सवाल बेहद सीधा लगता है, लेकिन जैसे-जैसे इसमें गहराई से उतरते हैं, यह अपने भीतर एक ऐसा गणितीय जाल छिपाए हुए है, जिससे बच पाना मुश्किल हो जाता है। पहेली के अनुसार, एक बहुत पुरानी कार को कुल दो मील की दूरी तय करनी है। इसमें पहला मील पहाड़ की चढ़ाई का है और दूसरा मील ढलान का। कार की हालत खराब है, इसलिए वह चढ़ाई वाले हिस्से में 15 मील प्रति घंटे से ज्यादा की औसत रफ्तार नहीं पकड़ सकती। अब सवाल यह पूछा जाता है कि ढलान वाले दूसरे मील में कार को कितनी रफ्तार से चलना चाहिए, ताकि पूरी दो मील की यात्रा की औसत गति 30 मील प्रति घंटा हो जाए। सामान्य सोच यही कहती है कि अगर एक मील 15 की स्पीड से तय हुआ है तो दूसरा मील 45 की स्पीड से तय कर लिया जाए। लेकिन यहीं पर हमारी सहज समझ धोखा खा जाती है। असल गणित पर नजर डालें तो पूरी दो मील की यात्रा को 30 मील प्रति घंटे की औसत रफ्तार से पूरा करने के लिए कुल समय सिर्फ चार मिनट मिलता है। अब अगर पहले मील की चढ़ाई को 15 मील प्रति घंटे की रफ्तार से तय किया जाए, तो उसमें पूरे चार मिनट लग जाते हैं। यानी कार ने अपना पूरा समय पहले ही मील में खर्च कर दिया। अब दूसरे मील के लिए एक सेकंड भी नहीं बचता। इसका मतलब यह हुआ कि कार को ढलान वाले हिस्से में शून्य समय में दूरी तय करनी होगी, जो केवल अनंत गति से ही संभव है। साफ है कि यह वास्तविक दुनिया में असंभव है। यही वजह है कि इस पहेली का कोई वास्तविक गणितीय समाधान मौजूद नहीं है।

अमेरिकी सोनिक वेपन के उपयोग से खून की उल्टियां करने लगे थे वेनेजुएला के सैनिक

वाशिंगटन। सैन्य हथियारों की दुनिया में मिसाइलों और बमों की चर्चा आम है, लेकिन हाल ही में वेनेजुएला में हुए एक गुप्त आपरेशन ने पूरी दुनिया को चौंका दिया है। खबर है कि अमेरिका ने राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को पकड़ने के लिए एक अत्याधुनिक सोनिक वेपन (ध्वनि आधारित हथियार) का इस्तेमाल किया। इस हथियार की तीव्रता इतनी भयावह थी कि वेनेजुएला के सैनिकों की नाक से खून बहने लगा और वे खून की उल्टियां करने लगे, जिससे उन्हें बिना किसी बड़े संघर्ष के घुटने टेकने पर मजबूर होना पड़ा। इस पूरे घटनाक्रम का खुलासा तब हुआ जब प्रत्यक्षदर्शियों ने इस खौफनाक हमले की कहानी बयां की। सोशल मीडिया पर साझा किए गए विवरणों के अनुसार, यह आपरेशन इतना सटीक था कि इसके आगे आधुनिक मिसाइलें भी विफल नजर आती हैं। एक सुरक्षा गार्ड ने बताया कि आपरेशन के दौरान अचानक एक बेहद तेज ध्वनि तरंग महसूस हुई, जिससे सिर के अंदर विस्फोट जैसा दर्द हुआ। उसने दावा किया कि सैनिक जमीन पर गिर पड़े और हिलने-डुलने की स्थिति में भी नहीं थे।

संयुक्त राष्ट्र की शीर्ष अदालत में म्यांमार के खिलाफ रोहिंग्या शरणार्थियों नरसंहार मामले की सुनवाई शुरू

द हेगे,12 जनवरी (एजेंसियां)।

संयुक्त राष्ट्र की सर्वोच्च न्यायिक संस्था अंतरराष्ट्रीय न्यायालय (आईसीजे) में म्यांमार के खिलाफ रोहिंग्या मुसलमानों के कथित नरसंहार को लेकर ऐतिहासिक मामले की सुनवाई सोमवार से शुरू हो गई है। यह बीते एक दशक से अधिक समय में आईसीजे द्वारा पूरी तरह सुना जाने वाला पहला नरसंहार मामला है, जिसे लेकर बांग्लादेश में रह रहे रोहिंग्या शरणार्थियों में न्याय की उम्मीद जगी है।

यह मामला 2019 में पश्चिम अफ्रीकी देश गाम्बिया ने म्यांमार के खिलाफ दायर किया था। आरोप है कि वर्ष 2017 में म्यांमार की सेना ने रोहिंग्या अल्पसंख्यकों के खिलाफ व्यापक हिंसक अभियान चलाया, जिसके चलते करीब 7.5 लाख रोहिंग्या अपने घर छोड़कर बांग्लादेश के काक्स बाजार क्षेत्र में शरण लेने को मजबूर हुए। शरणार्थियों ने सामूहिक हत्याओं, बलात्कार और गांवों को जलाए जाने जैसी भयावह घटनाओं की गवाही दी थी। संयुक्त राष्ट्र की एक तथ्य-खोज टीम ने भी अपनी रिपोर्ट में 2017 के सैन्य अभियान को नरसंहार की श्रेणी में आने वाले कृत्य बताया था। हालांकि म्यांमार सरकार ने इन आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि सेना की कार्रवाई आतंकवाद विरोधी अभियान का हिस्सा थी। आईसीजे में यह सुनवाई तीन सप्ताह तक चलेगी। विशेषज्ञों का मानना है कि इस मामले का फैसला अंतरराष्ट्रीय कानून में नरसंहार की परिभाषा और जिम्मेदारी तय करने के लिहाज से बेहद अहम होगा। रोहिंग्या शरणार्थियों का कहना है कि भले ही आईसीजे के पास फैसले को लागू कराने की शक्ति न हो, लेकिन यह प्रक्रिया उनके दर्द और पीड़ा को वैश्विक मंच पर मान्यता देगी। काक्स बाजार में रह रहे रोहिंग्या शरणार्थियों ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि इस मुकदमे से दोषियों को जवाबदेह ठहराया जाएगा ।

नेपाल के पूर्व गोरखा सैनिक और दिव्यांग पर्वतारोही हरि बुद्ध मगर ने रचा इतिहास

सात महाद्वीपों की ऊंची चोटियों पर फहराया देश का झंडा

काठमांडू,12 जनवरी (एजेंसियां)।

नेपाल के रोल्पा जिले के मिरुल गांव में 46 वर्ष पहले जन्मे हरि बुद्ध मगर आज साहस और जिजीविषा का प्रतीक बन चुके हैं। पूर्व गोरखा सैनिक मगर ने अंटार्कटिका स्थित माउंट विंसन (4,892 मीटर) पर तीन दिन की कठिन चढ़ाई पूरी कर यह ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की। उन्होंने 06 जनवरी को शिखर पर पहुंचकर अपने लक्ष्य को पूरा किया।

माउंट विंसन के शिखर पर नेपाल का झंडा फहराने के बाद उन्होंने उस क्षण को जादुई बताया। उन्होंने कहा, जहां तक नजर जाती थी, बर्फ ही बर्फ थी। वह अनुभव स्वर्ग जैसा था। मगर 06 जनवरी की रात 10 बजे अपने नेपाली पर्वतारोहण दल के साथी अभिरल राय, मिंगमा शेरपा और जांगबू शेरपा के साथ माउंट विंसन के शिखर पर पहुंचे। वे अंटार्कटिका के यूनियन ग्लेशियर बेस कैंप से रवाना हुए थे। इस कैंप पर 24 घंटे दिन रहता है।

मगर ने दोनों घुटनों के ऊपर से पैर कटने के बावजूद सातों महाद्वीपों की सबसे ऊंची चोटियों पर सफलतापूर्वक चढ़ाई करने वाले दुनिया के पहले व्यक्ति बनने का कीर्तिमान बनाया है। इस दौरान उन्होंने माइनस-25 डिग्री सेल्सियस तक के तापमान को भी सहन किया। उन्होंने कहा, अपनी क्षमताओं को पहचानकर हम हर दिन अपने सपनों के एवरेस्ट पर चढ़ सकते हैं। मैं इस बात का जीवंत प्रमाण हूं कि कड़ी मेहनत सफलता दिलाती है।

मगर ने वर्ष 2010 में अफगानिस्तान में ब्रिटिश सेना के साथ सेवा के दौरान आईईडी विस्फोट में घायल होने के बाद अपने दोनों पैर खो दिए थे। इसके बाद उन्होंने कई वर्षों तक शारीरिक और मानसिक रूप से कड़ा प्रशिक्षण लेकर इस रिकार्ड तोड़ उपलब्धि की तैयारी की। अपने संघर्ष को याद करते हुए उन्होंने कहा कि दिव्यांगता को कभी भी महत्वाकांक्षाओं की सीमा नहीं बनना चाहिए।

माउंट विंसन की चढ़ाई के दौरान की कठिनाइयों को याद करते हुए उन्होंने बताया कि तेज हवाओं और अत्यधिक ठंड ने उन्हें अपनी सीमाओं तक पहुंचा दिया। मेरी उंगलियां जम गई थीं और चेहरे पर ठंड से जलन हो रही थी। कई बार मुझे खुद पर संदेह हुआ। उन्होंने बताया कि अडिग आत्मविश्वास ने ही उन्हें इन परिस्थितियों से उबारा। युद्धकालीन अनुभवों का हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि हर कार्य में चुनौतियां होती हैं, लेकिन स्वयं पर विश्वास और अथक प्रयास से सफलता संभव है। उन्होंने कहा, मुझे विश्वास है कि इससे नेपाल का गौरव भी बढ़ेगा। इस यात्रा में साथ देने वाले सभी लोगों का मैं हृदय से आभार व्यक्त करता हूँ। मगर ने अपनी सेवन समिट्स यात्रा की शुरुआत 13 अगस्त 2019 को फ्रांस के मों ब्लां (4,809 मीटर) से की। इसके बाद उन्होंने 08 जनवरी 2020 को तंजानिया के किलिमंजारो (5,895 मीटर) और 19 मई 2023 को माउंट एवरेस्ट (8,848.86 मीटर) पर चढ़ाई की। मगर ने 28 जून 2024 को उत्तरी अमेरिका के डेनाली (6,190 मीटर), 22 फरवरी 2025 को दक्षिण अमेरिका के अकोंकागुआ (6,961 मीटर) और न्यू गिनी के पंकक जया (4,884 मीटर) को फतह किया। अंत में इस साल छह जनवरी को अंटार्कटिका के माउंट विंसन पर चढ़कर मिशन पूरा किया। उन्होंने यह उपलब्धि विश्वभर के दिव्यांग समुदाय को समर्पित करते हुए कहा कि यह सगरमाथा की धरती से साहस और दृढ़ता का शक्तिशाली संदेश है।

निवेश और उद्योग को नई रफ्तार, विकसित भारत 2047 का ग्रोथ इंजन बनेगा गुजरात : पीयूष गोयल

अहमदाबाद,12 जनवरी (एजेंसियां)। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने सोमवार को राजकोट में वाइब्रेंट रिजनल 2026 कॉन्फ्रेंस को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने वाइब्रेंट 2026 के तहत लगे ड्रोन तकनीक की समीक्षा की और देश की विकास यात्रा को लेकर केंद्र सरकार की उपलब्धियों के बारे में बताया। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में गुजरात में वाइब्रेंट जैसे वैश्विक मंचों का आयोजन किया जा रहा है, जिनका उद्देश्य देश और विदेश से निवेश आकर्षित करना है। इससे न केवल उद्योगों को मजबूती मिलेगी, बल्कि बड़े पैमाने पर रोजगार के नए अवसर भी सृजित होंगे। उन्होंने बताया कि वाइब्रेंट गुजरात पहल ने बीते वर्षों में राज्य को निवेश के प्रमुख केंद्र के रूप में स्थापित किया है। राजकोट वाइब्रेंट 2026 समिट के दौरान आयोजित काइट फेस्टिवल का भी उल्लेख करते हुए मंत्री ने भारत-जर्मनी के बीच द्विपक्षीय व्यापार बढ़ने की संभावनाओं पर भरोसा जताया। उन्होंने कहा कि अहमदाबाद में चल रहे काइट फेस्टिवल में जर्मन चांसलर की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ मौजूदगी भारत की वैश्विक साख को दर्शाती है। यह पहल देश के आर्थिक और कूटनीतिक विकास के लिए बेहद महत्वपूर्ण है।पीयूष गोयल ने अपने संबोधन में गुजरात के सौर ऊर्जा मॉडल का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि सौर ऊर्जा

पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ आर्थिक रूप से भी लाभकारी है। एक बार पूंजी निवेश करने के बाद इसमें कोयला, गैस या पेट्रोल-डीजल जैसे ईंधन पर कोई खर्च नहीं होता। सौर ऊर्जा प्राकृतिक रूप से उपलब्ध है और यह भारत को ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में बड़ा कदम है।

उन्होंने गुजरात की ऐतिहासिक और औद्योगिक विरासत का उल्लेख करते हुए कहा कि धोलावीरा की पांच हजार वर्ष पुरानी कुम्हार परंपरा से लेकर मोरबी के आधुनिक सिरेमिक उद्योग तक, गुजरात की मिट्टी आज वैश्विक बाजार में भारत की पहचान बन चुकी है। नवाचार, तकनीक और निवेश के संगम से सिरेमिक सेक्टर इलेक्ट्रिक वाहन, हेल्थकेयर और ग्रीन टेक जैसे क्षेत्रों में नई संभावनाएं पैदा कर रहा है। विकसित भारत 2047 की यात्रा में यह क्षेत्र निर्णायक भूमिका निभा रहा है।

केंद्रीय मंत्री ने बताया कि 225 से अधिक एमएसएमई क्लस्टर, 12 हजार से ज्यादा स्टार्टअप, मजबूत लॉजिस्टिक्स नेटवर्क और उद्यमशीलता की संस्कृति के चलते सौराष्ट्र क्षेत्र वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी विनिर्माण केंद्र के रूप में उभर रहा है। यह क्षेत्र न केवल गुजरात बल्कि पूरे देश के औद्योगिक भविष्य की दिशा तय कर रहा है।

विकसित गुजरात के संकल्प को साकार करने के उद्देश्य से वीजीआरसी के दूसरे दिन आयोजित एमएसएमई कॉन्क्लेव का मुख्य लक्ष्य सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों को सशक्त बनाना रहा। इस कॉन्क्लेव में स्थानीय उद्यमियों को वैश्विक बाजारों से जोड़ने, तकनीकी उन्नयन और निवेश के नए अवसरों पर विशेष चर्चा की गई। साथ ही विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञों ने एमएसएमई सेक्टर को और मजबूत करने के लिए अपने अनुभव साझा किए।

एमएसएमई कॉन्क्लेव के दौरान सौराष्ट्र और कच्छ के औद्योगिक विकास के लिए 300 करोड़ रुपए से अधिक के समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। साथ ही गोयल ने कहा कि ये समझौते रोजगार सृजन, औद्योगिक विस्तार और आत्मनिर्भर गुजरात के निर्माण में अहम भूमिका निभाएंगे।

अपने संबोधन में पीयूष गोयल ने आगे कहा कि भारत का 'अमृत काल' वर्ष 2047 में आजादी के 100 वर्ष पूरे होने का प्रतीक है। विकसित भारत 2047 के लक्ष्य को हासिल करने के लिए विकसित गुजरात का निर्माण जरूरी है। इसी दिशा में गुजरात सरकार ने लगभग 60 लाख करोड़ रुपए के बुनियादी ढांचा विकास की व्यापक योजना तैयार की है, जिसमें एमएसएमई की भूमिका सबसे अहम होगी।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि सौराष्ट्र और कच्छ में आयोजित यह क्षेत्रीय सम्मेलन स्थानीय उद्योगों और व्यापार को मजबूती देगा। इससे जीआई टैग वाले उत्पादों, एक जिला एक उत्पाद योजना और किसानों की उपज को भी बढ़ावा मिलेगा। इस तरह के सम्मेलन भारत और विदेशों के निवेशकों को एक साथ लाकर नई तकनीकों और नए अवसरों से परिचित कराते हैं, जिससे देश के औद्योगिक विकास को नई दिशा मिलती है।

अवैध कब्जा बर्दाश्त नहीं, भूमाफिया और दबंगों के खिलाफ जारी रहेगी कठोर कार्रवाई : योगी

लखनऊ,12 जनवरी (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को 'जनता दर्शन' में विभिन्न जनपदों से आए प्रत्येक प्रार्थी से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं। आमजनों के प्रार्थना पत्र लेकर मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को कार्रवाई का निर्देश दिया और कहा कि अवैध कब्जा कतई बर्दाश्त नहीं है। भूमाफिया और दबंगों के खिलाफ कठोर कार्रवाई जारी है और नियमित रूप से होती रहेगी। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को त्वरित व संतुष्टिपरक निस्तारण का निर्देश देने के साथ ही लोगों को भरोसा दिलाया कि सरकार आपकी समस्या के समाधान के लिए प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री के समक्ष कुछ वादी जमीन कब्जा व मारपीट आदि की शिकायत लेकर पहुंचे। मुख्यमंत्री ने हर एक व्यक्ति के पास पहुंचकर उसकी शिकायत सुनी, प्रार्थना पत्र लिया और फिर अधिकारियों को निर्देश दिया कि जनपद स्तर पर कानून व राजस्व के प्रकरण में तेजी से सुनवाई करते हुए इसका निस्तारण किया जाए। कानून व्यवस्था सरकार की प्राथमिकता में है। इसमें हीला-हवाली कतई बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

मुख्यमंत्री ने प्रशासन और जनपद, मंडल, रेंज व जोन के पुलिस अधिकारियों को निर्देश दिया कि दबंगों व भूमाफिया के खिलाफ कठोरतम कार्रवाई नियमित रूप से जारी रखें। गंभीर बीमारी से जूझ रहे कुछ पीड़ितों ने 'जनता दर्शन' में पहुंचकर इलाज के लिए आर्थिक सहायता की गुहार लगाई। सीएम ने कहा कि सरकार इलाज के लिए आर्थिक सहायता दे रही है। आप भी हॉस्पिटल से जल्द एस्टिमेट बनवाकर दें, एस्टिमेट मिलते ही आपके इलाज में सरकार तुरंत आर्थिक मदद करेगी। धन के अभाव में इलाज नहीं रुकेगा।

'जनता दर्शन' में कई बच्चे भी अपने अभिभावकों के साथ पहुंचे। नन्हे-मुन्ने बच्चों के सामने सीएम योगी का बालप्रेम फिर उमड़ पड़ा।

मुख्यमंत्री ने बच्चों का हाल जाना, उन्हें दुलारा-पुचकारा और चॉकलेट दी। सीएम ने अभिभावकों से कहा कि ठंड में बच्चों का विशेष ध्यान रखें। यह अपनत्वपूर्ण भाव सुनकर अभिभावकों ने मुख्यमंत्री के प्रति आभार जताया।

बंगाल में बांग्लादेशी घुसपैठियों और रोहिंग्या मुसलमानों को दी जा रही सुरक्षा : अनुराग ठाकुर

सोलन,12 जनवरी (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव से पहले सत्ताधारी पार्टी तृणमूल कांग्रेस की चुनावी मैनेजमेंट कंपनी आई-पैक के ठिकानों पर प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की छापेमारी ने राजनीतिक सरगर्मी बढ़ा दी है। भाजपा सांसद अनुराग ठाकुर ने सोमवार को ममता सरकार पर निशाना साधा। भाजपा सांसद अनुराग ठाकुर ने पत्रकारों से बात करते हुए कहा, ममता बनर्जी ने बंगाल को ऐसी हालत में पहुंचा दिया है कि वहां बांग्लादेशी घुसपैठियों और रोहिंग्या मुसलमानों को सुरक्षा दी जा रही है। कुछ लोग बम बनाने में शामिल हैं, तो कुछ नकली करेंसी के साथ पकड़े जा रहे हैं। बंगाल को असुरक्षित बनाने और भ्रष्टाचार के नए मॉडल बनाने की कोशिशें की जा रही हैं। जब भ्रष्टाचार की जांच होती है, तो मुख्यमंत्री जांच में रुकावट डालने की कोशिश करती हैं। अनुराग ठाकुर ने कांग्रेस द्वारा वीबी जी राम जी बिल का विरोध करने पर निशाना साधा। उन्होंने कहा, कांग्रेस का सिर्फ एक ही एजेंडा है। यह दुनिया की एकमात्र पार्टी है जो गरीबों के विकास का विरोध करती है, गरीबों के लिए काम का विरोध करती है और यहां तक कि भगवान राम के नाम का भी विरोध करती है। मैं कांग्रेस से पूछता हूं कि क्या आपको दर्द होता है अगर गरीबों को जी राम जी योजना के तहत 100 दिन के बजाय 125 दिन का काम मिले, ज्यादा मजदूरी मिले, 15 दिन के बजाय सात दिन में पेमेंट मिले, देरी होने पर ब्याज के साथ मुआवजा मिले या काम न मिलने पर बेरोजगारी भत्ता मिले?

स्थानीय पंचायत चुनाव के बारे में भाजपा सांसद अनुराग ठाकुर ने कहा, पंचायत में हुए काम दिखाते हैं कि विकास कैसे किया जा सकता है। एक ही पंचायत में पोस्ट ऑफिस, शहीदों का स्मारक और एक बड़ा खेल का मैदान बनाया गया है, जो एक मजबूत मिसाल है। हमारे सम्मानित सांसद सुरेश कश्यप ने इस पंचायत के लिए दिल खोलकर फंड दिया, जिसके लिए मैं उनका आभार व्यक्त करता हूं। मैं कहना चाहूंगा कि जल शक्ति पंचायत चुनाव होने चाहिए, नए पंचायत प्रतिनिधि चुने जाने चाहिए और जी राम-जी जैसी योजनाओं के जरिए पंचायतों का विकास किया जाना चाहिए।

कागजी फाइल से डिजिटल फॉर्म तक, जानिए आजादी से अब तक आम बजट में क्या-क्या बदला

नई दिल्ली,12 जनवरी (एजेंसियां)। देश की वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण 1 फरवरी 2026 को केंद्रीय बजट पेश करने जा रही हैं। यह उनका लगातार नौवां बजट होगा, और इसी के साथ वह लगातार 9 बार बजट पेश करने वाली देश की पहली वित्त मंत्री बन जाएंगी। वहीं, भारत के इतिहास का यह 80वां केंद्रीय बजट होगा। भारत का केंद्रीय बजट केवल आय-व्यय का दस्तावेज नहीं, बल्कि देश की आर्थिक सोच और नीतिगत दिशा का आईना भी होता है। आजादी के बाद से लेकर अब तक बजट की तारीख, समय, प्रस्तुति की शैली और उसकी प्राथमिकताओं में कई बड़े बदलाव हुए हैं। समय के साथ भारत की अर्थव्यवस्था बदली और उसी के साथ बजट की परंपराएं भी आधुनिक होती चली गईं। भारत में पहली बार बजट 7 अप्रैल 1860 को पेश किया गया था। हालांकि उस समय देश ब्रिटिश शासन के अधीन था। आजाद भारत का पहला केंद्रीय बजट 26 नवंबर 1947 को पेश किया गया था। इसे तत्कालीन वित्त मंत्री आर.के. शनमुखम चेट्टी ने संसद में प्रस्तुत किया। यह बजट आजादी के बाद की शुरुआती आर्थिक चुनौतियों को ध्यान में रखकर तैयार किया गया था, जिसमें देश के पुनर्निर्माण और बुनियादी जरूरतों पर फोकस था।

इसके बाद से अब तक बजट की प्रक्रिया में कई बड़े और ऐतिहासिक बदलाव हुए हैं।लंबे समय तक भारत में केंद्रीय बजट हर साल 28 फरवरी को पेश

किया जाता रहा। यह परंपरा ब्रिटिश काल से चली आ रही थी। लेकिन साल 2017 में मोदी सरकार ने एक ऐतिहासिक बदलाव करते हुए बजट की तारीख 1 फरवरी कर दी। इसका मकसद यह था कि बजट से जुड़ी योजनाएं नए वित्त वर्ष की शुरुआत यानी 1 अप्रैल से पहले ही लागू की जा सकें और राज्यों को भी अपनी योजनाएं बनाने के लिए ज्यादा समय मिल सके।साल 2019 से पहले बजट को चमड़े के ब्रीफकेस में संसद लाया जाता था। लेकिन वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने इस परंपरा को बदलते हुए बजट को लाल रंग के कपड़े में लपेटकर पेश किया।

पहले बजट दस्तावेज भारी-भरकम कागजी फाइलों में पेश किए जाते थे। लेकिन साल 2021 में पहली बार भारत का केंद्रीय बजट पूरी तरह डिजिटल फॉर्म में पेश किया गया। इसके साथ ही 'बजट ऐप' भी लॉन्च किया गया, जिससे आम लोग आसानी से बजट से जुड़ी जानकारी प्राप्त कर सकें।

आजादी के बाद कई दशकों तक भारत में अलग से रेल बजट पेश किया जाता था। लेकिन साल 2017 में रेल बजट को केंद्रीय बजट में ही शामिल कर दिया गया। सरकार का तर्क था कि इससे संसाधनों का बेहतर उपयोग होगा और रेलवे के विकास को समग्र आर्थिक नीति से जोड़ा जा सकेगा।

एक समय ऐसा था जब भारत का बजट शाम 5 बजे पेश किया जाता था। लेकिन अटल बिहारी वाजपेयी की सरकार (वित्त मंत्री यशवंत सिन्हा) ने बजट की टाइमिंग बदलकर सुबह 11 बजे कर दी। तब से लेकर आज तक बजट इसी समय पेश किया जाता है।वहीं आम बजट 2026-27 को लेकर चर्चाएं तेज हैं, खासकर इसलिए क्योंकि इस बार बजट की तारीख 1 फरवरी 2026 को रविवार है। इसे लेकर असमंजस की स्थिति जरूर है, लेकिन संसदीय इतिहास बताता है कि जरूरत पड़ने पर शनिवार और रविवार जैसे अवकाश वाले दिन भी कार्यदिवस घोषित किए जा चुके हैं।

संसदीय कार्य मंत्री किरण रिजिजू ने हाल ही में स्पष्ट किया है कि इस पर अंतिम फैसला संसदीय मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति द्वारा सही समय पर लिया जाएगा।

अगर 1 फरवरी को बजट पेश होता है, तो यह कोई नई बात नहीं होगी। 2020 में कोविड महामारी के दौरान रविवार को संसद की कार्यवाही हुई थी।

वर्ष 2015 और 2016 में वित्त मंत्री अरुण जेटली ने शनिवार को बजट पेश किया था। 2025 में निर्मला सीतारमण ने भी शनिवार को बजट प्रस्तुत किया था।

शुरुआती दौर में बजट का फोकस कृषि, सिंचाई और बुनियादी ढांचे पर था। समय के साथ शिक्षा, स्वास्थ्य, उद्योग, स्टार्टअप, डिजिटल इंडिया, ग्रीन एनर्जी और सामाजिक कल्याण जैसे विषय बजट की प्राथमिकताओं में शामिल होते गए। आज का बजट आत्मनिर्भर भारत, रोजगार सृजन और समावेशी विकास पर केंद्रित नजर आता है।

केंद्रीय बजट में हुए ये बदलाव दिखाते हैं कि भारत की आर्थिक नीति समय के साथ अधिक व्यावहारिक, पारदर्शी और आधुनिक होती गई है। तारीख से लेकर समय और प्रस्तुति के तरीके तक, हर बदलाव का उद्देश्य देश के विकास को गति देना और नीतियों को जमीन पर जल्दी उतारना रहा है।

ममता बनर्जी का चुनाव आयोग को पत्र, कहा- बिना गलती के परेशान किए जा रहे वोटर

कोलकाता,12 जनवरी (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने सीईसी ज्ञानेश कुमार को पत्र लिखकर एसआईआर के दौरान मतदाता सूची में हो रही कथित गंभीर प्रक्रियात्मक खामियों पर कड़ा ऐतराज जताया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि मौजूदा प्रक्रिया से आम नागरिकों को अनावश्यक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है और कई योग्य मतदाताओं के नाम गलत तरीके से मतदाता सूची से हटाए जा रहे हैं, जो उनके संवैधानिक अधिकारों का हनन है। ममता बनर्जी ने पत्र में लिखा कि जिन मतदाताओं को सुनवाई नोटिस भेजे जा रहे हैं, वे पहले से ही वर्ष 2002 की मतदाता सूची से स्वयं या अपने परिजनों के माध्यम से मैप किए जा चुके हैं। ऐसे मामलों में सुनवाई नोटिस जारी करने की कोई आवश्यकता नहीं है। इससे न केवल मतदाताओं में भ्रम फैल रहा है, बल्कि उन्हें बेवजह मानसिक और प्रशासनिक परेशानियों का भी सामना करना पड़ रहा है।साथ ही, इन नोटिसों को लेकर फील्ड में काम कर रही टीमों को भी जनता के विरोध और नाराजगी का सामना करना पड़ रहा है, क्योंकि मतदाता इसे बिना किसी गलती के उत्पीड़न मान रहे हैं।मुख्यमंत्री ने एसआईआर के दौरान सामने आ रही दो बड़ी खामियों की ओर विशेष रूप से ध्यान दिलाया। पहली खामी यह है कि सुनवाई के दौरान मतदाता अपनी पात्रता से जुड़े सभी आवश्यक दस्तावेज जमा कर रहे हैं, लेकिन कई मामलों में इन दस्तावेजों की

कोई पावती या रसीद उन्हें नहीं दी जा रही। बाद में जब सत्यापन या अगली सुनवाई होती है, तो वही दस्तावेज 'रिकॉर्ड पर उपलब्ध नहीं' बताए जाते हैं और इसी आधार पर मतदाताओं के नाम सूची से हटा दिए जाते हैं। ममता बनर्जी ने इसे पूरी तरह से गलत और अस्वीकार्य प्रक्रिया बताया।उन्होंने कहा कि दस्तावेजों की रसीद न देना मतदाताओं को असहाय बना देता है और उन्हें प्रशासनिक लापरवाही का शिकार होना पड़ता है। यह पूरी प्रक्रिया तकनीकी औपचारिकताओं पर आधारित और यांत्रिक हो गई है, जिसमें विवेकपूर्ण निर्णय का अभाव है। इससे एसआईआर का मूल उद्देश्य ही विफल हो रहा है, जिसका मकसद मतदाता सूची को शुद्ध और मजबूत बनाना है, न कि वास्तविक और पात्र मतदाताओं को बाहर करना।दूसरी बड़ी खामी के रूप में मुख्यमंत्री ने 2002 की मतदाता सूचियों के डिजिटलीकरण की प्रक्रिया का जिक्र किया।उन्होंने बताया कि पुराने, गैर-डिजिटाइज्ड मतदाता रिकॉर्ड को एआई टूल के जरिए स्कैन और अंग्रेजी में ट्रांसलेट किया गया, जिसमें नाम, उम्र, लिंग, रिश्ते और अभिभावक के नाम जैसी जानकारियों में गंभीर गलतियां हुईं। इन त्रुटियों के कारण बड़ी संख्या में मतदाताओं को 'लॉजिकल डिस्क्रेपेंसी' की श्रेणी में डाल दिया गया।ममता बनर्जी ने यह भी कहा कि पिछले 23 वर्षों में कई मतदाताओं ने फॉर्म-8 के जरिए अपने विवरण सही कराए थे, जिन्हें विधिसम्मत सुनवाई के बाद चुनाव अधिकारियों ने मंजूरी दी थी और वे 2025 की मतदाता सूची में शामिल हैं। इसके बावजूद, अब चुनाव आयोग उन्हीं मतदाताओं से दोबारा पहचान और पात्रता साबित करने को कह रहा है, जो पूरी तरह मनमाना और असंवैधानिक है।मुख्यमंत्री ने सवाल उठाया कि यदि प्रक्रिया को फिर से 2002 पर ले जाया जा रहा है, तो क्या इसका मतलब यह है कि पिछले दो दशकों में किए गए सभी संशोधन अवैध थे?उन्होंने कहा कि नाम या उम्र में मामूली अंतर जैसे 'केआर' और 'कुमार' या 'शेख' और 'एसके' जैसी त्रुटियों को बिना सुनवाई के, टेबल-टॉप स्तर पर ही सुलझाया जा सकता है।बनर्जी ने चुनाव आयोग से अपील की कि वह इन मुद्दों पर तत्काल ध्यान दे ताकि नागरिकों की पीड़ा समाप्त हो, प्रशासनिक तंत्र पर अनावश्यक दबाव न पड़े, और लोकतांत्रिक अधिकारों की रक्षा सुनिश्चित हो सके।

सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम ने जस्टिस सुजय पॉल को कलकत्ता हाईकोर्ट का चीफ जस्टिस बनाने की सिफारिश की

नई दिल्ली,12 जनवरी (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम ने कलकत्ता हाईकोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस सुजय पॉल को उसी अदालत का मुख्य न्यायाधीश नियुक्त करने की सिफारिश की है। सुप्रीम कोर्ट की वेबसाइट पर जारी एक आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी गई। बयान में कहा गया कि 9 जनवरी को हुई कॉलेजियम की बैठक में यह फैसला लिया गया। कॉलेजियम ने जस्टिस सुजय पॉल (वर्तमान में कलकत्ता हाईकोर्ट में न्यायाधीश) को कलकत्ता हाईकोर्ट का मुख्य न्यायाधीश बनाए जाने की अनुशंसा की है। जस्टिस सुजय पॉल को 18 जुलाई 2025 को कलकत्ता हाईकोर्ट का न्यायाधीश नियुक्त किया गया था। इसके बाद अक्टूबर से वे कलकत्ता हाईकोर्ट में कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश के रूप में भी जिम्मेदारी निभा रहे हैं। अब कॉलेजियम की सिफारिश के बाद उनके स्थायी मुख्य न्यायाधीश बनने का रास्ता साफ हो गया है।

जस्टिस सुजय पॉल मूल रूप से मध्य प्रदेश हाईकोर्ट के न्यायाधीश रहे हैं। मार्च 2024 में उनका तबादला तेलंगाना हाईकोर्ट किया गया था। बाद में जनवरी 2025 में उन्हें तेलंगाना हाईकोर्ट का कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश भी नियुक्त किया गया।

जस्टिस सुजय पॉल का जन्म 21 जून 1964 को हुआ। उन्होंने अपनी स्कूली शिक्षा पंडित एल.एस. झा मॉडल हायर सेकेंडरी स्कूल से पूरी की। इसके बाद उन्होंने मध्य प्रदेश के जबलपुर स्थित रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय से स्नातक, परास्नातक और एलएलबी की पढ़ाई की।साल 1990 में वे मध्य प्रदेश बार काउंसिल में अधिवक्ता के रूप में पंजीकृत हुए। उन्होंने सिविल, संवैधानिक, औद्योगिक, सेवा कानून सहित कानून की कई शाखाओं में सक्रिय रूप से वकालत की और विभिन्न अदालतों में पेश हुए।

27 मई 2011 को उन्हें मध्य प्रदेश हाईकोर्ट, जबलपुर में न्यायाधीश नियुक्त किया गया और 14 अप्रैल 2014 को वे स्थायी न्यायाधीश बने। उन्होंने मार्च 2024 में तेलंगाना हाईकोर्ट में न्यायाधीश के रूप में शपथ ली। बताया गया कि उन्होंने अपने अनुरोध पर तबादला कराया था, क्योंकि उनके पुत्र मध्य प्रदेश हाईकोर्ट में वकालत कर रहे थे।

26 मई 2025 को सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम ने उनके कलकत्ता हाईकोर्ट में तबादले की सिफारिश की थी, जिसके बाद 18 जुलाई 2025 को उन्हें वहां न्यायाधीश नियुक्त किया गया।15 सितंबर 2025 को कलकत्ता हाईकोर्ट के तत्कालीन मुख्य न्यायाधीश जस्टिस टीएस शिवज्ञानम सेवानिवृत्त हो गए थे। इसके बाद जस्टिस सौमेन सेन को कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश बनाया गया, हालांकि उनका कार्यकाल सीमित था, क्योंकि कॉलेजियम ने पहले ही उनके नाम की सिफारिश अन्य हाईकोर्ट के लिए कर दी थी। हाल ही में जस्टिस सौमेन सेन ने केरल हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश के रूप में शपथ ली।

जस्टिस सुजय पॉल की सिफारिश के साथ कलकत्ता हाईकोर्ट को जल्द ही स्थायी मुख्य न्यायाधीश मिलने की उम्मीद है।

7 हजार गायों की देखभाल के लिए आगे आए सोनू सूद, गोशाला को दी 22 लाख रुपए की मदद

फिल्मी पर्दे पर दमदार एक्शन करने वाले हीरो दर्शकों को काफी पसंद आते हैं, लेकिन असल जिंदगी में हीरो वही होते हैं जो जरूरतमंदों के काम आते हैं। अभिनेता सोनू सूद बीते कुछ सालों में लोगों की मदद करते आए हैं। अब उन्होंने गुजरात में जानवरों के कल्याण के लिए बड़ा कदम उठाया है। सोनू सूद ने कई बार साबित किया है कि वे जमीन से जुड़े और जिम्मेदार इंसान हैं। कोरोना काल में प्रवासी मजदूरों की मदद से लेकर गरीबों की शिक्षा और इलाज तक, सोनू सूद का नाम मदद के कामों में हमेशा आगे रहा है। सोनू सूद ने गुजरात के वाराही में स्थित एक बड़ी गोशाला को 22 लाख रुपए की आर्थिक सहायता दी है। यह गोशाला करीब 7,000 गायों का घर है, जहां बेसहारा, घायल और बचाई गई गायों की देखभाल की जाती है। इतनी बड़ी संख्या में गायों की सेवा करना आसान काम नहीं है। रोजाना उनके खाने, पीने, इलाज और रहने की व्यवस्था के लिए भारी संसाधनों की जरूरत होती है। ऐसे में सोनू सूद की यह मदद गोशाला के लिए किसी बड़ी राहत से कम नहीं है।

इस गोशाला की खास बात यह है कि इसकी शुरुआत बहुत छोटे स्तर पर हुई थी। कुछ गायों से शुरू हुआ यह सफर आज हजारों गायों तक पहुंच चुका है। सोनू सूद ने जब इस गोशाला का दौरा किया तो वह काफी प्रभावित हुए। उन्होंने कहा कि जिस तरह यह गोशाला धीरे-धीरे बढ़ी और आज इतने बड़े स्तर पर काम कर रही है, वह पूरे समाज के लिए गर्व की बात है। यह सिर्फ गोशाला चलाने वालों की मेहनत नहीं, बल्कि सेवा और समर्पण की एक मिसाल है। सोनू सूद ने कहा, ''गोशाला में काम करने वाले लोग जो सेवा कर रहे हैं, उनके सामने मेरी यह मदद बहुत छोटी है। अगर मेरी तरफ से दिया गया सहयोग गायों की देखभाल को बेहतर बनाने में थोड़ा भी काम आए, तो यह मेरे लिए सबसे बड़ी खुशी होगी। यह राशि गोशाला में पशु चिकित्सा सुविधाओं, ढांचे को मजबूत करने और रोजमर्रा की जरूरतों को पूरा करने में इस्तेमाल की जाएगी।'' गोशाला के दौरे के दौरान वहां के लोगों से मिले अपनेपन को लेकर सोनू सूद ने कहा, 'मुझे वहां जाकर बहुत अच्छा महसूस हुआ। मुझे गर्व है कि देश में ऐसे लोग हैं जो बिना किसी स्वार्थ के जानवरों की सेवा में लगे हैं। मैं आगे भी इस गोशाला से जुड़ा रहूंगा और समय-समय पर यहां आता रहूंगा।''

सलमान खान डायलॉग या सीन की प्रैक्टिस नहीं करते

चित्रांगदा सिंह ने बताया 'बैटल ऑफ गलवान' के सेट का अनुभव

अभिनेत्री चित्रांगदा सिंह इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'बैटल ऑफ गलवान' में नजर आएंगी। इस फिल्म में उनके साथ सलमान खान भी लीड रोल में हैं। आईएएनएस को दिए इंटरव्यू में चित्रांगदा ने फिल्म में काम करने के अनुभव के बारे में बताया। उन्होंने सलमान के बारे में बात करते हुए कहा कि उनके पास अनुभव का विशाल भंडार है। उनका काम दर्शकों पर गहरा असर छोड़ता है। आईएएनएस से बात करते हुए चित्रांगदा ने कहा, ''सलमान खान परंपरागत तरीके से तैयारी करने वाले अभिनेता नहीं हैं। वह डायलॉग या सीन की प्रैक्टिस नहीं करते, बल्कि उनका अभिनय स्वाभाविक होता है। वह धीरे-धीरे किरदार की मानसिकता और भावनाओं को समझते हैं, और दर्शकों को यह पता ही नहीं चलता कि उन्होंने इसके लिए कितनी मेहनत की।'' चित्रांगदा ने कहा, ''सलमान का यह तरीका उन्हें ऑन-स्क्रीन हमेशा नया और दिलचस्प बनाता है। उनका अभिनय कभी भी उबाऊ नहीं लगता, क्योंकि वह हर सीन और भाव को सीधे या अनुमानित तरीके से नहीं निभाते, बल्कि अपने अलग अंदाज में पेश करते हैं।''

उन्होंने कहा, ''सलमान का सहज और प्राकृतिक होना काम करने वालों के लिए प्रेरणादायक है। वह अपने सह-कलाकारों के साथ हमेशा ताजगी और ऊर्जा के साथ काम करते हैं। उनके साथ काम करना मेरे लिए एक मजेदार और सीखने वाला अनुभव रहा। उन्होंने मुझे यह महसूस कराया कि अनुभव और सहजता का सही मेल किसी भी कलाकार को महान बना सकता है।''

बात करें अगर फिल्म 'बैटल ऑफ गलवान' की, तो इसकी कहानी 2020 में गलवान घाटी में भारत और चीन की सेनाओं के बीच हुई झड़प पर आधारित है। 15 जून को नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर दोनों देशों की सेनाओं के बीच हिंसक झड़प हुई थी, जिसमें दोनों पक्षों को जानमाल का नुकसान हुआ। सीमा के पास फायरआर्म्स का इस्तेमाल न करने के समझौते के कारण, सैनिकों ने लाठियों और पत्थरों का इस्तेमाल करते हुए लड़ाई लड़ी थी।

फिल्म में सलमान कर्नल बी. संतोष बाबू की भूमिका में नजर आएंगे, जिन्होंने असाधारण साहस के साथ 16 बिहार रेजिमेंट का नेतृत्व किया और मरणोपरांत महावीर चक्र से सम्मानित हुए थे।

'बैटल ऑफ गलवान' फिल्म 17 अप्रैल 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

ताहा शाह बदुशा की फिल्म पारो ऑस्कर की आधिकारिक एलिजिबिलिटी लिस्ट में शामिल

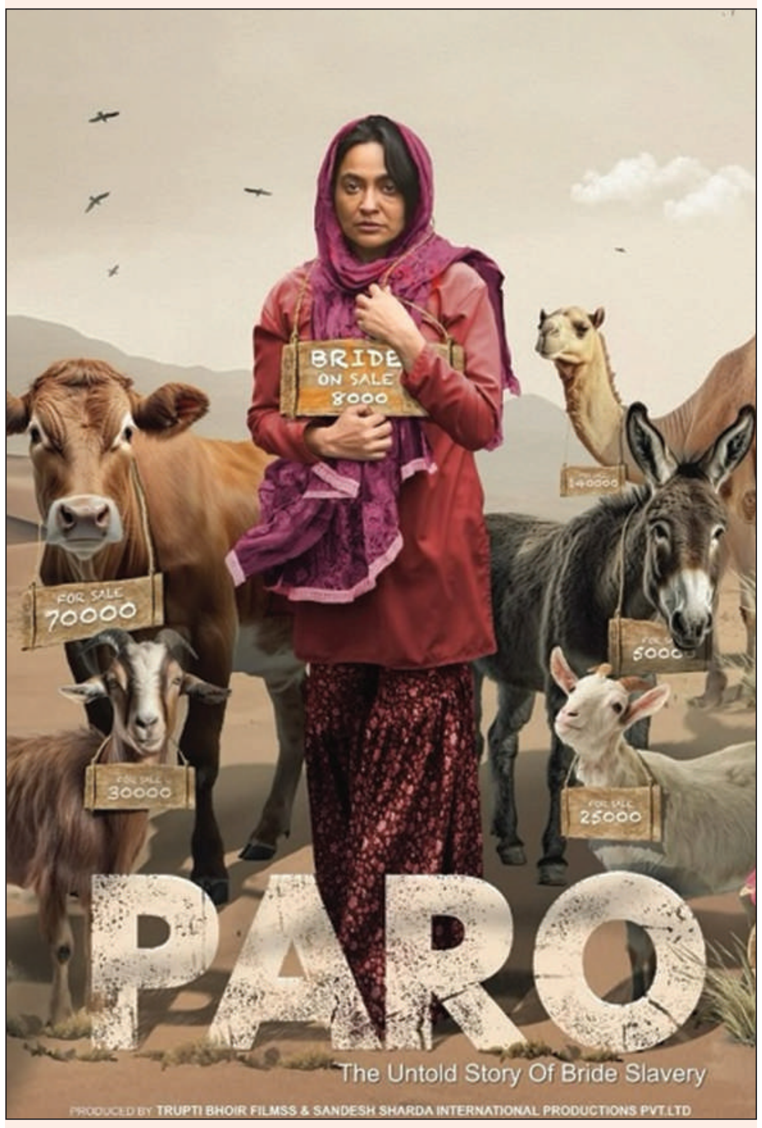

ताहा शाह बदुशा अभिनीत फिल्म पारो-द अनटोल्ड स्टोरी ऑफ ब्राइड स्लेवरी को एक बड़ी अंतरराष्ट्रीय उपलब्धि हासिल हुई है। फिल्म को 98वें अकादमी अवॉर्ड्स (ऑस्कर) 2026 के लिए एकेडमी ऑफ मोशन पिक्चर आर्ट्स एंड साइंसेज़ द्वारा जारी आधिकारिक ऑस्कर एलिजिबिलिटी लिस्ट में शामिल की गई है। इसके साथ ही पारो उन चुनिंदा अंतरराष्ट्रीय फिल्मों की सूची में आ गई है, जिन्होंने अकादमी के तय मानकों और योग्यता शर्तों को पूरा किया है। फिल्म का निर्माण फिल्ममेकर और सामाजिक कार्यकर्ता तृप्ति भोईर ने किया है, जबकि निर्देशन की कमान संभाली है प्रख्यात निर्देशक गजेंद्र अहिरे ने। पारो एक संवेदनशील और सामाजिक विषय पर आधारित फिल्म है, जो दुल्हन तस्करी यानी ब्राइड ट्रैफिकिंग जैसे गंभीर और अनदेखे मुद्दे को सामने लाता है।

फिल्म में ताहा शाह बदुशा के साथ तृप्ति भोईर और गोविंद नामदेव भी अहम भूमिकाओं में हैं। अपनी विषयवस्तु और प्रभावशाली कहानी के चलते फिल्म अंतरराष्ट्रीय फिल्म समारोहों और सर्किट्स में पहले ही सराहना बटोर चुकी है। ऑस्कर एलिजिबिलिटी लिस्ट में शामिल होना फिल्म की कलात्मक गुणवत्ता, सामाजिक प्रासंगिकता और अकादमी के सबमिशन व स्क्रीनिंग नियमों के अनुरूप होने को दर्शाता है। हालांकि यह सीधे नामांकन की गारंटी नहीं है, लेकिन अंतरराष्ट्रीय अवॉर्ड्स की दिशा में इसे एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

इस उपलब्धि पर प्रतिक्रिया देते हुए ताहा शाह बदुशा ने कहा, मुझे बेहद गर्व और सम्मान महसूस हो रहा है कि पारो को ऑस्कर एलिजिबिलिटी लिस्ट में जगह मिली है। यह फिल्म मेरे लिए सिर्फ एक किरदार नहीं, बल्कि उन आवाज़ों का प्रतिनिधित्व है, जिन्हें अक्सर अनसुना कर दिया जाता है।

यह एक ऐसी कहानी है, जिसे सरहदों से परे देखा और सुना जाना चाहिए। मैं पूरी टीम और उन सभी लोगों का आभारी हूं, जिन्होंने इस सफर पर भरोसा किया। उम्मीद है कि यह पहचान अर्थपूर्ण सिनेमा के लिए नए दरवाज़े खोलेगी, जो संवेदना, जागरूकता और बदलाव को प्रेरित करे। गौरतलब है कि ऑस्कर एलिजिबिलिटी के साथ पारो ने वैश्विक स्वतंत्र सिनेमा में अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज कराई है और यह उपलब्धि अंतरराष्ट्रीय मंच पर सामाजिक सरोकारों से जुड़ी भारतीय कहानियों की बढ़ती पहचान को भी रेखांकित करती है।

बच्चियों के किडनैप की गुत्थी को सुलझाती दिखेंगी रानी मुखर्जी

फिल्म मर्दानी 3 का ट्रेलर बढ़ा देगा धड़कनें

हिंदी सिनेमा में जब भी मजबूत महिला किरदारों और सामाजिक मुद्दों पर बनी फिल्मों की बात होती है, तो यश राज फिल्म्स की 'मर्दानी' फ्रैंचाइजी का नाम ऊपर आता है। बीते एक दशक में 'मर्दानी' ने न सिर्फ बॉक्स ऑफिस पर अपनी पहचान बनाई, बल्कि दर्शकों के दिलों में भी गहरी छाप छोड़ी। अब 'मर्दानी 3' का ट्रेलर सामने आया है, जिसने दर्शकों की उत्सुकता को बढ़ा दिया है। 'मर्दानी 3' का ट्रेलर अपनी शुरुआत से ही दर्शक को झकझोर देता है। पहले ही सीन में एक खेलती हुई मासूम बच्ची का किडनैप होना दिखाया जाता है। इसके बाद कहानी तेजी से आगे बढ़ती है और बताया जाता है कि शहर में लगातार छोटी-छोटी बच्चियों के अपहरण हो रहे हैं। माहौल डरावना लगता है। वहीं प्रशासन असहाय नजर आता है और हालात बेकाबू होते दिखते हैं। तभी इस केस को सुलझाने के लिए साहसी पुलिस अधिकारी शिवानी शिवाजी रॉय को बुलाया जाता है। शिवानी के किरदार में रानी मुखर्जी एक बार फिर पूरी ताकत के साथ लौटती नजर आ रही हैं। जैसे-जैसे शिवानी जांच आगे बढ़ाती हैं, एक चौंकाने वाला खुलासा होता है। पता चलता है कि पिछले तीन महीनों में 93 बच्चियों को किडनैप किया जा चुका है। इन सभी अपराधों के पीछे एक ही नाम सामने आता है- 'अम्मा'। ट्रेलर में अम्मा का किरदार काफी खौफनाक है। बच्चियों को किडनैप कराने के बाद, वह उनके साथ क्या करती है, यह ट्रेलर में सस्पेंस रखा गया है।

इस बार 'मर्दानी 3' की सबसे बड़ी खासियत यह है कि शिवानी का सामना किसी पुरुष अपराधी से नहीं, बल्कि एक महिला विलेन से है। 'अम्मा' का किरदार निभा रही दमदार अभिनेत्री मल्लिका प्रसाद को देख रोंगटे खड़े हो जाते हैं। अम्मा बेहद चालाक, क्रूर और शातिर है। ट्रेलर में दिखाया गया है कि वह पुलिस अधिकारी शिवानी को खरीदने की कोशिश भी करती है, लेकिन शिवानी शिवाजी रॉय किसी भी कीमत पर अपने फर्ज से समझौता नहीं करती।

रानी मुखर्जी का अंदाज इस बार पहले से ज्यादा सख्त, बेखौफ और गुस्से से भरा हुआ है। ट्रेलर में उनके डायलॉग्स सीधे दिल और दिमाग पर असर करते हैं। रिश्वत के पेशकश के एक सीन में शिवानी का डायलॉग है, 'तेरी बदकिस्मत है कि तेरा मुझ से पाला पड़ गया, जो तुझ जैसे से कट नहीं लेती, बल्कि तुझ जैसे तो काट कर रख देती है।'

फिल्म अकेली में नुसरत भरूचा की दमदार एक्टिंग पर फिदा हुईं फराह खान

फिल्मी दुनिया में जब किसी कलाकार की मेहनत को उनके सीनियर की सराहना मिलती है, तो वह खास पल बन जाता है। हाल ही में कुछ ऐसा ही देखने को मिला, जब मशहूर कोरियोग्राफर और निर्देशक फराह खान ने अभिनेत्री नुसरत भरूचा की खुलकर तारीफ की। 'द फराह खान शो' व्लॉग्स के सिलसिले में फराह नुसरत के घर पहुंची। इस मुलाकात के दौरान उन्होंने न सिर्फ फिल्मों को लेकर बातें कीं, बल्कि एक्ट्रेस के घरेलू और सादगी भरे अंदाज को भी दिखाया। अपने व्लॉग्स में फराह सेलिब्रिटीज के घर जाकर उनके किचन में उनके साथ नई-नई रेसिपीज बनाती हैं। इसके साथ ही दर्शकों को उनके घर का टूर भी करवाती हैं। खाना बनाते-बनाते मजेदार बातें होती रहती हैं। नुसरत भरूचा ने फराह खान के लिए 'मटन उप्पु करी' डिश बनाई। फराह खान ने नुसरत की कुकिंग की तारीफ करते हुए कहा कि उनमें एक घरेलूपन है, जो उन्हें बाकी कलाकारों से अलग बनाता है।

बातचीत आगे बढ़ी तो फराह खान ने नुसरत की मां को भी चर्चा में शामिल किया। उन्होंने बड़ी सहजता से पूछा कि बतौर दर्शक उन्हें अपनी बेटी की कौन-सी फिल्म सबसे ज्यादा पसंद है। नुसरत की मां ने बिना किसी झिझक के 'सोनू के टीटू की स्वीटी' और 'अकेली' का नाम लिया। यह सुनते ही फराह खान ने खासतौर पर फिल्म 'अकेली' का जिक्र किया और नुसरत की परफॉर्मेंस को शानदार बताया।

फराह खान ने कहा कि 'अकेली' जैसी फिल्म करना आसान नहीं होता। उन्होंने नुसरत से कहा, ''पूरी फिल्म में वह अकेली स्क्रीन पर थीं और कहानी का पूरा बोझ उन्हीं के कंधों पर था।''

फराह ने मजाकिया अंदाज में कहा, ''फिल्म इतनी इंटेंस थी कि देखते समय उनका ब्लड प्रेशर तक बढ़ गया। नुसरत ने जिस मजबूती और सच्चाई के साथ किरदार निभाया, वही फिल्म की सबसे बड़ी ताकत बनी।''फराह खान ने नुसरत की तारीफ करते हुए आगे कहा, वह उन अभिनेत्रियों में से हैं जो शोर मचाए बिना अपना काम करती हैं। उनकी सबसे बड़ी खूबी यह है कि वह किरदार को सजाती नहीं हैं, बल्कि उसे जीती हैं। 'अकेली' में नुसरत की आंखें और उनकी खामोशी और डर को दिखाने का तरीका दर्शकों को सीधे कहानी से जोड़ता है।

मकर संक्रांति पर राशि अनुसार दान करने से पुण्य फल होगा प्राप्त, आर्थिक तंगी से पाएंगे राहत

मकर संक्रांति के त्योहार का बेहद खास महत्व होता है। इस दिन सूर्य धनु राशि से निकलकर मकर राशि में प्रवेश करेंगे। मकर संक्रांति पर सूर्य के उत्तरायण होने के साथ ही खरमास का भी समापन हो जाएगा। इस तिथि से दिन बड़े और रातें छोटी होने लगती हैं। शास्त्रों में मकर संक्रांति के दिन दान करने का बेहद खास महत्व बताया गया है। वहीं, ज्योतिषीय गणना के अनुसार वर्तमान में कुछ राशियों पर शनि की साढ़ेसाती और कुछ राशियों पर ढैय्या का प्रभाव है। ऐसे में अगर आप मकर संक्रांति के दिन कुछ विशेष चीजों का दान करें तो इससे अत्यंत पुण्य फल की प्राप्ति हो सकती है। साथ ही, जातकों को जीवन में चल रही समस्याओं और आर्थिक तंगी से भी मुक्ति मिल सकती है। ऐसे में आइए विस्तार से जानते हैं कि मेष से मीन तक सभी राशियों को मकर संक्रांति के दिन क्या दान करना चाहिए।

मेष राशि –ज्योतिषीय गणना के अनुसार, इस समय मेष राशि पर शनि की साढ़ेसाती चल रही है। ऐसे में आपको मकर संक्रांति के दिन तिल और गुड़ का दान अवश्य करना चाहिए। इसके अलावा, आप मूंगफली, वस्त्र और गाजर का दान भी कर सकते हैं। विशेष तौर पर लाल रंग के वस्त्र का दान करना आपके लिए उत्तम रहेगा।

वृषभ राशि –मकर संक्रांति की विशेष तिथि पर वृषभ राशि के जातकों को सफेद वस्त्र, तिल, दही आदि सफेद चीजों का दान करना चाहिए। क्योंकि इस राशि के स्वामी शुक्र होते हैं। मकर संक्रांति पर इन चीजों का दान करने से आपके रुके हुए कार्य पूरे हो सकते हैं और साथ ही, जीवन में तरक्की के रास्ते खुल सकते हैं।

मिथुन राशि –मिथुन राशि को मकर संक्रांति के दिन कंबल, मूंग की दाल, चादर आदि का दान करना चाहिए। साथ ही, इस दिन गाय को गुड़ और तिल भी अवश्य खिलाना चाहिए। ऐसा करने से शारीरिक कष्टों से बचाव होता है और जीवन में सुख-समृद्धि बनी रहती है। साथ ही, इस दिन आप छाते का भी दान कर सकते हैं।

कर्क राशि –मकर संक्रांति के दिन कर्क राशि के जातकों को चावल, सफेद तिल, चांदी आदि का दान करना चाहिए क्योंकि, इस राशि के स्वामी चंद्रमा होते हैं। चंद्रमा का संबंध सफेद वस्तुओं से होता है। ऐसे में मकर संक्रांति इन चीजों का दान करने से जीवन के कष्टों से मुक्ति मिल सकती है और बेहद पुण्य फल की प्राप्ति होती है। इस खास मौके पर आप घी का दान भी कर सकते हैं।

सिंह राशि –ज्योतिषीय गणना बताती है कि वर्तमान में सिंह राशि वालों पर शनि की ढैय्या का प्रभाव है। ऐसे में आपको मकर संक्रांति के दिन तिल और गुड़

का दान अवश्य करना चाहिए। इससे जीवन में सकारात्मक बदलाव आ सकते हैं। साथ ही, इस दिन आप किसी जरूरतमंद व्यक्ति को कंबल का दान भी कर सकते हैं। इससे आर्थिक तंगी से राहत मिल सकती है।

कन्या राशि –मकर संक्रांति के शुभ अवसर पर कन्या राशि के जातकों को हरे रंग के वस्त्र, खिचड़ी और कंबल का दान करना चाहिए। आप अपने सामर्थ्य अनुसार किसी जरूरतमंद व्यक्ति को इन चीजों का दान कर सकते हैं। इसके अलावा, हरे रंग की साड़ी का दान भी कर सकते हैं। इससे जीवन में सुख-समृद्धि और खुशहाली बनी रहती है।

तुला राशि –मान्यता है कि तुला राशि वालों को मकर संक्रांति के अवसर पर शहद का दान अवश्य करना चाहिए। तुला राशि के स्वामी शुक्र होते हैं, जिसका संबंध सफेद रंग से माना जाता है। ऐसे में आप मकर संक्रांति पर सफेद वस्त्र, चीनी आदि का दान भी कर सकते हैं। इससे कार्यों में आ रही बाधाएं दूर हो सकती हैं और जीवन में सकारात्मकता बनी रहती है।

वृश्चिक राशि –मकर संक्रांति के दिन वृश्चिक राशि वालों को किसी जरूरतमंद या गरीब व्यक्ति को लाल वस्त्र, गुड़, तिल आदि का दान करना चाहिए। इस राशि के स्वामी मंगल ग्रह हैं। ऐसे में लाल रंग से संबंधित वस्तुओं का दान करने से कुंडली में मंगल की स्थिति बेहतर होती है। साथ ही, मान-सम्मान में वृद्धि होती है और करियर में तरक्की के रास्ते खुल सकते हैं।

धनु राशि –ज्योतिषीय गणना के अनुसार, धनु राशि के जातकों पर इस समय शनि के ढैय्या का प्रभाव है। ऐसे में आपको मकर संक्रांति के अवसर पर गुड़ और तिल का दान अवश्य करना चाहिए। इसके अलावा, आप अपने सामर्थ्य अनुसार किसी जरूरतमंद व्यक्ति को पीले वस्त्र, पीली दाल, हल्दी आदि का दान भी कर सकते हैं। इससे बेहद पुण्य फल की प्राप्ति होती है।

मकर राशि –इस राशि को स्वामी शनि होते हैं। ऐसे में मकर संक्रांति पर मकर राशि वालों को काले व नीले रंग की वस्तुओं का दान करना चाहिए। आप इस दिन काले तिल, काले वस्त्र, काले जूते आदि का दान कर सकते हैं। ऐसा करने से जातक को शनिदेव की कृपा प्राप्त हो सकती है और जीवन में आ रही बाधाएं दूर हो सकती हैं।

कुंभ राशि –वर्तमान में कुंभ राशि के जातकों पर शनि की साढ़ेसाती चल रही है। ऐसे में आपको मकर संक्रांति पर तिल और गुड़ का दान जरूर करना चाहिए। इससे आपको प्रतिकूल प्रभावों से राहत मिल सकती है और कार्यों में आ रही अड़चनों भी कम हो सकती हैं। मकर संक्रांति पर कुंभ राशि वाले काले तिल, कंबल आदि का दान भी कर सकते हैं।

मीन राशि –ज्योतिषीय गणना के अनुसार, मीन राशि वालों पर अभी शनि की साढ़ेसाती चल रही है। ऐसे में मकर संक्रांति के दिन तिल और गुड़ का दान अवश्य करें। साथ ही, आप किसी जरूरतमंद व्यक्ति को रेशमी वस्त्र, चने की दाल, चावल आदि का दान भी कर सकते हैं। ऐसा करने से जीवन में सुख-समृद्धि और शांति बनी रहती है।

कैसे दान से खुलता है सौभाग्य का द्वार, क्यों जरूरी है दान और पुण्य

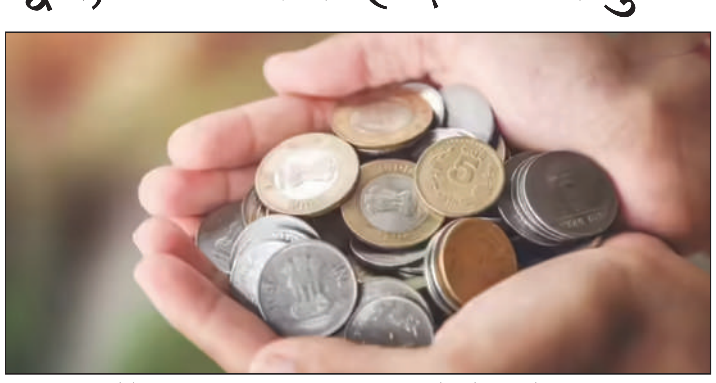

सम्पन्न होने पर अपनी आय का कुछ प्रतिशत अवश्य ही दान, पुण्य कर्म में लगाना चाहिए, ऐसा करने से जीवन में कभी भी हारी-बीमारी, दुःख-संकट एकत्र नहीं हो पाते। जब हम किसी वस्तु का दान करते हैं, तो मन में विरक्ति का भाव आता है, दुर्भाग्य का दान करेंगे, तो सौभाग्य निश्चित ही आएगा।

दान करने से दुर्भाग्य दूर होता है और जैसे ही दुर्भाग्य जाता है, सौभाग्य आ जाता है। इसे इस प्रकार समझिए कि जैसे आपके पास एक पात्र है, उसमें कुछ भरा हुआ है, जब तक उसमें से कुछ खाली नहीं करेंगे, तब तक उसमें दूसरी चीज नहीं आ सकती है। इसी प्रकार से जो लोग सम्पन्न होने के बावजूद दान आदि देने से कतराते हैं अथवा मन के गरीब होते हैं, वे बहुत ज्यादा प्रगति नहीं कर पाते हैं, क्योंकि अध्यात्मिक नियम यह कहता है कि चाहें कुछ भी हो जाए, व्यक्ति मन का गरीब नहीं होना चाहिए।

जब आप किसी वस्तु का दान करते हैं, तो मन में विरक्ति का भाव आता है, जब आप दान करेंगे तो दुर्भाग्य आपका दूर हो जाएगा और बदले में सौभाग्य चला आएगा। यह एक प्रकार से उर्जा का रूपांतरण है, दुःख भरी उर्जा बाहर निकालने से उसके रिक्त स्थान पर सकारात्मक सुख भरी उर्जा समाहित होने लगती है। जन्म राशि का स्वामी किसी भी व्यक्ति के उत्थान-पतन में अत्यधिक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। अतः राशि अनुसार वस्तुओं का दान विशिष्ट पर्वों पर अवश्य करते रहना चाहिए। राजा हर्षवर्धन का जीवन इस सत्य का प्रमाण है कि दान से कभी कमी नहीं आती। उन्होंने बार-बार अपना सर्वस्व दान किया, फिर भी उनका यश, वैभव और प्रतिष्ठा निरंतर बढ़ती गई, क्योंकि जहाँ मन उदार होता है, वहाँ सौभाग्य स्वयं निवास करने आता है।

जब व्यक्ति कुछ देता है, तो उसके भीतर यह भाव जागृत होता है कि मेरे पास देने योग्य है। यही भाव अभाव-बोध को समाप्त कर देता है। अभाव की भावना ही दुर्भाग्य का मूल कारण होती है, जबकि संतोष और उदारता सौभाग्य को आकर्षित करते हैं। अध्यात्म कहता है कि जीवन एक निरंतर प्रवाह है। दान करने से चित्त शुद्ध होता है और कर्मों का भार कम होने लगता है। यही कारण है कि दान करने वाले व्यक्ति के जीवन में अनजाने ही नए अवसर, सहायता और अनुकूल परिस्थितियाँ बनने लगती हैं।

आज सुनफा योग का शुभ संयोग, मेष सहित अन्य राशियों को धन लाभ

आज यानी 13 जनवरी, मंगलवार के दिन चंद्रमा के वृश्चिक राशि में आने से दिन के दूसरे भाव में सुनफा योग बन रहा है। इस दौरान चंद्रमा से दूसरे भाव में मंगल और बुध विराजमान रहेंगे। वैदिक ज्योतिष में इसे शुभ और भाग्यशाली माना जाता है। यह योग व्यक्ति को धन, शिक्षा, वाणी और प्रशासन में सफलता दिलाता है। इस योग के शुभ प्रभाव से मेष, कर्क, सिंह और मकर सहित कई राशि के जातकों को व्यापार में सफलता, धन लाभ के अवसर और उच्च पद प्राप्त हो सकता है। आइए जानते हैं कि सुनफा योग के प्रभाव में मंगलवार का दिन सभी 12 राशियों के करियर के लिए कैसा रहने वाला है।

मेष–मेष राशि के जातकों को किसी से कोई बड़ा वादा करने से फिलहाल बचना होगा। कुछ लोग आपकी इसी भलाई का फायदा उठाने की कोशिश कर सकते हैं। इस दौरान आपको कामकाज में भावनाओं के बजाय समझदारी से फैसलों को लेना होगा। कोई नई जिम्मेदारी मिलने की संभावना नजर आ रही है। कार्यक्षेत्र में सहकर्मियों से तालमेल बनाए रखने से आपको लाभ होगा। हालांकि, हर बात पर भरोसा करा आपके लिए नुकसानदायक हो सकता है।

वृष –आज के दिन आपको कार्यक्षेत्र में कुछ अधिक जिम्मेदारियां मिल सकती हैं। नौकरीपेशा लोग नया प्रोजेक्ट मिलने से व्यस्त रहेंगे। घर-परिवार से जुड़ी जिम्मेदारियां भी बढ़ती हुई दिख सकती हैं। ऐसे में किसी अनुभवी व्यक्ति की सलाह आपके काफी काम आ सकती है। इस दौरान जल्दबाजी में कोई निर्णय लेने से बचें। वहीं, ऑफिस में बॉस से आपको तारीफ भी मिल सकती है।

मिथुन –मिथुन राशि के जातकों का दिन भागदौड़ भरा रहने वाला है। चलते-फिरते आपको किसी अपने की मदद करनी पड़ सकती है। काम और निजी जीवन के बीच संतुलन बनाए रखना आपके लिए जरूरी रहेगा। इस दौरान काम में कुछ अड़चनें आ सकती हैं। ऐसे में सूझबूझ और बातचीत से मुश्किल हालात से बाहर निकाला जा सकता है। दिन के अंत तक कई काम आपके पक्ष में आने नज़र आएंगे।

कर्क –कर्क राशि के जातकों को महत्वपूर्ण फैसलों में सावधानी बरतनी होगी। आज भावनाओं में बहकर कोई फैसला लेने से बचें। जल्दबाजी में लिया गया कोई फैसला आगे चलकर परेशानी कढ़ी कर सकता है। कार्यक्षेत्र में शांत दिमाग से काम करना आपके लिए लाभदायक रहेगा। मन में चल रही कोई बात दबाने के बजाय दूसरों से साझा करना आपके हित में रहेगा। दूसरों की भलाई के बारे में सोचने से पहले अपनी स्थिति को भी समझना जरूरी होगा।

सिंह –आज आपको अपने आसपास के माहौल पर खास नजर रखनी होगी। कार्यक्षेत्र में चल रही गतिविधियां आपके फैसलों से प्रभावित हो सकती हैं। कोई प्रतिद्वंद्वी आपकी योजनाओं पर नजर रखे हुए हैं। ऐसे में हर कदम सोच-समझकर ही उठाएं। घबराने की बजाय शांत मन से फैसले लें।

कन्या –आज किसी के प्रस्ताव को लेकर फैसला लेना पड़ सकता है। भावनाओं में बहकर कोई ऐसा कदम न उठाएं, जो आगे चलकर परेशानी का कारण बने। कार्यक्षेत्र में कुछ बदलाव करने की जरूरत पड़ सकती है। आगे चलकर ये फैसला आपके लिए फायदेमंद साबित होगा। पुराने तरीकों की जगह नए तरीके अपनाने से आपको मुनाफा होगा। भविष्य की योजना बनाने के लिए दिन अच्छा है। सही दिशा में किया गया छोटा सा बदलाव बड़े लाभ का कारण बनेगा।

तुला –अगर आप किसी असमंजस में पड़ सकते हैं। ऐसे में अपनी स्थिति साफ कर देना आपके लिए बेहतर रहेगा। कार्यक्षेत्र में भी स्पष्ट संवाद आपके लिए फायदेमंद रहेगा। आपके लिए अपनी सीमाएं तय करना आज जरूरी है। बाद में कोई आपसे ऐसी उम्मीद न रखे जिसे निभाना मुश्किल हो जाए। रिश्तों और काम दोनों में संतुलन बनाए रखना आपके लिए चुनौती हो सकता है।

वृश्चिक –नई नौकरी या नया कारोबार शुरू करने का विचार बना सकते हैं। आपके आसपास के लोगों की सलाह और सहयोग आपके काम आएगा। अपनी योजनाओं को लंबे समय तक टालने के बजाय उन पर काम करें। सोच-समझ कर लिया गया फैसला लाभकारी सिद्ध होगा। आज किया गया प्रयास आने वाले दिनों में मजबूत आधार तैयार कर सकता है।

धनु –आज काम को लेकर थोड़ी तेजी दिखाना आपके लिए फायदेमंद रहेगा। लापरवाही या आलस से नुकसान होने की संभावना है। ऐसे में जिस मौके का आप इंतजार कर रहे हैं, वह आपके हाथ से निकल सकता है। इसलिए फैसलों में देरी करने से बचें। अपनी प्राथमिकताओं के अनुसार काम खत्म करने की कोशिश करें। आज लिया गया सही फैसला आपको आगे बढ़ने का मौका दे सकता है।

मकर –आज किसी पुराने वादे को पूरा करने का अच्छा मौका मिल सकता है। अगर आपने किसी काम को लंबे समय से टाल रखा है, तो अब उसे निपटाने में ही समझदारी है। आप मामले को जितना लटकाएंगे, आगे चलकर उतनी ही मुश्किल खड़ी हो सकती है। कार्यक्षेत्र में भी अधूरे काम पूरे करने पर ध्यान दें। आज की गई मेहनत आपके आगे की राह भी आसान बनाएगी।

कुंभ –काफी समय बाद आपकी दिनचर्या में बदलाव देखने को मिल सकता है। अगर आपको कोई नया पद या जिम्मेदारी मिल रही है तो उसे स्वीकार करने में ज्यादा सोच-विचार न करें। यह अवसर आपके लिए तरक्की का रास्ता खोल सकता है। शुरुआत में दबाव महसूस हो सकता है, लेकिन धीरे-धीरे आप खुद को इस भूमिका में सहज पाएंगे। वरिष्ठों का भरोसा आपके आत्मविश्वास को बढ़ाएगा।

मीन –आज आपको किसी कार्यक्रम में शामिल होने का अवसर मिल सकता है। लोगों के बीच आपकी मौजूदगी सबका ध्यान खींचेगी। हालांकि दिखावे से बचना ही बेहतर रहेगा। किसी ऐसे व्यक्ति से तुलना न करें जो केवल शान दिखाने में लगा हो। अपने स्वभाव और काम पर भरोसा रखें। कार्यक्षेत्र में आपकी विनम्रता और समझदारी आपको अलग पहचान दिलाएगी।

मकर संक्रांति पर तिल दान करने से शनि की साढ़ेसाती, ढैय्या, अशुभ शनि से राहत

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार मकर संक्रांति पर्व विशेष रूप से उन व्यक्तियों के लिए ज्यादा महत्वपूर्ण होता है जिनकी जन्मकुंडली में शनि अशुभ स्थिति में हो या सूर्य कमजोर हो। जिन राशियों पर साढ़ेसाती लगी है, उन्हें इस दिन दान-पुण्यकर्म अवश्य करना चाहिए। वर्तमान समय में मेष राशि, कुम्भ राशि और मीन राशि पर साढ़ेसाती चल रही है तथा सिंह राशि और धनु राशि पर ढैय्या का प्रभाव है। ज्योतिषीय दृष्टि से मकर संक्रांति का विशेष महत्व इसलिए भी है क्योंकि ग्रहों का राजा सूर्य अपने पुत्र शनि की राशि मकर में प्रवेश करता है। गौरतलब है सूर्य, शनि पिता-पुत्र होकर एक-दूसरे के शत्रु हैं।

ज्योतिष शास्त्र में वर्णित है, शनि कर्म और अनुशासन के प्रतीक हैं, अतः मकर संक्रांति पर्व कर्म सुधार और जीवन-दिशा परिवर्तन का संकेत है। जब कोई व्यक्ति ग्रहों की पीड़ा से परेशान होकर ज्योतिषी के पास जाता है, तो ज्योतिषी उसे उसके भाग्योदय के लिए कुछ उपाय बताते हैं। इन उपायों में रत्न धारण, मंत्र जप, औषधि स्नान, दान आदि के साथ कर्म सुधार करने की प्रेरणा भी होती है। जब व्यक्ति दान आदि पुण्य कर्म करना प्रारम्भ कर देता है, तो अपने आप धीरे-धीरे उस पर आया हुआ ग्रह का प्रकोप शांत होने लगता है। यही कारण है कि शास्त्रों में मकर संक्रांति पर स्नान-दान को विशेष फलदायी बताया गया है।

केवल शनि ही नहीं सूर्य सहित सभी ग्रहों का उपाय मकर संक्रांति के शुभ संचरण काल में किया जाता है। मकर संक्रांति लगते ही देवताओं का दिन और दैत्यों की रात्रि हो जाती है, इसलिए मांगलिक कार्यों का सिलसिला भी प्रारम्भ हो जाता है। इस बार तीर्थों के राज प्रयागराज में मकर संक्रांति के बाद माघ मास कृष्ण पक्ष की अमावस्या यानि मौनी अमावस्या भी ग्रह शांति के लिए विशेष है। सम्पूर्ण माघ के माह में मौनी अमावस्या अतिविशिष्ट पर्व है। अमावस्या तिथि पितरों के साथ शनि शांति के लिए उपयुक्त है, अतः मकर संक्रांति और फिर मौनी अमावस्या, इन दोनों पर्वों के दिन अगर तेल में चेहरा देखकर छाया दान किया जाए तो ग्रह कष्टों का सरलतापूर्वक शमन होता है। काले तिल का दान अथवा काले तिल से लड्डू बनाकर मकर संक्रांति और मौनी अमावस्या के दिन दान करने से जीवन में चमत्कारिक परिवर्तन दिखाई पड़ता है।

2026 में अतिचारी बृहस्पति का तीन राशियों में संचरण

ज्योतिष के प्राचीन ग्रंथो के अनुसार बृहस्पति का जल्दी-जल्दी राशि परिवर्तन करना, वक्री, मार्गी होना, जड़-चेतन में विशेष परिवर्तन की सूचना देता है। वर्तमान में देवगुरु बृहस्पति मिथुन राशि में हैं, 2 जून 2026 में देवगुरु बृहस्पति अपनी उच्च कर्क राशि में प्रवेश करेंगे। गौरतलब है कि बृहस्पति वर्ष 2025 में कुछ समय के लिए अपनी उच्च कर्क राशि में थे, फिर दिसंबर 2025 के प्रारम्भ में कर्क राशि से लौटकर मिथुन राशि में प्रवेश कर गए। आगामी जून 2026 के प्रारम्भ में मिथुन राशि से फिर कर्क राशि में प्रवेश करेंगे।

सामान्य गोचर ज्योतिष सिद्धांत के अनुसार बृहस्पति एक राशि में लगभग 12 महीने यानी लगभग एक वर्ष रहते हैं, परंतु अतिचारी गति के कारण कर्क राशि में 2 जून के प्रवेश के बाद बृहस्पति 31 अक्टूबर 2026 को कर्क राशि को छोड़कर सिंह राशि में प्रवेश करेंगे। 2026 में बृहस्पति का मिथुन, कर्क और सिंह, तीन राशियों में गोचर बहुत लोगों का भाग्य बदल देगा, 12 राशियों पर व्यापक प्रभाव पड़ेगा। गोचर में बृहस्पति देवता जब किसी की जन्म राशि से चतुर्थ, अष्टम एवं द्वादश भाव में गोचर करते हैं, तो वह समय उसे व्यक्ति के लिए कष्टप्रद होता है।

मिथुन राशि में जब तक देवगुरु बृहस्पति हैं, तब तक मीन राशि के लिए गोचर के बृहस्पति चतुर्थ हैं, वृश्चिक राशि के लिए गोचर के बृहस्पति अष्टम हैं और कर्क राशि के लिए गोचर का बृहस्पति द्वादश भाव में कष्टप्रद है।

इसी प्रकार से जब बृहस्पति देवता कर्क राशि में अपनी स्वयं की उच्च राशि में 2 जून 2026 में आएंगे तो गोचर ज्योतिष के सिद्धांत के अनुसार मेष राशि से चतुर्थ, धनु राशि से अष्टम एवं सिंह राशि से द्वादश भाव में गोचर के कारण इन राशियों को संघर्ष एवं कष्ट की अधिकता का सामना करना पड़ेगा।

31 अक्टूबर से जब देवगुरु बृहस्पति सिंह राशि में गोचर करेंगे तो वृष राशि से चतुर्थ, मकर राशि से अष्टम और कन्या राशि से द्वादश भाव में होकर इन राशियों को संघर्ष की अधिकता देंगे।

अगर जन्मपत्री में ग्रहदशा अच्छी चल रही है तथा जन्मपत्री में शुभ योग हैं एवं अन्य ग्रहों का गोचर शुभ है तो अशुभ स्थान पर देवगुरु बृहस्पति का संचार अधिक पीड़ा नहीं देगा, फिर भी जिनकी जन्मपत्री में बृहस्पति गोचर के अनुसार अशुभ फलदायी हो, तो उस काल अवधि में उन्हें देवगुरु बृहस्पति से संबंधित उपाय कर सावधानी रखनी चाहिए।

संपादकीय

500 फीसदी टैरिफ लगा, तो...

अमरीकी राष्ट्रपति ट्रंप ने एक साथ कई मोर्चे खोल लिए हैं। वह क्यूबा, कोलंबिया, ग्रीनलैंड सरीखे छोटे देशों को बंधक बना कर अमरीका के उपनिवेश बनाने पर आमादा हैं, लिहाजा वेनेजुएला की तरह हमले की धमकियां दे रहे हैं। ईरान के चारों ओर भी अमरीकी विमान, युद्धपोत आदि मंडरा रहे हैं, घातक डेल्टा फोर्स को भी तैनात करने की खबरें हैं। हालांकि अमरीका जानता है कि ईरान कमजोर देश नहीं है। ईरान एक सैन्य ताकत है। वह परमाणु सम्पन्न मिसाइलों से अमरीका के वाशिंगटन और न्यूयॉर्क जैसे शहरों पर विनाशक हमले करने में सक्षम है। अमरीकी सीनेट ने बहुमत से राष्ट्रपति ट्रंप के खिलाफ प्रस्ताव पारित किया है, जिसके साफ मायने हैं कि अमरीकी संसद की अनुमति के बिना ट्रंप किसी भी देश पर हमला नहीं कर सकते अथवा युद्ध में जाने का सेनाओं को आदेश नहीं दे सकते। फिर भी राष्ट्रपति ट्रंप दुनिया को अलग-अलग मोर्चों पर धमकाने, हडक़ाने में जुटे हैं। ये अद्र्ध-तानाशाही के संकेत हैं। उन्होंने रूस पर प्रतिबंधों से जुड़े एक बिल को मंजूरी दी है, जो इसी सप्ताह संसद के पटल पर पेश किया जा सकता है। यदि यह बिल पारित हो गया, तो आर्थिक अराजकता का माहौल बनना तय है। बिल में स्पष्ट प्रावधान किए गए हैं कि जो भी देश रूस से तेल, गैस और अन्य उत्पादों की खरीद करेगा, अमरीका उस पर 500 फीसदी का टैरिफ थोप सकता है। यानी उन देशों का जो भी माल अमरीकी बाजार में आएगा, उस पर 500 फीसदी अतिरिक्त टैरिफ लगेगा। राष्ट्रपति ट्रंप की कुटिल निगाहें भारत, चीन, ब्राजील पर हैं। भारत ने बीते चार साल में रूस से 1.73 लाख करोड़ रुपए का कच्चा तेल खरीदा है। भारत अब भी अपनी जरूरतों का 30-32 फीसदी तेल रूस से ही खरीदता है। चीन तो 48 फीसदी तक तेल रूस से खरीदता है। रूस से सबसे अधिक पाइपलाइन गैस की खरीद यूरोपीय संघ के देश करते हैं। अमरीका भी सबसे अधिक यूरेनियम रूस से ही खरीदता है। उन पर प्रतिबंध क्यों नहीं हैं? यूरोपीय देशों पर 500 फीसदी तक के टैरिफ की धमकियां क्यों नहीं दी जातीं? जापान, दक्षिण कोरिया, तुर्किए पर भारत से बहुत कम टैरिफ क्यों है? भारत-अमरीका में जो व्यापार-समझौता होना था, वह इसलिए खटाई में पड़ गया, क्योंकि प्रधानमंत्री मोदी ने राष्ट्रपति ट्रंप को फोन नहीं किया। नतीजतन अमरीका ने इंडोनेशिया, वियतनाम, फिलीपींस के साथ व्यापार-करार कर लिए। अमरीका के वाणिज्य मंत्री हॉवर्ड लुटनिक का यह बयान हास्यास्पद लगता है, क्योंकि 2025 में प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति ट्रंप की 8 बार फोन पर बातचीत हुई है। भारत के विदेश मंत्रालय ने इसकी पुष्टि भी की है। बहरहाल मुद्दा 500 फीसदी टैरिफ का है। भारत पर फिलहाल 50 फीसदी टैरिफ चस्पा है, जिसके कारण हमारा निर्यात बहुत प्रभावित हुआ है। हमारी आर्थिक विकास दर, अंततः, 7 फीसदी से अधिक रहेगी, इसी पर संतुष्ट होना नुकसानदेह है। यदि 500 फीसदी टैरिफ थोप दिया गया, तो अमरीकी बाजार में भारत की औसतन कमीज 5400 रुपए से अधिक की पड़ेगी, जो अभी 1352 रुपए की है। भारत से कपड़े और रेडीमेड वस्त्र का बड़ा हिस्सा अमरीका जाता है। यदि भारतीय कपड़े इतने महंगे पड़ेंगे, तो खरीददार दूसरे देशों का रुख कर सकते हैं। इस अकेले उदाहरण से ही समझा जा सकता है कि भारतीय उत्पादन पर कितना असर पड़ेगा और कितनी नौकरियां खत्म होंगी! भारत को 'दुनिया की फार्मेसी' कहते हैं, क्योंकि हम सबसे अधिक, गुणवत्तापूर्ण दवाओं का उत्पादन करते हैं। अमरीका हमारी दवाओं का सबसे बड़ा बाजार है। राष्ट्रपति ट्रंप ने फार्मा पर भी टैरिफ थोपने की धमकी दी है। इसी तरह टैरिफ बढने से भारतीय ऑटो, ऑटो पाट्र्स, आईटी और टेक सेक्टर के निर्यात पर भी असर पड़ेगा और अमरीकी बाजार में हमारी मांग काफी कम हो जाएगी। ऐसी स्थितियों को भांपते हुए भारत को चीन की तरफ देखना पड़ रहा है। यदि चीन के साथ कारोबार को नए सिरे से बढ़ाया जाता है, तो हमें उनकी एप्स और कंपनियों पर से पाबंदियां हटानी पड़ेंगी। चीन भारत में बांध बनाना चाहेगा, आईटी और आधारभूत ढांचे के क्षेत्रों में भी दखल बढ़ाएगा। फिर भारत आत्मनिर्भर कैसे और कब बन पाएगा।

अमरीकी सीनेट ने बहुमत से राष्ट्रपति ट्रंप के खिलाफ प्रस्ताव पारित किया है, जिसके साफ मायने हैं कि अमरीकी संसद की अनुमति के बिना ट्रंप किसी भी देश पर हमला नहीं कर सकते अथवा युद्ध में जाने का सेनाओं को आदेश नहीं दे सकते। फिर भी राष्ट्रपति ट्रंप दुनिया को अलग-अलग मोर्चों पर धमकाने, हडक़ाने में जुटे हैं। ये अद्र्ध-तानाशाही के संकेत हैं। उन्होंने रूस पर प्रतिबंधों से जुड़े एक बिल को मंजूरी दी है, जो इसी सप्ताह संसद के पटल पर पेश किया जा सकता है। यदि यह बिल पारित हो गया, तो आर्थिक अराजकता का माहौल बनना तय है। बिल में स्पष्ट प्रावधान किए गए हैं कि जो भी देश रूस से तेल, गैस और अन्य उत्पादों की खरीद करेगा, अमरीका उस पर 500 फीसदी का टैरिफ थोप सकता है। यानी उन देशों का जो भी माल अमरीकी बाजार में आएगा, उस पर 500 फीसदी अतिरिक्त टैरिफ लगेगा। राष्ट्रपति ट्रंप की कुटिल निगाहें भारत, चीन, ब्राजील पर हैं। भारत ने बीते चार साल में रूस से 1.73 लाख करोड़ रुपए का कच्चा तेल खरीदा है। भारत अब भी अपनी जरूरतों का 30-32 फीसदी तेल रूस से ही खरीदता है। चीन तो 48 फीसदी तक तेल रूस से खरीदता है। रूस से सबसे अधिक पाइपलाइन गैस की खरीद यूरोपीय संघ के देश करते हैं। अमरीका भी सबसे अधिक यूरेनियम रूस से ही खरीदता है। उन पर प्रतिबंध क्यों नहीं हैं? यूरोपीय देशों पर 500 फीसदी तक के टैरिफ की धमकियां क्यों नहीं दी जातीं? जापान, दक्षिण कोरिया, तुर्किए पर भारत से बहुत कम टैरिफ क्यों है? भारत-अमरीका में जो व्यापार-समझौता होना था, वह इसलिए खटाई में पड़ गया, क्योंकि प्रधानमंत्री मोदी ने राष्ट्रपति ट्रंप को फोन नहीं किया।

न्यूजीलैंड ने भारत में अगले 15 वर्षों में 20 अरब डॉलर के एफडीआई की प्रतिबद्धता भी जताई

नए निर्यात बाजार तलाशना जरूरी

डा. जयंती लाल भंडारी

भारत पर अमेरिका के द्वारा 50 फीसदी टैरिफ होने से भारत से अमेरिका को निर्यात में कमी आई है और अब ट्रंप के द्वारा रूस पर प्रतिबंध वाले बिल के आधार पर भारत पर 500 फीसदी तक टैरिफ लगाए जाने की चुनौती सामने है। पिछले साल अगस्त 2025 से अब तक अमेरिका में भारतीय उत्पादों- गारमेंट, लैदर, जेम्स व ज्वेलरी, इंजीनियरिंग गुड्स के निर्यात की वृद्धि दर घटी है। ऐसे में अमेरिका के बाजार में प्रभावित होने वाले निर्यात की भरपाई के लिए जहां वर्ष 2026 में मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) के तहत निर्यात बढ़ाने होंगे, वहीं नए निर्यात बाजारों की तलाश करते हुए वैकल्पिक बाजार के रूप में भारत के द्वारा चिन्हित दुनिया के 200 बाजारों में निर्यात बढ़ाने की रणनीति के साथ आगे बढना होगा।

यद्यपि इस समय भारत पर अमेरिका के द्वारा 50 फीसदी टैरिफ होने से भारत से अमेरिका को निर्यात में कमी आई है और अब ट्रंप के द्वारा रूस पर प्रतिबंध वाले बिल के आधार पर भारत पर 500 फीसदी तक टैरिफ लगाए जाने की चुनौती सामने है। पिछले साल अगस्त 2025 से अब तक अमेरिका में भारतीय उत्पादों- गारमेंट, लैदर, जेम्स व ज्वेलरी, इंजीनियरिंग गुड्स के निर्यात की वृद्धि दर घटी है। ऐसे में अमेरिका के बाजार में प्रभावित होने वाले निर्यात की भरपाई के लिए जहां वर्ष 2026 में मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) के तहत निर्यात बढ़ाने होंगे, वहीं नए निर्यात बाजारों की तलाश करते हुए वैकल्पिक बाजार के रूप में भारत के द्वारा चिन्हित दुनिया के 200 बाजारों में निर्यात बढ़ाने की रणनीति के साथ आगे बढना होगा। इस समय देश और दुनिया में रेखांकित हो रहा है कि भारत के एफटीए इस समय ट्रंप की टैरिफ चुनौतियों के बीच भी भारत से अमेरिका को छोडक़र अन्य देशों में निर्यात बढ़ाने में अहम भूमिका निभाते हुए दिखाई दे रहे हैं। वहीं अब नए वर्ष 2026 में कई देशों के साथ एफटीए के आकार लेने से भारत का निर्यात तेजी से बढ़ेगा। भारत द्वारा किए गए विभिन्न एफटीए से पेशेवर सेवाओं के तहत साफ्टवेयर इंजीनियर, चार्टर्ड अकाउंटेंट, आर्किटेक्ट जैसी पेशेवर सेवाओं पर कानूनी रूप से बाध्यकारी प्रतिबद्धताओं से भारतीय पेशेवरों के लिए वैश्विक अवसर खुलेंगे और पेशेवर सेवाओं का निर्यात भी बढ़ेगा। गौरतलब है कि विगत 22 दिसंबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लक्सन ने भारत और न्यूजीलैंड के बीच एफटीए की घोषणा की है। प्रधानमंत्री मोदी ने एक्स पर कहा कि भारत-न्यूजीलैंड की साझेदारी नई ऊंचाइयों पर पहुंचने वाली है और इस एफटीए से अगले 5 वर्षों में द्विपक्षीय व्यापार को दोगुना करने में मदद मिलेगी। इस एफटीए के तहत न्यूजीलैंड में 100 प्रतिशत भारतीय निर्यात पर शून्य शुल्क सुनिश्चित किया गया है। साथ ही न्यूजीलैंड ने भारत में अगले 15 वर्षों में 20 अरब डॉलर के एफडीआई की प्रतिबद्धता भी जताई है। दूसरी ओर भारत भारत ने न्यूजीलैंड के 70 प्रतिशत उत्पादों के लिए शुल्क में कमी की पेशकश की है, जो 95 प्रतिशत द्विपक्षीय व्यापार मूल्य को शामिल करती है। इस एफटीए का अत्यधिक मजबूत पक्ष भारत से सेवा निर्यात बढ़ाना और भारत से पेशेवरों को न्यूजीलैंड में अच्छे अवसरों के लिए आगे बढ़ाना भी है। यह एफटीए भारत की प्रतिभाओं, स्टार्टअप्स और नवाचार के लिए एक मजबूत बुनियाद प्रदान करता है। यह एफटीए भारत के लिए सबसे प्रमुख सेवाओं की ऐसी पेशकश करता है, जो अब तक किसी भी पिछले एफटीए में शामिल नहीं हैं। भारत-न्यूजीलैंड एफटीए के महज चार दिन पहले 18 दिसंबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और ओमान के

सुल्तान हैथम बिन तारिक की मौजूदगी में मस्कट में वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल और ओमान के उनके समकक्ष कैस बिन मोहम्मद अल यूसुफ ने एफटीए पर हस्ताक्षर किए हैं। इस एफटीए को आधिकारिक तौर पर समग्र आर्थिक भागीदारी समझौता (सीपा) कहा गया है। यह बात भी महत्वपूर्ण है कि भारत-ओमान एफटीए के तहत भारत के 98 प्रतिशत निर्यात को ओमान के बाजार में शून्य पर पहुंच मिलेगी। इसमें ओमान को होने वाले 99 प्रतिशत से अधिक निर्यात शामिल हैं। इस समझौते से भारत के कपड़ा, रत्न-आभूषण, दवाई, वाहन, कृषि उत्पाद और चमड़ा उद्योग को बड़ा फायदा होने की उम्मीद है। यह बात महत्वपूर्ण है कि मोदी सरकार के कार्यकाल के दौरान मॉरीशस, संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) और ऑस्ट्रेलिया के साथ किए गए एफटीए की प्रगति से संबंधित जो नए आंकड़े प्रकाशित हुए हैं, उनके मुताबिक जहां इन देशों के साथ व्यापार तेजी से बढ़ा है, वहीं इन देशों में निर्यात भी बढ़ रहे हैं। और इन देशों से भारत में अधिक निवेश प्राप्त हो रहा है। एक अक्टूबर से भारत और चार यूरोपीय देशों आइसलैंड, स्विट्जरलैंड, नॉर्वे और लिकटेंस्टाइन के समूह यूरोपियन फ्री ट्रेड एसोसिएशन (एफ्टा) के बीच एफटीए लागू हो गया है और एफ्टा देशों को निर्यात बढने लगे हैं। इसी तरह अब 2026 में भारत के द्वारा ब्रिटेन, न्यूजीलैंड और ओमान के साथ किए गए एफटीए लागू हो जाएंगे। इतना ही नहीं, वर्ष 2026 में अमेरिका, यूरोपीय यूनियन, पेरू, चिली, आसियान, मैक्सिको, कनाडा, दक्षिण अफ्रीका, इजराइल, भारत गल्फ कंट्रीज काउंसिल सहित अन्य प्रमुख देशों के साथ भी एफटीए आकार लेते हुए दिखाई देंगे। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि पिछले दिनों रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने 5 दिसंबर को नई दिल्ली के हैदराबाद हाउस में हुई 23वीं भारत-रूस शिखर बैठक में भारत के 2030 तक द्विपक्षीय कारोबार 64 से बढ़ाकर 100 अरब डालर किया जाना सुनिश्चित करते हुए भारत-रूस एफटीए के लिए वार्ता तेजी से आगे बढ़ाने की प्रतिबद्धता व्यक्त की है। ऐसे में भारत के द्वारा द्विपक्षीय व्यापार और एफटीए के अधिकतम लाभ लेने और विकास की नई संभावनाओं को साकार करने के लिए 1 अप्रैल 2026 से लागू किए जाने वाले नए श्रम कानून मील का पत्थर साबित होते हुए दिखाई दे सकेंगे। नए श्रम कानून के तहत चार श्रम संहिताएं- मजदूरी संहिता 2019, औद्योगिक संबंध संहिता 2020, सामाजिक सुरक्षा संहिता 2020 और व्यावसायिक सुरक्षा, स्वास्थ्य और कार्य शर्तें संहिता 2020 शामिल हैं। नई श्रम संहिताओं से देश दुनिया में सेवा क्षेत्र के साथ-साथ मैन्युफैक्चरिंग हब बनने की डगर पर तेजी से आगे बढ़ सकेगा। इन सबके साथ-साथ नए श्रम कानून भारत के एफटीए में जान फूंकते हुए दिखाई दे सकेंगे। इसमें कोई दो मत नहीं हैं कि वैश्विक व्यापार की चुनौतियों के बीच भारत से निर्यात बढ़ाना कोई सरल काम नहीं है। ऐसे में भारत के द्वारा निर्यात बढ़ाने के लिए चिन्हित किए गए करीब 200 देशों में निर्यात की नई रणनीति के साथ आगे बढना होगा। इस बात को ध्यान में रखना होगा कि निर्यात को गति देने के लिए मार्केट एक्सेस सपोर्ट के साथ संरचनात्मक सुधार भी जरूरी हैं। हाल ही में केंद्र सरकार ने निर्यात बढ़ाने के मद्देनजर 4531 करोड़ रुपए की जो मार्केट एक्सेस सपोर्ट योजना घोषित की है, वह अत्यधिक लाभदायक कदम है। इस समय भारतीय निर्यातकों को धीमी होती वैश्विक मांग के साथ भू-राजनीतिक उथल-पुथल का सामना करना पड़ रहा है। ऐसे में नई निर्यात योजना के तहत खरीददार-विक्रेता मुलाकात, व्यापार मेलों और बाजार विविधीकरण जैसी रणनीतियां नए बाजार तलाश करने में लाभप्रद हैं। हमें इस बात पर भी ध्यान देना होगा कि निर्यातकों की दिक्कतें केवल शुल्क वृद्धि तक सीमित नहीं हैं वरन उन पर लगाए गए एंटी-डंपिंग शुल्क से भी संबंधित है। घरेलू कच्चे माल की ऊंची लागत और ईंधन की उच्च कीमतों के कारण भी भारत के द्वारा निर्यात किए जाने वाले उत्पाद वैश्विक स्तर से करीब 20 फीसदी की अधिक लागत पर दिखाई देते हैं। निर्यात बढ़ाने के लिए सभी राज्यों में मान्यता प्राप्त आधुनिक प्रयोगशालाएं भी जरूरी हैं। इससे लागत और समय की बचत के साथ लॉजिस्टिक की बाधाएं कम होती हैं। ऐसे में अब निर्यात बढ़ाने के लिए बाजार तक पहुंच सहयोग के साथ-साथ लॉजिस्टिक लागत में कमी, गुणवत्तापूर्ण उत्पादन, अधिक विश्वसनीय कच्चे माल, कम ऊर्जा लागत, अधोसंरचना और गंतव्य निर्यात बाजारों के साथ नियामकीय समन्वय स्थापित किया जाना भी जरूरी है। उम्मीद करें कि 5 जनवरी को ट्रंप के द्वारा दी गई टैरिफ बढ़ाने की धमकी के बीच भारत के द्वारा नए निर्यात बाजारों की तलाश और एफटीए के साथ निर्यात की नई रणनीति भारत की निर्यात चुनौतियों को कम करने में कारगर भूमिका निभाएगी और इससे भारत 2026 में 6.5-7 प्रतिशत विकास दर के साथ तेजी से आगे बढ़ते हुए दिखाई देगा।

देश दुनिया से

सड़कें अब बुद्धिमानः भारत की स्मार्ट सुरक्षा का नया युग

भारत की सड़कें आज भी जीवन और सुरक्षा के लिए जोखिमपूर्ण साबित हो रही हैं। हर साल लाखों लोग दुर्घटनाओं का शिकार होते हैं और अनगिनत परिवार टूट जाते हैं। वर्ष 2024 में देशभर में लगभग 1.77 लाख लोग सड़क दुर्घटनाओं में अपनी जान गंवा चुके हैं। इसका अर्थ है कि हर दिन औसतन 485 से अधिक लोग अपने घरों से कभी लौटकर नहीं आते। तेज गति, लापरवाही, हेलमेट न पहनना और यातायात नियमों की अवहेलना प्रमुख कारण हैं। युवा वर्ग (18-34 वर्ष) सबसे अधिक प्रभावित है, जो देश की आर्थिक और सामाजिक शक्ति का अहम हिस्सा है। इन भयावह आंकड़ों ने सरकार को मजबूर कर दिया कि वह सड़क सुरक्षा में क्रांतिकारी बदलाव लाए। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने इसी जरूरत को ध्यान में रखते हुए 2026 तक पूरे देश में व्हीकल-टू-व्हीकल (वी2वी) संचार तकनीक लागू करने की ऐतिहासिक घोषणा की। यह तकनीक वाहनों को सीधे संवाद करने में सक्षम बनाएगी, बिना किसी मोबाइल नेटवर्क या इंटरनेट के। वी2वी तकनीक के माध्यम से वाहन आपस में गति, स्थिति, दिशा, ब्रेकिंग और त्वरण जैसी महत्वपूर्ण जानकारी साझा करेंगे। यदि कोई वाहन अचानक रुकता है, ब्लाइंड स्पॉट में प्रवेश करता है या किसी खतरे का सामना करता है, तो आसपास के सभी वाहन तुरंत चेतावनी पाएंगे। इस प्रकार, दुर्घटनाओं को पहले ही रोका जा सकेगा और लाखों जीवन सुरक्षित रहेंगे। वी2वी संचार प्रणाली पूर्णतः अत्याधुनिक वायरलेस तकनीक पर आधारित है। प्रत्येक वाहन में एक ऑन-बोर्ड यूनिट (ओबीयू) स्थापित की जाएगी, जो 5.875 से 5.905 गीगाहट्र्ज़ बैंड में उपलब्ध 30 मेगाहट्र्ज़ स्पेक्ट्रम का उपयोग करेगी। यह विशिष्ट स्पेक्ट्रम दूरसंचार विभाग द्वारा निःशुल्क आवंटित किया गया है। इस प्रणाली के माध्यम से वाहन रीयल-टाइम में एक-दूसरे के साथ महत्वपूर्ण सूचनाओं का आदान-प्रदान करेंगे, जिससे प्रतिक्रिया समय अत्यंत कम हो जाएगा। कई परिस्थितियों में यही कुछ सेकंड जीवन और मृत्यु के बीच का निर्णायक अंतर साबित होते हैं। विशेषज्ञों और विभिन्न मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, यह तकनीक दुर्घटनाओं की संभावना को लगभग 80 प्रतिशत तक कम करने में सक्षम है, विशेष रूप से कोहरे, अत्यधिक यातायात और रियर-एंड टक्कर जैसी जोखिमपूर्ण स्थितियों में। सरकार ने इसे 2026 तक राष्ट्रीय स्तर पर लागू करने का स्पष्ट लक्ष्य रखा है। पहले चरण में यह केवल नए वाहनों में अनिवार्य होगा। उसके बाद मौजूदा वाहनों में रेट्रोफिटिंग की जाएगी। अनुमानित परियोजना लागत लगभग 5,000 करोड़ रुपये है। प्रति वाहन उपकरण की लागत 5,000-7,000 रुपये के आसपास होने का अनुमान है। राज्य परिवहन मंत्रियों की वार्षिक बैठक में इस योजना पर व्यापक चर्चा हुई। दूरसंचार विभाग के साथ संयुक्त कार्यबल गठित किया गया है। वी2वी प्रणाली एडवांस्ड ड्राइवर असिस्टेंस सिस्टम (एडीएएस) के साथ पूरी तरह एकीकृत होगी। प्रीमियम वाहनों में पहले से मौजूद सेंसर-आधारित फीचर्स को भी नए मानकों से जोड़ा जाएगा। दुर्घटना पीड़ितों के लिए कैशलेस इलाज योजना (1.5 लाख रुपये तक, 7 दिनों के लिए) को राष्ट्रीय स्तर पर लागू किया जाएगा। वी2वी तकनीक के लाभ अत्यधिक व्यापक और दूरगामी हैं। कोहरे में बहु-वाहन टक्कर, रियर-एंड कोलिजन और स्थिर वाहनों से टकराव अब बड़ी संख्या में रोके जा सकेंगे। यातायात का प्रवाह सुचारू होगा, ईंधन की बचत होगी और वायु प्रदूषण में कमी आएगी। भारत जैसे विविध भूगोल वाले देश में—जहां पहाड़ी रास्ते, घुमावदार सड़कें, घना ट्रैफिक और मौसमी चुनौतियां आम हैं—यह प्रणाली विशेष रूप से उपयोगी साबित होगी। ड्राइवरों को अतिरिक्त प्रतिक्रिया समय मिलने से दुर्घटनाओं की गंभीरता कम होगी और जीवन रक्षा संभव होगी। कुल मिलाकर, यह तकनीक सुरक्षित, स्मार्ट और कुशल परिवहन प्रणाली की नींव रखेगी और नागरिकों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देगी। हालांकि, इस योजना के कार्यान्वयन में चुनौतियां भी हैं। प्रारंभिक लागत, पुराने वाहनों में उपकरण इंस्टॉलेशन, डेटा गोपनीयता की चिंता, साइबर खतरों का जोखिम और सभी वाहनों में समान मानकीकरण प्रमुख बाधाएं हैं। सरकार ऑटोमोबाइल उद्योग, विशेषज्ञों और तकनीकी संस्थानों के साथ मिलकर इन समस्याओं का समाधान कर रही है। सफल परीक्षण और समयबद्ध क्रियान्वयन से इन चुनौतियों को प्रभावी ढंग से पार किया जा सकता है। इसके लिए व्यापक जनजागरूकता अभियान, प्रशिक्षित ड्राइवर प्रशिक्षण कार्यक्रम और सख्त नियमावली लागू करना आवश्यक होगा, ताकि रोलआउट सुचारू और सुरक्षित रूप से संभव हो सके। इस तकनीक से न केवल दुर्घटनाओं की संख्या घटेगी, बल्कि अनगिनत परिवारों को दुख, पीड़ा और तबाही से भी बचाया जाएगा। यह देश की अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाएगी और सामाजिक सुरक्षा के ढांचे को और अधिक सुदृढ़ और प्रभावी करेगी। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी की दूरदर्शिता और सरकार की सक्रियता अत्यंत सराहनीय है। अब समय आ गया है कि हम सभी इस तकनीक को अपनाएं और सुरक्षित यात्रा को अपनी आदत में बदलें। सुरक्षित सड़कें ही विकसित, समृद्ध और सुरक्षित भारत की असली नींव हैं। वी2वी तकनीक केवल एक योजना नहीं, बल्कि हर भारतीय के जीवन की सुरक्षा, संरक्षा और सुरक्षित भविष्य का दृढ़ संकल्प है। भारत 2026 तक वी2वी तकनीक के रोलआउट से स्मार्ट, सुरक्षित और कुशल परिवहन की एक नई क्रांति की ओर कदम बढ़ाएगा। यह प्रणाली न केवल देश की सड़क सुरक्षा को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मजबूती देगी, बल्कि वैश्विक स्मार्ट मोबिलिटी मानकों में भारत को नेतृत्व दिलाकर उसे अग्रणी बनाएगी। जीवन की रक्षा, आर्थिक बचत और पर्यावरणीय सुरक्षा के साथ यह तकनीक हर भारतीय नागरिक के लिए सुरक्षा और भरोसे का वास्तविक वादा है। वर्तमान समय की चुनौती और आवश्यकता यही है कि हम इसे अपनाएं, ताकि सुरक्षित सड़कें सुनिश्चित हों और हर व्यक्ति का जीवन संरक्षित रह सके।

वर्ष 2024 में देशभर में लगभग 1.77 लाख लोग सड़क दुर्घटनाओं में अपनी जान गंवा चुके हैं। इसका अर्थ है कि हर दिन औसतन 485 से अधिक लोग अपने घरों से कभी लौटकर नहीं आते। तेज गति, लापरवाही, हेलमेट न पहनना और यातायात नियमों की अवहेलना प्रमुख कारण हैं। युवा वर्ग (18-34 वर्ष) सबसे अधिक प्रभावित है, जो देश की आर्थिक और सामाजिक शक्ति का अहम हिस्सा है।

आप का नज़रिया

असहज पंचायत चुनाव

अदालत के बड़े फैसले में सरकार की जमीर खड़ी है, नसीहतों की फेहरिस्त में दुनिया अड़ी है। यहां बड़े मियां कौन और कानून की हिफाजत में हिमाचल का सबसे बड़ा मुद्दा कौन? जाहिर है माननीय उच्च न्यायालय ने अपने फैसले के कद को ऊंचा करते हुए हिमाचल सरकार को पंचायती राज संस्थाओं के चुनाव, 30 अप्रैल से पहले करने के निर्देश दिए हैं। इस तरह चुनावी प्रक्रियाओं के सारे ताले खोलने की चाबी चुनाव आयोग को मिल जाएगी या इसे एकतरफा इम्तिहान बनाने में देर लग जाएगी। राज्य निर्वाचन आयुक्त अपनी तैयारियों के फलक पर सतर्क निगाहबानी तो कर सकते हैं, लेकिन सरकारी ढांचे के औजार ही ठंडे रहेंगे, तो कवायद की वीणा कौन बजाएगा। बहरहाल, जो देखा जा रहा, वह इतना भी खूबसूरत या सामान्य नहीं कि चुनाव का तंबू लगा दिया जाए। हिमाचल ने आपदा के खुरदरे रास्तों पर राहत के घायल पांव देखे हैं और यह भी देखा है कि प्रदेश के हित में भी सियासत की साझी बरतनदारी शुरू नहीं होती। ऐसे में पंचायती राज चुनाव की घोषित पट्टिका पर राजनीति बहुत कुछ लिखना चाहेगी। अदालती फैसले पर सरकार की प्रतिक्रिया सहज नहीं है, लिहाजा कानूनी शिलालेखों पर और स्पष्टता तभी आएगी जब प्रशासनिक तौर पर हलचल होगी। यहां अक्तूबर से जारी आपदा एक्ट से पंचायती चुनाव कैसे मुक्त होते हैं, यह एक टकराव का विषय रहेगा। अदालत ने अपनी टिप्पणियों के जरिए सरकार की मंशा में कई अव्यावहारिक खामियां चुनी हैं। मसलन चुनाव आयोग से न तो पूछा जा रहा है और न ही सलाह लेते हुए कोई स्पष्टता जाहिर हुई है। अदालत ने गंभीरता से इस विषय के बुनियादी सवालों पर सरकारी कक्ष की खामियां ही नहीं, विकल्प, समाधान और दिशा-निर्देश तय किए हैं। ऐसा प्रतीत होता है कि सरकार की कथनी पर अदालत को कुछ शंकाएं हैं और जिनका जिक्र करते हुए स्कूल बोर्ड परीक्षाओं, जनगणना, पुनर्सीमांकन तथा आरक्षण रोस्टर के लंबित कार्यों को सीमित करके सीधे चुनावों की अनिवार्यता को परवान चढ़ाने की वचनबद्धता चाहती है। हालांकि सरकार ने अप्रैल-मई के नक्शे पर पंचायती चुनावों को अपनी प्राथमिकताओं में से चुना है, लेकिन अब कानून के पहिए आपदा ग्रस्त तर्कों की सडक़ पर आ चुके हैं। जाहिर है पंचायत चुनावों के निर्देश पर विपक्ष को अपना संघर्ष तेज करने का नैतिक आधार मिल गया है। पहले ही कुछ समारोहों के आयोजन और प्रशासनिक भूमिकाओं पर रेत बिखेरती भाजपा ने अपनी भूमिका के महल खड़े किए हैं, तो इस फैसले के आलोक में अब ग्रामीण या ग्रास रूट राजनीति को परिष्कृत करने का अवसर मिलेगा। अदालत ने पंचायती चुनाव को संभव करने का एक खाका भी सौंपा है, जिसके तहत 28 फरवरी तक तमाम प्रशासनिक तैयारियां पूरी करनी होंगी। न्यायाधीश विवेक सिंह ठाकुर और न्यायाधीश रोमेश वर्मा की खंडपीठ ने स्कूलों की वार्षिक परीक्षाओं के रोड़े हटाते हुए सुझाव दिया है कि इस बार शिक्षकों के बजाय विभागीय कर्मचारियों की सेवाएं ली जा सकती हैं। इस तरह करीब 3577 पंचायतों, पंचायत समितियों व जिला परिषदों के चुनावों पर मंडरा रहे बादलों को हटाने के लिए कानूनी तौर पर सख्त निर्देश आए हैं। सरकार आपदा एक्ट के प्रावधानों के पीछे अपने दायित्व, प्राथमिकताओं तथा परंपराओं का मूल्यांकन करेगी। मौसम की करवटों, स्कूली परीक्षाओं की व्यस्तताओं और सडक़ों के जख्मों के सामने आया अदालती आदेश यह तय करने का अवसर दे रहा है कि इस लोकतांत्रिक यज्ञ में आहुतियों का वक्त आ चुका है। फिलहाल सरकार की मन्नतों तथा कानून के फैसलों में कुछ अंतर दिखाई दे रहा है। सरकार अगर कुछ कार्यालयों को स्थानांतरित करना चाहती है, तो कानून के दायरे कान पकड़ते हैं। इसी परिप्रेक्ष्य में यहां भी सरकार की जिद्द और कानून की जिरह के बीच दूरियां स्पष्ट हैं।

हिमाचल ने आपदा के खुरदरे रास्तों पर राहत के घायल पांव देखे हैं और यह भी देखा है कि प्रदेश के हित में भी सियासत की साझी बरतनदारी शुरू नहीं होती। ऐसे में पंचायती राज चुनाव की घोषित पट्टिका पर राजनीति बहुत कुछ लिखना चाहेगी। अदालती फैसले पर सरकार की प्रतिक्रिया सहज नहीं है, लिहाजा कानूनी शिलालेखों पर और स्पष्टता तभी आएगी जब प्रशासनिक तौर पर हलचल होगी। यहां अक्तूबर से जारी आपदा एक्ट से पंचायती चुनाव कैसे मुक्त होते हैं, यह एक टकराव का विषय रहेगा। अदालत ने अपनी टिप्पणियों के जरिए सरकार की मंशा में कई अव्यावहारिक खामियां चुनी हैं। मसलन चुनाव आयोग से न तो पूछा जा रहा है और न ही सलाह लेते हुए कोई स्पष्टता जाहिर हुई है। अदालत ने गंभीरता से इस विषय के बुनियादी सवालों पर सरकारी कक्ष की खामियां ही नहीं, विकल्प, समाधान और दिशा-निर्देश तय किए हैं। ऐसा प्रतीत होता है कि सरकार की कथनी पर अदालत को कुछ शंकाएं हैं और जिनका जिक्र करते हुए स्कूल बोर्ड परीक्षाओं, जनगणना, पुनर्सीमांकन तथा आरक्षण रोस्टर के लंबित कार्यों को सीमित करके सीधे चुनावों की अनिवार्यता को परवान चढ़ाने की वचनबद्धता चाहती है।हालांकि सरकार ने अप्रैल-मई के नक्शे पर पंचायती चुनावों को अपनी प्राथमिकताओं में से चुना है, लेकिन अब कानून के पहिए आपदा ग्रस्त तर्कों की सडक़ पर आ चुके हैं। जाहिर है पंचायत चुनावों के निर्देश पर विपक्ष को अपना संघर्ष तेज करने का नैतिक आधार मिल गया है।

कुछ अलग

अतीत में आज की हाजिरी

देश का सारा शक लैटर बॉक्स पर आ गया। यह न होता तो चिट्ठियां बदनाम न होतीं। सरकार चिट्ठियों के जरिए देश के अतीत में हुई गलतियों का प्रायश्चित करना चाहती है ताकि पता चले कि पुरानी गलतियां आज भी खूंखार क्यों हैं। हम आज बहुत कुछ कर रहे हैं, लेकिन अतीत है कि मानता नहीं। यह अतीत होना ही नहीं चाहिए या जहां मिल जाए खदेड़ देना चाहिए। दुनिया में जो लोग आज में जीते हैं, उनका अतीत होता ही नहीं। दिल्ली में एक प्रदूषण अतीत का भी है। हर कहीं झांकता है। दिल्ली आज के बजाय अतीत से ज्यादा पूछती है। किसी ने कहा हरिद्वार में अतीत बिकता है। परिवार में जब कोई सदस्य मरता है, हम अतीत खोजने निकल पड़ते हैं और वहां अतीत का सौदा करते हैं। मोल भाव करते हुए कोई पंडा बही खाते खोलकर बताता है, 'आपका अतीत वर्तमान से बड़ा है। इसलिए अतीत में आज की हाजिरी लगाते हुए जेब को पूरी तरह खोल दो।' दुनिया के किसी अन्य हिस्से में ऐसी करामात नहीं, लेकिन हम भारतवासी अतीत के लिए वर्तमान की मजदूरी करते हैं।

दृष्टि कोण

स्मरण शक्ति और एकाग्रता भी बढ़ती है नमस्कार से

भारतीय दर्शन के अनुसार, हमारे हाथ ऊर्जा के उत्सर्जन केंद्र हैं। जब नमस्कार की मुद्रा में दोनों हाथ जोड़े जाते हैं तो मन को असीम शांति मिलती है। प्रार्थना के लिए दोनों हाथों को जोड़ा जाता है। भारत के अलावा कई देशों में भी नमस्कार की मुद्रा को अत्यंत प्रभावशाली और चमत्कारी माना जाता है। जापानी भाषा में इसे 'गाशो' कहा जाता है। भारत समेत कई देशों का यही मानना है कि हाथ जोड़ना केवल एक शारीरिक मुद्रा नहीं है, बल्कि यह एक गहरी आध्यात्मिक मनोस्थिति को दर्शाता है। जब हम हाथ जोड़ते हैं तो हमारी अंगुलियों के सिरे एक-दूसरे पर दबाव डालते हैं। ये प्रेशर प्वाइंट्स हमारे मस्तिष्क के उन हिस्सों से जुड़े होते हैं जो स्मरण शक्ति और एकाग्रता के लिए जिम्मेदार होते हैं। वहीं जापान में 'गाशो' के माध्यम से यह बताया जाता है कि जब दाएं और बाएं हाथ आपस में मिलते हैं, तो ये दो विपरीत चीजों के मिलन के प्रतीक होते हैं जैसे स्वयं और दूसरा, प्रकाश और अंधकार। इनसे यह पता चलता है कि ब्रह्मांड में सब कुछ आपस में जुड़ा हुआ है और हम अलग-अलग नहीं हैं। गाशो की मुद्रा में व्यक्ति का मन भटकना बंद कर देता है। मन एक ही स्थान पर केंद्रित हो जाता है। इसलिए अक्सर स्कूल में बच्चों को पढ़ाने से पहले दोनों हाथ जोड़कर प्रार्थना कराई जाती है। हमारे देश में जब कोई महत्वपूर्ण कार्य प्रारंभ किया जाता है तो पहले दोनों हाथ जोड़कर ईश्वर का स्मरण किया जाता है। ऐसा करने से मस्तिष्क की ऊर्जा एकाग्र हो जाती है और जिस कार्य को किया जाने वाला है, उसे बल मिलता है। हाथ जोड़ने का सही तरीका यह है कि दोनों हथेलियों को अपने हृदय चक्र के पास सटाकर रखना चाहिए। ऐसा करने से हृदय सकारात्मक होता है। हृदय को यह अहसास होता है कि नकारात्मक बिंदुओं को बाहर निकालना है और सकारात्मक बातों को अपने अंदर रखना है। यही कारण है कि जो लोग विनम्रता में हाथ जोड़कर बातें करते हैं, अथवा किसी विवादास्पद मुद्दे को हाथ जोड़कर खत्म करते हैं तो हाथों की सकारात्मक तरंगें निकलकर परिवेश में घुल जाती हैं।

लेकिन दुर्भाग्य से कुछ लोग ऐसे भी होते हैं जिनके हाथ नहीं होते। ऐसे में वे प्रार्थना की मुद्रा किस प्रकार बनाएं? इस दर्द को समझा प्रणव वेम्पाती और उनकी टीम ने। प्रणव वेम्पाती, हर्षा रेड्डी पोंगुलेटी और सुरेन मरुममुला द्वारा वर्ष 2018 में एक स्टार्टअप की स्थापना की गई। वे मिसाइलमैन डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम से बेहद प्रभावित थे। इसलिए उन्होंने कलाम से संबंधित कलार्म बनाने की सोची। आज भी देश में अनेक लोग ऐसे हैं जो कृत्रिम अंगों विशेषकर कृत्रिम हाथों को खरीदने में असमर्थ हैं। डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम ने हृदय रोग के लिए प्रसिद्ध और किफायती 'कलाम स्टेंट' विकसित किया था। इसी स्टेंट के तर्ज पर प्रणव वेम्पाती ने एक ऐसा कृत्रिम हाथ बनाने का निश्चय किया जो लोगों के लिए सुलभ हो सके और वे लोग जिनके हाथ नहीं हैं, वे उसका प्रयोग कर न केवल अपने दैनिक कार्य कर सकें, अपितु दोनों हाथों के माध्यम से प्रार्थना कर अपने हृदय को भी मजबूत कर सकें। इसके लिए प्रणव को हर्षा और सुरेन जैसे सह-संस्थापक मिले। समान सोच के साथ उन्होंने काम करना शुरू किया। विकसित देशों में उन्नत कृत्रिम बायोनिक हाथों की कीमत 35 से 60 लाख तक होती है। प्रणव सबसे सस्ता बायोनिक हाथ बनाने में जुट गए। इसके लिए उन्होंने अनेक प्रयोग किए। आखिरकार उनकी मेहनत रंग लाई। उन्होंने 'कलार्म' नामक 3डी-प्रिंटेड हाथ बनाया है। यह 18 तरह की ग्रिप देता है, ईएमजी सेंसर से चलता है और 8 किलो तक का वजन उठा सकता है। इसकी कीमत अन्य देशों के मुकाबले बहुत कम है। 'कलार्म' की कीमत चार से छह लाख के बीच है। प्रणव इससे भी कम कीमत का 'कलार्म' लांच करने की योजना बना रहे हैं। इस तरह वे लोग जो हाथों से वंचित हैं, कलार्म द्वारा न केवल अपने सभी कामों को करके जीवन को आसान बना सकते हैं, अपितु प्रणाम की मुद्रा में अपने तन-मन को ऊर्जा से भी भर सकते हैं। प्रणव कहते हैं कि, 'जीवन में कुछ न कुछ ऐसा करने का प्रयास करना चाहिए, जिससे मन को सुकून प्राप्त हो। मैं जब भी प्रार्थना करके अपने हाथ जोड़ता हूं तो मेरे मन से यही आवाज आती है कि तुम सक्षम हो तो अक्षम व्यक्तियों का सहारा बनो।' जिन व्यक्तियों के हाथ हैं उन्हें अपने इन हाथों की कीमत को समझना चाहिए और प्रकृति एवं ईश्वर के कृतज्ञ होने के साथ-साथ हाथों से ऐसे कार्य करने चाहिए, जिनसे आस-पास के परिवेश को भी सुख और समृद्धि प्राप्त हो।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

कोई शुभ समाचार मिलेगा. मन में उत्साह बना रहेगा. आप अपने प्रियजनों को दूसरों के साथ थोड़ा और अधिक दोस्ताना देखते हैं. अपने प्रिय की ख़ामियों को ढूंढने में समय बर्बाद न करें. अविवाहित लोगों को विवाह या प्रेम प्रस्ताव मिल सकते हैं. परिवार में वैचारिक मतभेद खत्म हा सकते हैं. घर–परिवार या पड़ोस में कोई कठिन परिस्थिति बने तो सकारात्मक रहें. कुछ लोगों के लिए आकस्मिक यात्रा दौड़–भाग भरी और तनावपूर्ण रहेगी.

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

कार्यस्थल पर बहुत ऊर्जावान रहेंगे. आप अपने व्यवहार में अत्यधिक सफल होंगे और ग्राहकों के साथ स्थायी संबंध बनाएंगे. आप अपनी योग्यता को साबित करने के लिए बेहतर अवसरों का लाभ उठाएंगे. आपके सम्मान और प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी. आप बच्चों से खुश रहेंगे और अपने जीवनसाथी के साथ संतोषप्रद जीवन का लाभ उठाएंगे. स्वास्थ्य के सन्दर्भ में आज आप चिड़चिड़े हो सकतें हैं. आराम करने के लिए पर्याप्त समय लें.

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ङ,छ,के,को,ह

पैसों की स्थिति में सुधार हो सकता है. इनकम बढ़ाने के कुछ अच्छे मौके भी आपको मिल सकते हैं. जिनसे आप खुद भी हैरान हो सकते हैं. हाल ही में कुछ नए दोस्त मिल सकते हैं. आप अपनी पसंद या मनमर्जी के कामों के लिए उत्सुक होंगे. जिस स्थिति का सामना कर रहे हैं, उससे आपको फायदा ही होगा. जो खास बात है उसे गंभीरता से ही लें. आज अपनी सोच पॉजिटिव रखें और काम करने के तरीके में बदलाव करें. सब ठीक हो जाएगा.

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

ऑफिस में आज काम का बोझ अधिक हो सकता है, लेकिन शाम तक पूरा काम आसानी से निपटा लेंगे.साथ ही काम पूरा करने में आपको किसी सहकर्मी की मदद भी मिल सकती है.आपके करियर में अचानक बदलाव आ सकता है, जिससे आपको धन लाभ का अवसर प्राप्त होगा.आज आपके कुछ नए दोस्त बन सकते हैं. वैवाहिक जीवन खुशहाल बना रहेगा.आज आपको कुछ चीज़ों का खास ध्यान रखना चाहिए और जोखिम भरे काम को करने से बचना चाहिए. बहते जल में तिल प्रवाहित करें, आर्थिक पक्ष मजबूत होगा.

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

कारोबारी आज अपनी आंखें खुली रखें, उन्नति का कोई बढ़िया अवसर आपको मिल सकता है. स्वास्थ्य बेहतर बना रहेगा. घर में परेशानियाँ पैदा हो सकती हैं लेकिन अपने साथी को छोटी–छोटी बातों के लिए ताने देने से बचें. आज के दिन अधिकांश समय ख़रीदारी और दूसरी गतिविधियाँ में जाएगा. सामान्य रूप से आज आपका दिन मिलाजुला रहेगा. परिवार के बड़े लोगों का आपको आज सहयोग मिलेगा.

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आपके लिए दिन सामान्य रहेगा. लेन–देन और निवेश के मामलों में नई प्लानिंग करेंगे. आपके आसपास चहल–पहल भी रहेगी. आपकी एकाग्रता चरम पर होगी और एक साथ कई काम भी संभालने पड़ सकते हैं. लोगों से मिलने या परिवार के साथ कहीं जाने का कार्यक्रम बन सकता है. काम और मेहनत दोनों ज्यादा रहेंगे, लेकिन आपको सफलता मिल सकती है.

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आज आपको बहुत सारे लाभ मिल सकते हैं. किन्तु यदि आप आर्थिक लाभ हेतु आसान तरीकों की तलाश करते हैं तो आप केवल बुरे परिवर्तनों को आमंत्रित कर रहें हैं. व्यापारिक गतिविधियों से आपको अच्छा लाभ हो सकता है. वित्तीय मामलों में आपको सावधान रहना चाहिए ख अगर आपकी प्लानिंग दोषपूर्ण है तो आपके बिजनेस–पार्टनर के साथ रिश्ते कड़वे हो सकते हैं. अविवाहितों के जीवन में आज प्रेम का प्रवेश हो सकता है ख रिश्तेदारों से सम्बन्ध सुदारने के लिए आज का दिन अनुकूल है ख पारिवारिक जीवन यथावत रहेगा ।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आज कुछ लोग आपसे प्रभावित हो सकते हैं.आपकी ऊर्जा बढ़ी हुई रहेगी. उधार दिया हुआ पैसा आज आपको वापस मिल सकता है.धन लाभ के नए रास्ते खुले नज़र आ सकते हैं.आज का दिन खुद में बदलाव लाने वाला है.आपको जीवन में आगे बढ़ने के लिए नई योजनाएँ बनानी चाहिए.इससे आपको सफलता मिलेगी.जो लोग स्टेशनरी के बिजनेस से जुड़े हैं, उनको आज लाभ मिल सकता है.कामकाजी महिलाओं को कोई छोटा उद्योग शुरू करने में घर वालों का सहयोग प्राप्त हो सकता है.ब्राह्मण को भोजन कराएं, परिवार में खुशियों का आगमन होगा.

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आज आरोग्य साधारण रहेगा. आने वाले खर्चों के प्रबंध को लेकर आपको मिल जुलकर आगे बढने का प्लान बनाना होगा. आज आप अपने जीवनसाथी के साथ सैर–सपाटे का मज़ा ले सकते हैं. साथ में समय गुज़ारने का यह बढ़िया मौक़ा है. आज अपने व्यापार में विस्तार करने के लिए उत्तम दिन है. अगर आप नौकरी करते हैं तो आज ट्रांसफर के योग आपकी राशि में दिखाई दे रहे हैं. आज आप गुस्से और चिढ़चिढ़ेपन से बचने की कोशिश करें वरना आपका ही नुकसान हो जाएगा.

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आज आरोग्य साधारण रहेगा. आने वाले खर्चों के प्रबंध को लेकर आपको मिल जुलकर आगे बढने का प्लान बनाना होगा. आज आप अपने जीवनसाथी के साथ सैर–सपाटे का मज़ा ले सकते हैं. साथ में समय गुज़ारने का यह बढ़िया मौक़ा है. आज अपने व्यापार में विस्तार करने के लिए उत्तम दिन है. अगर आप नौकरी करते हैं तो आज ट्रांसफर के योग आपकी राशि में दिखाई दे रहे हैं. आज आप गुस्से और चिढ़चिढ़ेपन से बचने की कोशिश करें वरना आपका ही नुकसान हो जाएगा.

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

वित्तीय मोर्चे पर आज अच्छा लाभ संभव है. आप इस चरण में कई गतिविधियों में शामिल होंगे. मार्केटिंग, मीडिया आदि से जुड़े लोगों को यात्रा करनी पड़ सकती है. नए संपर्कों से भी लाभ होगा जो भविष्य में फायदेमंद साबित होगा. व्यावसायिक व्यक्ति अपने प्रतिद्वंद्वियों को बहुत पीछे छोड़ देंगे. भूमि , वाहन आदि की बिक्री और खरीद के लिए एक सकारात्मक चरण है. आप सुखी वैवाहिक जीवन का आनंद लेंगे लेकिन आपके कुछ करीबी लोगों का स्वास्थ्य आपकी चिंता का कारण बन सकता है.

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

आज जीवनसाथी के साथ रिश्ते बेहतर होंगे.आर्थिक पक्ष आज पहले से मजबूत रहेगा.आज माता–पिता का सहयोग प्राप्त होगा.सोचे हुए काम पूरे हो सकते हैं. आपके मन में नए–नए विचार आ सकते हैं.जिनको आप अपने जीवन में उतारने में कामयाब रहेंगे.ऑफिस में सहयोगियों के साथ आपके रिश्ते मजबूत हों–गे.बॉस आपके कामों की प्रशंसा करेंगे.जो लोग स्वास्थ्य के क्षेत्र से जुड़े हैं, उन्हें कार्यक्षेत्र में कोई अवॉर्ड मिल सकता है.दोस्तों के साथ मौज–मस्ती में आपका दिन बीत सकता है.गणेश जी को दुर्वा चढ़ाएं, आर्थिक स्थिति बेहतर होगी.

आज का पंचांग

दिनांक : 13 जनवरी 2026, मंगलवार
विक्रम संवत : 2082
मास : माघ ,कृष्ण पक्ष
तिथि : दशमी सायं 03:20 तक
नक्षत्र : विशाखा रात्रि 12:07 तक
योग : शूल सायं 07:03 तक
करण : विष्टि सायं 03:20 तक
चन्द्रराशि : तुला सायं 05:21 तक
सूर्योदय : 06:49 , सूर्यास्त 06:00 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:45, सूर्यास्त 06:11 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:39 , सूर्यास्त 06:02 (तिरुपति)
सूर्योदय : 06:39 , सूर्यास्त 05:53 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

चल : 09:00 से 10:30
लाभ : 10:30 से 12:00
अमृत : 12:00 से 01:30
राहुकाल : सायं 03:00 से 04:30
दिशाशूल : उत्तर दिशा
उपाय : गुड खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : भद्रा सायं 03:20 तक ,
धनुर्मास चालू है , शुक्र तारा अस्त है

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

जलभराव से निपटने को जेडीए-नगर निगम-आपदा प्रबंधन मिलकर बनाएंगे व्यापक ड्रेनेज प्लान : सिद्धार्थ महाजन

जयपुर, 12 जनवरी (एजेंसियां)। जयपुर शहर में बरसात के दौरान जलभराव की समस्या के स्थाई समाधान और ड्रेनेज सिस्टम को सुदृढ़ बनाने की दिशा में जयपुर विकास प्राधिकरण ने एक बड़ी पहल की है। सोमवार को जयपुर विकास आयुक्त सिद्धार्थ महाजन की अध्यक्षता में जेडीए के चिंतन सभागार में डिजास्टर मैनेजमेंट को लेकर बैठक संपन्न हुई। बैठक में यह महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया कि अब जयपुर शहर के ड्रेनेज तंत्र को मजबूत करने के लिए जेडीए, नगर निगम और राज्य का आपदा प्रबंधन विभाग संयुक्त रूप से कार्य करेंगे।

बैठक में जेडीसी सिद्धार्थ महाजन ने निर्देश दिए कि तीनों विभाग आपसी समन्वय के साथ जयपुर शहर के लिए एक मेजर कॉम्प्रिहेंसिव प्लान तैयार करें। इस योजना के क्रियान्वयन और वित्तीय प्रबंधन के लिए एक विशेष फंड भी बनाया जाएगा। इस फंड में एसडीएमएफ के निर्धारित फंड के अलावा जेडीए और नगर निगम द्वारा भी राशि का योगदान दिया जाएगा।

योजना के सफल संचालन और तकनीकी निगरानी के लिए जेडीए, नगर निगम और आपदा प्रबंधन विभाग के अभियंताओं की एक संयुक्त कमेटी गठित की जाएगी, जो इस संपूर्ण कार्ययोजना का प्रबंधन संभालेगी।

बैठक में जानकारी दी गई कि जेडीए द्वारा वर्तमान में प्राथमिकता के आधार पर सांगानेर और पृथ्वीराज नगर योजना दक्षिण क्षेत्र में ड्रेनेज और आपदा प्रबंधन के लिए 250 करोड़ रुपये की कार्ययोजना तैयार की जा रही है। यह कार्ययोजना नेबकॉन (नाबार्ड कंसल्टिंग सर्विसेज) के माध्यम से बनाई गई है। जेडीसी द्वारा एक सप्ताह में इस कार्ययोजना का प्रस्ताव अंतिम मंजूरी हेतु अतिरिक्त मुख्य सचिव गृह को प्रेषित करने के निर्देश दियें। बैठक में नगर निगम आयुक्त गौरव सैनी, निदेशक वित्त, निदेशक अभियांत्रिकी प्रथम एवं द्वितीय सहित जेडीए एवं आपदा प्रबंधन के वरिष्ठ अधिकारीगण उपस्थित रहे।

राज्यपाल बागडे ने नो योर आर्मी-2026 प्रदर्शनी का अवलोकन किया

जयपुर, 12 जनवरी (एजेंसियां)। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने सोमवार को 78वें सेना दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित किए जा रहे कार्यक्रमों के अन्तर्गत 'नो योर आर्मी' प्रदर्शनी का अवलोकन किया। इस दौरान उन्होंने भारतीय सेना की सैन्य ताकत, तकनीकी क्षमता और शौर्य प्रदर्शन की सराहना करते हुए राष्ट्र के लिए सदैव समर्पित भारतीय सैनिकों का अभिनंदन करते हुए उनकी सराहना की। उन्होंने कहा कि सैनिक का सम्मान हम सबका दायित्व है। सेना के किसी भी अधिकारी, सैनिक के कार्य को राजकीय कार्यालयों और अन्य सभी स्थानों पर प्राथमिकता दी जाए। उन्होंने भारतीय सेना की शौर्य और बलिदान की परम्परा से जुड़े 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान पाकिस्तान में नौ ठिकानों को निशाना बनाते हुए चलाए गए भारतीय सेना के अभियान के प्रदर्शन की विशेष रूप से सराहना की। राज्यपाल ने इस दौरान वहीं आयोजित डॉग शॉ भी देखा। राज्यपाल ने कहा कि 'नो योर आर्मी' भारतीय सैन्य शक्ति की संस्कृति का अनूठा प्रदर्शन है। यह नागरिकों को भारतीय सेना की शक्ति, प्रौद्योगिकी और बलिदान को करीब से देखने का अवसर प्रदान करने के साथ ही सैन्य क्षेत्र में हमारी आत्मनिर्भरता से जुड़े स्वदेशी हथियारों को देख देश पर गौरवान्वित होने का अवसर है।

ग्रामीण विकास की दिशा में वीबी-जी रामजी ऐतिहासिक पहल : हीरालाल नागर

टोंक, 12 जनवरी (एजेंसियां)। ऊर्जा राज्यमंत्री एवं जिला प्रभारी मंत्री हीरालाल नागर ने रविवार को देवली नगर पालिका में जनप्रतिनिधियों और सामाजिक संगठनों के साथ संवाद कर टोंक जिले के विकास कार्यों एवं आगामी राज्य बजट को लेकर सुझाव आमंत्रित किए। इस अवसर पर उन्होंने किसान चौपाल के माध्यम से आमजन की समस्याएं सुनते हुए मौके पर ही कई प्रकरणों का निस्तारण भी किया।

प्रभारी मंत्री हीरालाल नागर ने कहा कि राज्य सरकार बजट निर्माण की प्रक्रिया में जन-भागीदारी सुनिश्चित कर रही है। इसी उद्देश्य से सामाजिक संगठनों, जनप्रतिनिधियों और आम नागरिकों से सीधे सुझाव लिए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि सरकार जिले के सर्वांगीण विकास के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है और पिछले बजट की अधिकांश घोषणाओं का क्रियान्वयन धरातल पर शुरू हो चुका है।

उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा लागू किए गए 'विकसित भारत-रोजगार एवं आजीविका मिशन (ग्रामीण) गारंटी अधिनियम, 2025' को ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती देने वाली ऐतिहासिक पहल बताया। राज्यमंत्री ने कहा कि यह कानून पुरानी मनरेगा योजना का परिष्कृत और सशक्त स्वरूप है, जो भ्रष्टाचार और लेटलतीफी जैसी समस्याओं को जड़ से समाप्त करेगा। नागर ने बताया कि अब ग्रामीण क्षेत्रों में साल में 100 दिन के बजाय 125 दिन के रोजगार की कानूनी गारंटी दी जाएगी। योजना के तहत केवल कच्चे कार्य नहीं, बल्कि जल संसाधनों के विकास, पक्की सड़कों और अन्य स्थायी परिसंपत्तियों का निर्माण किया जाएगा, जिससे गांव आत्मनिर्भर बन सकेंगे।

उन्होंने कहा कि यह योजना सहकारी संघवाद का सशक्त मॉडल है, जिसमें केंद्र और राज्य सरकार की 60:40 की भागीदारी से जवाबदेही सुनिश्चित होगी। योजना की पारदर्शिता इसकी सबसे बड़ी विशेषता है, जिसमें एआई तकनीक, जियो-टैगिंग और सैटेलाइट इमेजरी के माध्यम से कार्यों की निगरानी की जाएगी तथा प्रत्येक छह माह में डिजिटल सोशल ऑडिट अनिवार्य होगा।

राज्यमंत्री ने बताया कि श्रमिकों के हितों को ध्यान में रखते हुए योजना में साप्ताहिक भुगतान अनिवार्य किया गया है और यदि भुगतान में दो सप्ताह से अधिक की देरी होती है, तो स्वतः मुआवजे का प्रावधान रखा गया है।

इस अवसर पर देवली-उनियारा विधायक राजेन्द्र गुर्जर, जिला कलेक्टर कल्पना अग्रवाल, मुख्य कार्यकारी अधिकारी परशुराम धानका, अतिरिक्त जिला कलेक्टर रामरतन सौंकरिया, जिला स्तरीय अधिकारी, विभिन्न सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि, जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

मनरेगा का नाम बदलने पर होगा प्रदर्शन

भाजपा सरकार मजदूरों के अधिकार छीनने जा रही है :

बहरोड़, 12 जनवरी (एजेंसियां)। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सचिव संजय यादव ने सोमवार को बहरोड़ शहर के अलवर रोड स्थित कांग्रेस कार्यालय में प्रेस वार्ता कर भाजपा सरकार पर मनरेगा योजना के मूल स्वरूप से छेड़छाड़ करने का गंभीर आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार मनरेगा का नाम बदलकर जी राम जी करने की तैयारी कर रही है, जो केवल नाम बदलने की राजनीति नहीं, बल्कि मजदूरों के अधिकारों को कमजोर करने की साजिश है। संजय यादव ने कहा कि मनरेगा के तहत पहले आवेदन के 15 दिन के भीतर रोजगार की कानूनी गारंटी थी, लेकिन अब यह व्यवस्था धीरे-धीरे समाप्त की जा रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि पहले ग्राम पंचायतों को यह अधिकार था कि वे स्थानीय जरूरतों के अनुसार कार्य तय करें, लेकिन अब केंद्र स्तर पर काम तय किए जा रहे हैं, जिससे गांवों की वास्तविक आवश्यकताओं की अनदेखी हो रही है। 125 दिन रोजगार का दावा खोखला

पीसीसी सचिव ने भाजपा सरकार के 125 दिन रोजगार देने के दावे पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि जमीनी सच्चाई यह है कि मजदूरों को साल में महज 45 से 50 दिन ही काम मिल पा रहा है, जबकि सरकार कागजों में बड़ी-बड़ी घोषणाएं कर रही है।

उन्होंने स्पष्ट किया कि कांग्रेस मनरेगा योजना के मूल स्वरूप को हर हाल में बनाए रखना चाहती है। यदि सरकार जी राम जी के नाम से कोई नई योजना शुरू करती है तो कांग्रेस उसका विरोध नहीं करेगी, बल्कि आमजन के हित में लाई गई हर नई योजना का समर्थन करेगी, लेकिन मनरेगा से किसी भी तरह की छेड़छाड़ बर्दाश्त नहीं की जाएगी। संजय यादव ने कहा कि पंचायत राज की शुरुआत राजस्थान से हुई थी और मनरेगा की परिकल्पना भी ग्राम पंचायतों को केंद्र में रखकर की गई थी, ताकि समाज के हर वर्ग को रोजगार मिल सके।

हरियाणा में पेयजल बनता जा रहा है जहर, जनता दूषित पानी पीने को मजबूर : कुमारी सैलजा

चंडीगढ़, 12 जनवरी (एजेंसियां)। सिरसा सांसद कुमारी सैलजा ने प्रदेश में लगातार प्रदूषित होते पेयजल पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए सरकार से तत्काल ठोस कदम उठाने की मांग की है। उन्होंने कहा कि प्रदेश के विभिन्न हिस्सों में मिली रिपोर्ट के अनुसार हरियाणा के अनेक जिलों, कस्बों और कॉलोनियों में लोग कड़ाके की सर्दी के बावजूद शुद्ध पेयजल से वंचित हैं और मजबूरी में दूषित पानी पीने को विवश हैं। कुमारी सैलजा ने कहा कि कई क्षेत्रों में पानी में टीडीएस, फ्लोराइड, नाइट्रेट और अन्य हानिकारक रासायनिक तत्व तय मानकों से कहीं अधिक पाए जा रहे हैं। अनेक स्थानों पर 600 से 1300 तक टीडीएस वाला पानी सप्लाई किया जा रहा है, जो आम नागरिकों के स्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरा है। सार्वजनिक स्थानों, जलघरों और रिहायशी इलाकों में भी पानी पीने योग्य नहीं है, लेकिन संबंधित विभाग एक-दूसरे पर जिम्मेदारी डालकर अपनी जवाबदेही से बचते नजर आ रहे हैं। सांसद ने सिरसा जिले के घग्घर क्षेत्र के गांवों में दूषित पानी की समस्या पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि घग्घर के किनारे वाले गांवों में भूमिगत पानी भी पीने योग्य नहीं है। घग्घर में कैमिकल युक्त पानी बह रहा है जिससे भूमिगत पानी भी दूषित हो गया है। यह पानी कैंसर का कारण भी बन रहा है। घग्घर में बह रहे कैमिकलयुक्त पानी की समस्या को उन्होंने कई बार उठाया है, लेकिन सरकार कोई ध्यान नहीं दे रही है।

उन्होंने कहा कि दूषित पेयजल के कारण बच्चों, महिलाओं और बुजुर्गों में पेट, हड्डियों, किडनी और त्वचा से जुड़ी बीमारियां लगातार बढ़ रही हैं। फ्लोराइड और नाइट्रेट युक्त पानी लंबे समय में गंभीर और स्थायी बीमारियों का कारण बनता है। इसके बावजूद सरकार ने न तो प्रभावी जल शुद्धिकरण की स्थायी व्यवस्था की और न ही प्रभावित क्षेत्रों में वैकल्पिक स्वच्छ जल आपूर्ति सुनिश्चित की।

कुमारी सैलजा ने कहा कि प्रदेश में वर्षों से शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराने के दावे किए जाते रहे हैं, लेकिन जमीनी हकीकत यह है कि हालात आज भी जस के तस बने हुए हैं। ग्रामीण क्षेत्रों के साथ-साथ शहरी इलाकों में भी लोग टैंकरों और निजी साधनों से पानी लेने को मजबूर हैं, जिससे आम आदमी पर अतिरिक्त

विश्व पुस्तक मेले में युवा लेखक विकास बिश्नोई की पुस्तक अनकहे लम्हे का हुआ विमोचन

चंडीगढ़, 12 जनवरी (एजेंसियां)। प्रगति मैदान स्थित भारत मंडपम में शनिवार से शुरू हुए 53वें विश्व पुस्तक मेले के लेखक मंच पर आयोजित पुस्तक विमोचन कार्यक्रम में युवा लेखक एवं कहानीकार विकास बिश्नोई की पुस्तक 'अनकहे लम्हे' का विमोचन किया गया। यह पुस्तक प्रयागराज स्थित इंक पब्लिकेशन द्वारा प्रकाशित की गई है। विमोचन कार्यक्रम में इंक पब्लिकेशन के प्रतिनिधि दिनेश कुशवाहा ने पुस्तक पर चर्चा करते हुए कहा कि विकास बिश्नोई एक संवेदनशील और उभरते हुए युवा लेखक हैं। कम उम्र में ही उन्होंने मानवीय रिश्तों, भावनाओं और आंतरिक द्वंद्व को जिस गहराई से समझा है, वही उनकी कहानियों की सबसे बड़ी ताकत है। उनकी रचनाएँ केवल पढ़ी नहीं जातीं, बल्कि पाठक उन्हें महसूस भी करता है।

कार्यक्रम का संचालन कर रहीं लेखिका सविता सिंह 'सैवी' ने कहा कि 'अनकहे लम्हे' उन भावनात्मक पलों की कथा है, जहाँ रिश्तों की मिठास भी है और अनकही पीड़ा भी। यह पुस्तक पाठकों को भावनाओं की उस यात्रा पर ले जाती है, जिसमें हर पाठक अपने जीवन के कुछ अनुभवों से स्वयं को जुड़ा हुआ पाता है।

हरियाणा सरकार का निरंतर प्रयास है कि स्वास्थ्य सेवाएँ सस्ती, सुलभ और प्रभावी हों : सैनी

गुरुग्राम, 12 जनवरी (एजेंसियां)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि नैतिकता, पारदर्शिता और जनकल्याण को सर्वोपरि रखते हुए राज्य के स्वास्थ्य लक्ष्यों में सहभागी बनने वाली सभी जिम्मेदार संस्थाओं का हरियाणा में स्वागत है। सरकारी स्वास्थ्य सेवाओं के मजबूत ढांचे के साथ-साथ निजी क्षेत्र की जांच एवं चिकित्सा सेवाओं की भूमिका भी नागरिकों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। मुख्यमंत्री सोमवार को गुरुग्राम में स्वामी विवेकानंद की जयंती पर सेक्टर 12ए स्थित भारत विकास परिषद महाराणा प्रताप न्यास गुरुग्राम द्वारा संचालित 'विवेकानंद आरोग्य केंद्र' में प्रेम सागर हृदय रोग चिकित्सालय के लोकार्पण समारोह को बतौर मुख्यातिथि संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम में स्वामी विवेकानन्द जी की 163वीं जयंती पर उन्हें नमन करते हुए प्रदेशवासियों को लोहड़ी, मकर संक्रांति तथा पोंगल पर्व की शुभकामनाएं भी दी। हरियाणा सरकार का निरंतर प्रयास है कि स्वास्थ्य सेवाएँ सस्ती, सुलभ और प्रभावी हों

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि हरियाणा सरकार का निरंतर प्रयास रहा है कि प्रदेश के प्रत्येक नागरिक को सस्ती, सुलभ और प्रभावी स्वास्थ्य सेवाएँ उपलब्ध हों। विवेकानंद आरोग्य केंद्र जैसे संस्थान इन प्रयासों को जमीनी स्तर पर मजबूती प्रदान कर रहे हैं। प्रधानमंत्री के फिट इंडिया के संदेश से प्रेरित होकर राज्य सरकार ने हरियाणा में आधुनिक जांच एवं उपचार सुविधाओं को आमजन तक पहुँचाया है। सरकार ने यह सुनिश्चित किया है कि धन के अभाव में कोई भी गरीब नागरिक इलाज से वंचित न रहे। प्रदेश में आयुष्मान भारत-चिरायु योजना के अंतर्गत अब तक 1 करोड़ 34 लाख कार्ड बनाए जा चुके हैं, जिनके माध्यम से लगभग 25 लाख मरीजों के इलाज पर 4,500 करोड़ रुपये के क्लेम दिए गए हैं। इसके अतिरिक्त, 70 वर्ष से अधिक आयु के सभी बुजुर्गों को आयुष्मान भारत योजना के तहत 5 लाख रुपये वार्षिक तक निःशुल्क उपचार की सुविधा दी जा रही है, जिसके अंतर्गत अब तक 26,513 बुजुर्गों के इलाज पर 53 करोड़ 57 लाख रुपये के क्लेम प्रदान किए गए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार सुनिश्चित कर रही है कि प्रत्येक जिले के सरकारी अस्पतालों में निजी अस्पतालों की तरह आधुनिक चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध हों।

इसी दिशा में पहले चरण में 10 जिला अस्पतालों में ऐसी सुविधाएं शुरू की जा चुकी हैं, जबकि 12 अन्य जिला अस्पतालों में इन सुविधाओं को विकसित करने का कार्य प्रगति पर है। सरकार का उद्देश्य है कि आम नागरिक को गुणवत्तापूर्ण और सुलभ उपचार अपने जिले में ही उपलब्ध हो सके। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर संस्था को सहयोग करने वाले गणमान्य को सम्मानित करने के साथ- साथ संस्था को 31 लाख रुपये की सहयोग राशि देने को घोषणा भी की।

स्वामी विवेकानंद के जीवन से प्रेरणा लें युवा : रघुनाथ

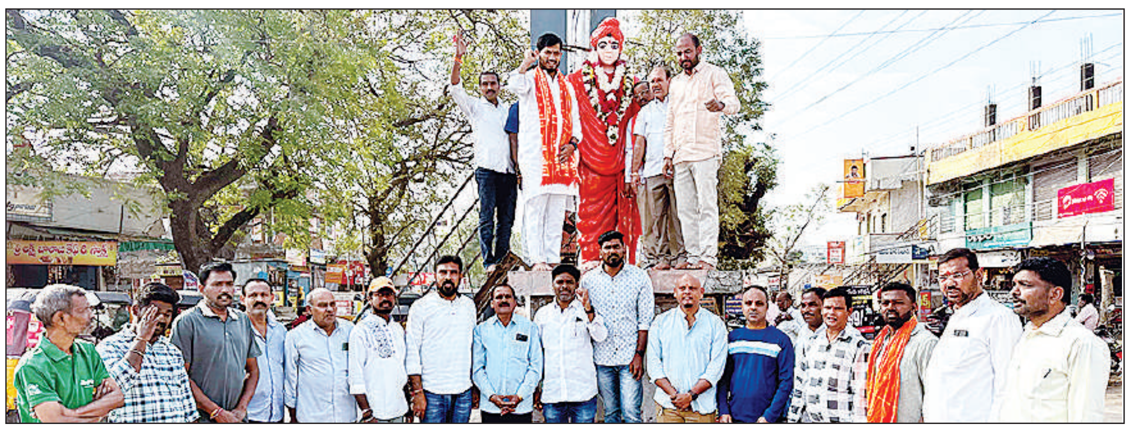

मंचेरियाल, 12 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। स्वामी विवेकानंद जयंती के अवसर पर भाजपा राज्य उपाध्यक्ष रघुनाथ वेराबेली के तत्वावधान में सोमवार को मंचेरियाल नगर के कॉलेज रोड पर स्वामी विवेकानंद की मूर्ति पर माल्यार्पण किया गया। भाजपा नेताओं व कार्यकर्ताओं ने इस अवसर पर युवाओं से स्वामी विवेकानंद के जीवन से प्रेरणा लेने की अपील की।

रघुनाथ ने कहा कि स्वामी विवेकानंद एक महान व्यक्तित्व थे, जिन्होंने विश्व को भारत के गौरवशाली इतिहास से परिचित कराया। उन्होंने युवाओं से उनके आदर्शों व विचारों को अपनाने और देश के भविष्य को ध्यान में रखते हुए कार्य करने का आह्वान किया।कार्यक्रम में अमीरी सेट्टी राजकुमार, बियाला सतीश राव, अकुला अशोक वर्धन, तुला अंजनेयुलु, अविदापु राजाबाबू, बुद्धरापु राजामौली, बिंगी सत्यनारायण, मेरेडिकोंडा श्रीनिवास, वेलुमुला दुर्गा प्रसाद, कसेट्टी नागेश्वर राव, बुर्ला चिरंजीवी, बोइनी देवेंद्र, अरे सतीश, मणिकांठा सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

संक्रांति पर गांव जाते समय रहें सावधान : सीआई श्रीनिवास

बेल्लमपल्ली, 12 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। संक्रांति त्योहार पर गांव जाने वालों को चोरी से बचाव के लिए सतर्क रहने की सलाह देते हुए वन टाउन सीआई के. श्रीनिवास राव ने सोमवार को आवश्यक निर्देश जारी किए। उन्होंने छुट्टियों के दौरान शहर छोड़ने वालों से घर की सुरक्षा सुनिश्चित करने को कहा।सीआई ने निम्नलिखित सावधानियां बरतने की हिदायत दी–

महंगे सोने के गहने और नकदी घर पर न छोड़ें; जरूरी हो तो बैंक लॉकर में रखें।

घर से निकलने से पहले दरवाजे–खिड़कियां ठीक से लॉक करें और कोई कीमती सामान न छोड़ें।

आसपास संदिग्ध व्यक्ति दिखने पर तुरंत 100 डायल करें या नजदीकी थाने में शिकायत दर्ज कराएं।घर छोड़ने से पहले स्थानीय थाने को सूचित करें, ताकि पेट्रोलिंग बढ़ाई जा सके।सीसीटीवी कैमरे चेक करें कि वे ठीक काम कर रहे हैं या नहीं।

श्रीनिवास ने अपील की कि सभी लोग इन निर्देशों का पालन करें और चोरों को मौका न दें। इससे अपराध रोकने में सहयोग मिलेगा।

कन्नेपल्ली में लायंस क्लब ने लगाया निःशुल्क नेत्र शिविर

बेल्लमपल्ली, 12 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। बेल्लमपल्ली निर्वाचन क्षेत्र के कन्नेपल्ली मंडल जनकपुर ग्राम पंचायत में एनएसएस राष्ट्रीय सेवा योजना शिविर के तहत लायंस क्लब द्वारा जिला परिषद स्कूल में निःशुल्क मोबाइल नेत्र चिकित्सा शिविर आयोजित किया गया। अरुणा अस्पताल के डॉ. यशवंत, डॉ. वंशी व नेत्र विशेषज्ञ अंजैया तथा शांभवी चिकित्सा कर्मियों ने ग्रामीणों का परीक्षण किया। मुफ्त दवाइयां वितरित की गईं।

कार्यक्रम में एनएसएस प्रभारी सोमैया, सरपंच बोरीगांव वेंकटेश, लायंस क्लब सचिव आदर्श वर्धन राजू, सदस्य सुवर्णा, जनकपुर पल्ले दवाखाना डॉक्टर प्रवलिका, संतोष सहित अन्य उपस्थित रहे।

सार्वजनिक आवेदनों पर त्वरित कार्रवाई हो : कलेक्टर वेंकटेश धोत्रे

आसिफाबाद, 12 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। जिला कलेक्टर वेंकटेश धोत्रे ने कहा कि प्रजावाणी कार्यक्रम में प्राप्त आवेदनों पर शीघ्र कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। सोमवार को एकीकृत जिला समाहरणालय के सभाकक्ष में जिला अपर समाहर्ता (राजस्व) डेविड के साथ विभिन्न आवेदन प्राप्त किए गए।

कलेक्टर को सौंपे प्रमुख आवेदनों में– कागजनगर के संगमबस्ती निवासी सहन मोहम्मद ने सहायता पेंशन के लिए आ– वेदन दिया। जैनूर मंडल पारा गांव की अत्राम निर्मला व सिरपुर टी के हुडकिली की चंदनखडे भाग्यश्री ने इंदिरम्मा घर की मांग की। रेबेना के गंगापुर किसानों ने वट्टीवागु नहर पर अवैध कब्जे के खिलाफ कार्रवाई मांगी। वानकिडी नवेगम सरपंच सुजाता ने गांव में सड़क निर्माण की मांग की। कागजनगर नजरुलनगर के चंद्रकांत मेस्त्री ने पासबुक सुधार व वंजारी के दुर्गम दशरथ ने पट्टा भूमि संशोधन का आवेदन दिया जैनूर वारा की आदुश तुरसाबाई ने इंदिरम्मा घर मांगा। कलेक्टर ने निर्देश दिए कि मैदानी स्तर पर जांच कर त्वरित समाधान हो। संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

कीड़े वाले चावल पकाने वाले हेडमास्टर को सस्पेंड करें, ग्रामीणों की कलेक्टर को याचिका

आसिफाबाद, 12 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। कुमरभूम आसिफाबाद जिले के रेबेना मंडल के कोंडापल्ली एमपी यूपीएस स्कूल में छात्रों को कीड़े वाले चावल परोसने का मामला सामने आया है। ग्रामीणों ने सोमवार को कलेक्टर को याचिका सौंपकर हेडमास्टर व कुकिंग स्टाफ को सस्पेंड करने की मांग की।

याचिकाकर्ताओं ने आरोप लगाया कि हेडमास्टर छात्रों के प्रति लापरवाह हैं। कीड़े वाले चावल पर सवाल करने पर वे बच्चों को पीटते हैं। पिछले साल स्टोर किए चावल को नियमों के खिलाफ नाले में फेंक दिया गया। उन्होंने मांग की कि हेडमास्टर को तत्काल सस्पेंड किया जाए तथा किचन स्टाफ पर भी कार्रवाई हो।

याचिका में बीसी यूथ एसोसिएशन के जिला अध्यक्ष अविदापु प्रणय, सरपंच, ग्रामीण व अन्य लोग शामिल हुए। सभी ने छात्र हित में त्वरित कार्रवाई की अपील की।

स्वामी विवेकानंद युवा शक्ति के प्रेरणास्रोत : कलेक्टर वेंकटेश धोत्रे

आसिफाबाद, 12 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। जिला कलेक्टर वेंकटेश धोत्रे ने कहा कि स्वामी विवेकानंद युवा शक्ति के प्रेरणास्रोत हैं। सोमवार को उनकी 163वीं जयंती पर जिला युवा खेल सेवा विभाग द्वारा सामित्रिका जिला समाहरणालय सभाकक्ष में राष्ट्रीय युवा दिवस समारोह आयोजित हुआ।कार्यक्रम में जिला अपर समाहर्ता (राजस्व) एम. डेविड व जिला युवा खेल अधिकारी अश्वाक अहमद ने विवेकानंद के चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि दी।कलेक्टर ने कहा कि विवेकानंद ने अपने व्याख्यानों से विश्व को भारतीय आध्यात्मिकता से परिचित कराया। उन्होंने ङ्गङ्कसत्य ही मेरा ईश्वर है, ब्रह्मांड मेरा देश हैङ्घङ्ग का संदेश देकर गुलामी की जंजीरों में जकड़े लोगों को जागृत किया तथा सामाजिक विषमताओं के खिलाफ आवाज उठाई। युवाओं से अपील की कि अपनी ऊर्जा समाज हित, देशभक्ति व सेवा में लगाएं। संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

सिद्दिपेट जिला भंग करने के प्रयास पर बीआरएस ने दी चेतावनी

मंचेरियाल, 12 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। बीआरएस नेताओं ने कांग्रेस सरकार को सिद्दिपेट जिले को भंग करने के किसी भी कदम के खिलाफ कड़ा विरोध करने की चेतावनी दी है। परिवहन मंत्री पोंनम प्रभाकर द्वारा हुस्नाबाद को करीमनगर में विलय की घोषणा के बाद बीआरएस ने इसे जिले की जनता के साथ धोखा बताया।

रविवार को सिद्दिपेट में पत्रकारों से बातचीत में बीआरएस वरिष्ठ नेता राधाकृष्ण शर्मा ने कहा कि यह मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी की पूर्व सीएम के. चंद्रशेखर राव व पूर्व मंत्री टी. हरीश राव के खिलाफ साजिश है। उन्होंने जोर देकर कहा, ङ्गङ्कसिद्दिपेट जिला यहां के लोगों का लंबे समय का सपना है। 1980 के दशक से एनटी रामाराव के समय से इसकी मांग हो रही है।ङ्घङ्ग

शर्मा ने कांग्रेस नेताओं से अपना रुख स्पष्ट करने को कहा तथा चेतावनी दी कि स्पष्टीकरण न मिलने पर उन्हें जिले में घूमने नहीं दिया जाएगा। रेवंत रेड्डी पर बीआरएस शासन की उपलब्धियों नष्ट करने का आरोप लगाया।

नगर पालिका चुनाव के लिए कार्यकर्ताओं के साथ समीक्षा बैठक

बेल्लमपल्ली, 12 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। आगामी नगर पालिका चुनाव को देखते हुए बेल्लमपल्ली एमएलए कैंप ऑफिस में विधायक गड्डम विनोद वेंकटस्वामी की अध्यक्षता में कार्यकर्ताओं के साथ बैठक आयोजित हुई। 34 वार्डों में कांग्रेस को शानदार जीत दिलाने पर चर्चा हुई।विधायक ने कहा कि कांग्रेस ने हमेशा जनकल्याण किया। राज्य सरकार की योजनाओं से गरीब–मध्यम वर्ग लाभान्वित हो रहा। महिलाओं, किसानों व युवाओं के वादे पूरे हो रहे। उन्होंने बेल्लमपल्ली में इंफ्रास्ट्रक्चर, सड़क, ड्रेनेज, पानी, शिक्षा–चिकित्सा विकास के कार्य गिनाए।कार्यकर्ताओं से घर–घर प्रचार कर उम्मीदवारों को जिताने की अपील की। भरोसा जताया कि लगन से काम करेंगे तो सफलता मिलेगी।बैठक में जिला अध्यक्ष पिन्निनी रघुनाथ रेड्डी, पूर्व चेयरमैन, पार्षद, वरिष्ठ नेता, महिला–यूथ नेता व कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

गांवों में विकास ठप, धनाभाव से जूझ रही पंचायतें : बीआरएस

नए सरपंच निजी धन से कर रहे जरूरी काम

मंचेरियाल, 12 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। कांग्रेस सरकार के दो वर्षों में निर्मल जिले की ग्राम पंचायतें धन की कमी से जूझ रही हैं। बीआ– रएस शासनकाल में फले–फूले गांव अब विकास कार्य ठप होने से परेशान हैं। हालिया चुनावों में 399 पंचायतों में नए सरपंच चुने गए, लेकिन फंड न मिलने से चुनौतियां बढ़ गई हैं।

निर्मल जिले में 400 पंचायतें हैं, जिनमें दस्तूराबाद मंडल के पेकर्पिल्ली में आरक्षण विवाद से चुनाव नहीं हुए। बीआरएस काल में पल्ले प्रगति, हरित हरम जैसे कार्यक्रमों से गांव हरे–भरे हुए, पुरस्कार जीते। कांग्रेस आने के बाद फंड रुका, स्वच्छता–विकास कार्य ठप।

20 दिन पूर्व शासन संभालने वाले सरपंच निजी धन से बोरवेल मरम्मत, सड़क निर्माण, स्कूल सफाई, ग्राम भवन रंगरोगन कर रहे हैं। एक सरपंच ने कहा, पंचायत खाते में एक रुपया नहीं। चुनावी वादे पूरे करने असमंजस में हैं। केंद्र–राज्य से वित्त आयोग फंड फरवरी 2024 से रुका हुआ। सड़क, सीवरेज, वैकुंठ धाम, नर्सरी योजनाएं लंबित।

केसीआर सरकार ने 240 से बढ़ाकर 400 पंचायतें बनाईं, आदिवासी थांडा–गुडेल शामिल किए। अब डीजल, कर्मचारी वेतन, मरम्मत के लिए फंड न होने से आपात कार्य भी रुके। ग्रामीण बहस कर रहेक्या गांव फिर प्रगति पथ पर लौटेंगे? सरकार से तत्काल फंड जारी करने की मांग तेज।

एमएलए कैंप ऑफिस के सामने पत्रकारों का विरोध प्रदर्शन, कांग्रेस नेता पर कार्रवाई की मांग

बेल्लमपल्ली, 12 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। बेल्लमपल्ली के पत्रकारों ने एमएलए कैंप कार्यालय के बाहर विरोध प्रदर्शन किया। पत्रकार रमेश की बेइज्जती व धमकी की घटना पर गुस्सा जताते हुए कांग्रेस नेता कारुकुरी राम चंदर के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की।उन्होंने मांग की कि राम चंदर को तत्काल कांग्रेस से बर्खास्त किया जाए। एमएलए गड्डम विनोद को ज्ञापन सौंपा गया। पत्रकारों ने कहा कि समाज को खबर पहुंचाने वालों को धमकाना लोकतंत्र के लिए खतरा है।

सरकार व पार्टियों से जिम्मेदारी लेने की अपील की ताकि ऐसी घटनाएं न हों। पत्रकारों ने चेतावनी दी कि मांगें पूरी न होने पर संघर्ष जारी रहेगा।

यंग इंडिया स्कूल निर्माण में तेजी लाएं : भट्टी

आसिफाबाद, 12 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। उपमुख्यमंत्री व वित्त मंत्री मल्लू भट्टी ने यंग इंडिया एकीकृत आवासीय विद्यालयों के निर्माण की शीघ्रता सुनिश्चित करने हेतु कलेक्टरों को निगरानी के निर्देश दिए। सोमवार को एससी कल्याण मंत्री अटलुरी लक्ष्मण कुमार, चीफ सेक्रेटरी रामकृष्ण राव सहित अधिकारियों ने सभी जिलों के कलेक्टरों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंस से समीक्षा बैठक की।

उपमुख्यमंत्री ने कहा कि एससी, एसटी, ओबीसी व अल्पसंख्यक छात्रों के लिए ये स्कूल अगले शैक्षणिक वर्ष तक तैयार हों। 200 करोड़ लागत वाले भवनों के लिए भूमि चयन, एजेंसी समझौते व मासिक प्रगति समीक्षा करें। छात्रों को प्रौद्योगिकी उत्कृष्टता प्रदान कर भारत के भावी नागरिक बनाएं।कलेक्टर वेंकटेश धोत्रे ने बताया कि वांकिडी मंडल में आसिफाबाद के लिए 25 एकड़ भूमि चिह्नित हो चुकी है। 200 करोड़ की लागत से निर्माण शीघ्र शुरू होगा।

कार्यकारी अधिकारी रविंदर, उप–कार्यकारी वेंकटेश्वरलू, भूमि सर्वेक्षण अधिकारी विजय कुमार उपस्थित रहे।

म्युनिसिपल चुनाव के इंतजाम पूरे करें : चीफ सेक्रेटरी रामकृष्ण राव

आसिफाबाद, 12 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। राज्य के चीफ सेक्रेटरी रामकृष्ण राव ने म्युनिसिपल चुनाव कराने के सभी इंतजाम पूरे करने के निर्देश दिए। सोमवार को म्युनिसिपल विभाग की सेक्रेटरी टी.के. श्रीदेवी के साथ सभी जिलों के कलेक्टरों, एडिशनल कलेक्टरों व म्युनिसिपल कमिश्नरों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से रिव्यू बैठक हुई।चीफ सेक्रेटरी ने कहा कि फोटो वोटर लिस्ट 12 जनवरी को, ड्राफ्ट पोलिंग स्टेशन लिस्ट 13 जनवरी को, फाइनल लिस्ट 16 जनवरी को घोषित हो। बैलेट पेपर छपाई के लिए प्रिंटिंग प्रेस चिह्नित करें। स्टेट इलेक्शन कमीशन को एक्शन प्लान जारी होने तक तैयार रहें।जिला निर्वाचन अधिकारी व कलेक्टर वेंकटेश धोत्रे ने बताया कि आसिफाबाद म्युनिसिपैलिटी के 20 व कागजनगर के 30 वार्डों में शांतिपूर्ण चुनाव होंगे। जोनल–फ्लाइंग टीम, नोडल–सेक्टर अधिकारी, नामांकन–काउंटिंग सेंटर, स्ट्रांग रूम बनेंगे। पोलिंग स्टेशनों पर सभी व्यवस्था सुनिश्चित होगी। नगर निगम कर्मी व अधिकारी उपस्थित रहे।

एसपी ने केरामेरी व अनारपल्ली में सीसीटीवी का उद्घाटन किया, 50 हेलमेट वितरित

आसिफाबाद, 12 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। पुलिस आपके लिए है कार्यक्रम के तहत जिला एसपी नितिका पंत आईपीएस व एएसपी चित्तरंजन आईपीएस ने केरामेरी मंडल केंद्र व अनारपल्ली गांव में सीसीटीवी कैमरों का उद्घाटन किया। ये कैमरे महाराष्ट्र सीमावर्ती क्षेत्रों की निगरानी करेंगे। ग्रामीणों को दोपहिया वाहनों के लिए 50 हेलमेट व युवाओं को वॉलीबॉल किट वितरित की गई।

एसपी ने कहा कि सीसीटीवी अपराध रोकने व संदिग्धों की पहचान में सहायक होंगे। ग्रामीणों–व्यापारियों से गांवों में कैमरे लगवाने की अपील की। हेलमेट अनिवार्य बताते हुए शराबबंदी, गति सीमा व यातायात नियम पालन पर जोर दिया। युवाओं को खेलों के प्रति प्रोत्साहित किया।

वांकिडी सीआई सत्यनारायण, केरामेरी एसआई मधुकर, जनप्रतिनिधि, पुलिसकर्मी व ग्रामीण उपस्थित रहे।

गुजरात जायंट्स से मिली करीबी हार पर दिल्ली की तेज गेंदबाज नंदिनी शर्मा ने कहा–हम आखरी गेंद तक मुकाबले में बने रहे

मुंबई,12 जनवरी (एजेंसियां)।

जेएसडब्ल्यू और जीएमआर की सह–मालिकाना वाली दिल्ली कैपिटल्स ने महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) 2026 के अपने दूसरे मुकाबले में ज़बरदस्त आलराउंड प्रदर्शन किया, लेकिन रविवार को डा. डीवाई पाटिल स्पोर्ट्स अकादमी में गुजरात जायंट्स के खिलाफ़ चार रन से हार का सामना करना पड़ा।

210 रन के बड़े लक्ष्य का पीछा करते हुए दिल्ली कैपिटल्स की टीम 20 ओवर में 5 विकेट पर 205 रन ही बना सकी और आखरी गेंद तक मुकाबले में बनी रही। लक्ष्य का पीछा करते हुए लिज़ेल ली ने 54 गेंदों पर 86 रन की शानदार पारी खेली, जबकि लारा वोल्वार्ड्ट ने 38 गेंदों में तेज़तर्रार 77 रन बनाए।

इससे पहले दिल्ली कैपिटल्स की गेंदबाज़ी का नेतृत्व युवा तेज़ गेंदबाज़ नंदिनी शर्मा ने किया, जिन्होंने 33 रन देकर 5 विकेट लिए। डब्ल्यूपीएल में अपना महज़ दूसरा मुकाबला खेल रहीं नंदिनी ने इतिहास रचते हुए टूर्नामेंट में हैट्रिक लेने वाली पहली अनकैप्ड भारतीय खिलाड़ी बनने का गौरव हासिल किया। इसके साथ ही वह डब्ल्यूपीएल में पांच विकेट लेने वाली पहली भारतीय गेंदबाज़ भी बनीं। नंदिनी ने पारी के अंतिम ओवर में चार विकेट झटकते हुए गुजरात की पारी पर लगाम कस दी। करीबी मुकाबले पर प्रतिक्रिया देते हुए नंदिनी शर्मा ने फ्रेंचाइजी की ओर से जारी बयान में कहा, हम आख़िरी गेंद तक मुकाबले में बने रहे। सभी खिलाड़ियों ने अपना सर्वश्रेष्ठ दिया और हम जीत के बहुत क़रीब थे। क्रिकेट में ऐसी चीज़ें होती रहती हैं, लेकिन जिस तरह से टीम ने संघर्ष किया, वह बहुत सकारात्मक था। मैदान पर कप्तान जेमिमा रोड्रिग्स से मिले सहयोग को लेकर नंदिनी ने कहा, जेमी मुझे लगातार अपना सर्वश्रेष्ठ देने के लिए कह रही थीं। वह हर गेंद पर मुझे गाइड कर रही थीं, जिससे मुझे काफ़ी मदद मिली और मैं शांत रह पाई। टीम के अनुभवी खिलाड़ियों से मिले मार्गदर्शन पर बात करते हुए उन्होंने कहा, मारीज़ान काप ने मेरी बहुत मदद की है। वह पिच, मैच की स्थिति और किस लेंथ पर गेंदबाज़ी करनी है, इस बारे में मुझसे बात करती हैं। इतने अनुभवी खिलाड़ी का साथ होना चीज़ों को आसान बना देता है। अपने क्रिकेट सफ़र के बारे में नंदिनी ने कहा, मेरे बड़े भाई क्रिकेट खेलते थे और रोज़ अकादमी जाते थे, वहीं से मैंने भी शुरुआत की। मैं आठ साल की उम्र में जुड़ी, लेकिन छोटी होने की वजह से शुरुआत में ज़्यादा मौके नहीं मिले। कुछ समय के लिए मैंने खेल छोड़ दिया, लेकिन छह महीने बाद फिर से शुरू किया। बाद में एक कोच के साथ अभ्यास किया, जिन्होंने मुझे ख़ास तौर पर बाउंसर डालना सिखाया। लाकडाउन के बाद मैंने कोच बदला और लड़कों के साथ खेलना शुरू किया। वे गेंद को आसानी से खेल लेते थे, जिससे मुझे अपनी गति और वैरिएशंस पर काम करने की ज़रूरत महसूस हुई। पिछले एक साल से मैं ज़्यादातर अपने माता–पिता और भाई के साथ अभ्यास कर रही हूं और उन्होंने मुझे भरपूर समय और समर्थन दिया है। इस स्तर पर मिलने वाली सीख पर उन्होंने कहा, यहां बल्लेबाज़ अच्छी गेंदों पर भी शाट खेल लेते हैं, इसलिए आपको शांत रहकर अपने एग्ज़ीक्यूशन पर ध्यान देना होता है।

न्यूज़ ब्रीफ

आस्ट्रेलियन ओपन से पहले लगातार हार पर स्वियातेक बोलीं-किसी तरह की चिंता नहीं है, सब कुछ ठीक है

सिडनी। आस्ट्रेलियन ओपन 2026 से ठीक पहले लगातार दो मुकाबले हारने के बावजूद वर्ल्ड नंबर–2

इगा स्वियातेक ने कहा है कि उन्हें किसी तरह की चिंता नहीं है और सब कुछ ठीक है। पोलैंड की स्टार खिलाड़ी ने माना कि उनका शरीर काफी थका हुआ और सुपर सोर है, लेकिन वह सीजन के पहले ग्रैंड स्लैम से पहले पूरी तरह उबरने को लेकर आश्वस्त हैं। स्वियातेक को रविवार को सिडनी में खेले गए यूनाइटेड कप फाइनल में स्विट्ज़रलैंड की बेलिंडा बेंचिच के खिलाफ 6–3, 0–6, 3–6 से हार का सामना करना पड़ा। इससे पहले सेमीफाइनल में उन्हें कोको गाफ ने 4–6, 2–6 से मात दी थी। बेंचिच के खिलाफ मुकाबले में स्वियातेक पूरी तरह लय से बाहर नजर आईं। उन्होंने लगातार सात गेम गंवाए, जिसमें एक दुर्लभ लव सेट भी शामिल रहा। मैच के अंत में रैकेट फेंकना और उनकी आंखों में आंसू उनकी निराशा को साफ दर्शा रहे थे। यह प्रदर्शन छह बार की ग्रैंड स्लैम चैंपियन स्वियातेक के लिए असामान्य रहा, जो आमतौर पर लगातार मैच नहीं हारतीं। हालांकि, टीम इवेंट के रूप में खेले गए इस टूर्नामेंट में पोलैंड ने 2–1 से खिताब अपने नाम किया, जब कातार्ज़ीना कावा और जान ज़िलिंस्की ने निर्णायक मिक्स्ड डबल्स मुकाबला जीत लिया। फाइनल के बाद स्वियातेक ने एक आधिकारिक बयान में कहा, सब कुछ ठीक है। बस शरीर बहुत ज्यादा थका हुआ है। साल का पहला टूर्नामेंट होता है, तो शरीर पर इसका असर थोड़ा अलग पड़ता है। पिछले साल भी ऐसा अनुभव हुआ था। मैं कुछ दिन आराम करूंगी और रिकवरी पर ध्यान दूंगी। उन्होंने टीम इवेंट्स को लेकर भी ईमानदारी से बात की। उन्होंने कहा, मुझे ये टीम टूर्नामेंट पसंद हैं, लेकिन ये काफी ऊर्जा ले लेते हैं। भविष्य में मुझे इन्हें बेहतर तरीके से संतुलित करना सीखना होगा।

तेलंगाना में 58वीं सीनियर नेशनल खो-खो चैंपियनशिप का भव्य आगाज, 1,400 से अधिक एथलीट ले रहे हैं हिस्सा

नई दिल्ली/काजीपेट (तेलंगाना)। तेलंगाना के काजीपेट स्थित रेलवे स्टेडियम में रविवार को 58वीं सीनियर नेशनल खो–खो चैंपियनशिप (पुरुष एवं महिला) 2025–26 का शानदार शुभारंभ हुआ। इस प्रतिष्ठित राष्ट्रीय प्रतियोगिता में देशभर से 1,400 से अधिक खिलाड़ी भाग ले रहे हैं। उद्घाटन समारोह बेहद भव्य रहा, जिसमें टीमों की परेड, अनुशासित एनसीसी मार्च–पास्ट और रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने दर्शकों का मन मोह लिया। तेलंगाना खो–खो एसोसिएशन और आयोजन से जुड़े सभी अधिकारियों की सराहना करते हुए केकेएफआई अध्यक्ष सुधांशु मित्तल ने कहा, इतनी बड़ी भागीदारी के साथ इस तरह का भव्य सीनियर नेशनल्स आयोजन देखकर मुझे बेहद खुशी हो रही है। देश के हर कोने से खिलाड़ी यहां पहुंचे हैं। हर खो–खो खिलाड़ी की आंखों में अपने खेल को नई ऊंचाइयों तक ले जाने का सपना है। हमारा लक्ष्य 2030 के राष्ट्रमंडल खेलों में खो–खो को शामिल कराना है और हम इस सपने को जरूर साकार करेंगे। खेल मंत्री वाकिटी श्रीहरि ने आयोजन की प्रशंसा करते हुए कहा, इस शानदार आयोजन को देखकर ऐसा लगता है जैसे मैं दिल्ली में बैठा हूं, काजीपेट में नहीं। देश के हर हिस्से से टीमों की भागीदारी यह दर्शाती है कि खो–खो कितनी तेजी से आगे बढ़ रहा है।

जब जरुरत होती है विराट मजबूती से खड़े रहते है : युवराज

नई दिल्ली। भारतीय टीम के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली ने न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले वनडे में 93 रनों

की पारी खेली। विराट इस मैच में केवल 7 रनों से अपना शतक पूरा नहीं कर पाये। इससे विराट के प्रशंसकों के साथ ही पूर्व आलराउंडर युवराज सिंह भी खासे निराश हुए। युवराज ने इसी को लेकर सोशल मीडिया में लिखा, बहुत बढ़िया खेला विराट आज जब जरुरत होती है मज़बूती से खड़े रहते हैं और टीम को आगे बढ़ाते हैं भाग्य के साथ नहीं देने से शतक नहीं बना पाये। वनडे क्रिकेट में यह 7वां मौका था जब विराट कोहली नर्वस 90 में आउट हुए हो। दो–दो बार वह वेस्टइंडीज, आस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड के खिलाफ तो एक बार बांग्लादेश के खिलाफ 90 से अधिक रन बनाकर शतक से रह गये। विराट ने अपनी इस पारी के दौरान कई रिकार्ड अपने नाम किए। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे तेज 28 हजार रन का आंकड़ा हासिल किया। वहीं अब अब क्रिकेट के इतिहास में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले दूसरे बल्लेबाज बन गए हैं। उन्होंने इस सूची में श्रीलंका के कुमार संगाकारा को पीछे छोड़ा है।

सीरी ए : मैकटोमिने के दो गोल से नापोली ने इंटर के खिलाफ खेला ड्रा

मिलान,12 जनवरी (एजेंसियां)।

मिलान के सान सिरो स्टेडियम में खेले गए सीरी ए के शीर्ष मुकाबले में डिफेंडिंग चैंपियन नापोली ने शानदार जज्बा दिखाते हुए लीग लीडर इंटर मिलान के खिलाफ 2–2 से ड्रा हासिल किया। नापोली के लिए स्काट मैकटोमिने ने दोनों गोल दागे, जबकि टीम के मुख्य कोच एंतोनियो कान्टे को रेफरी से बहस के चलते रेड कार्ड का सामना करना पड़ा।

इस ड्रा के साथ इंटर मिलान के 43 अंक हो गए हैं और वह तालिका में शीर्ष पर बना हुआ है। दूसरे स्थान पर मौजूद एसी मिलान के 40 अंक हैं, जिसने इससे पहले फियोरेंटीना के साथ 1–1 से ड्रा खेला था। नापोली 39 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर है और खिताबी दौड़ में बना हुआ है।

मैच की शुरुआत में नापोली ने दबाव बनाया, लेकिन नौवें मिनट में इंटर ने बढ़त हासिल कर ली। मिडफील्ड में गेंद गंवाने के बाद मार्कस थुराम गेंद लेकर आगे बढ़े और बाक्स में फेडेरिको डिमार्को को पास दिया, जिन्होंने तीखे एंगल से लो शाट लगाकर गेंद को दूर कोने में पहुंचा दिया।

इसके बाद इंटर ने हाई प्रेसिंग शुरू की और नापोली को लंबे समय तक अपने ही हाफ में रोके रखा। हालांकि 26वें मिनट में नापोली ने अचानक बराबरी हासिल कर ली। लियोनार्डो स्पिनात्ज़ोला के पास पर एल्जिफ़ एल्मास बाक्स में पहुंचे और उनकी लो क्रास को मैकटोमिने ने नज़दीकी पोस्ट पर मैनुएल अकांजी से आगे निकलते हुए यान सोमर को छकाकर गोल में बदल दिया।

हाफटाइम से ठीक पहले थुराम का हेडर गोलकीपर वान्या मिलिनकोविच–साविच ने टिप कर दिया और दोनों टीमें 1–1 की बराबरी पर ब्रेक तक पहुंचीं।

दूसरे हाफ में नापोली के पास बढ़त लेने के मौके आए। मिलिनकोविच–साविच के लंबे क्लीयरेंस पर रासमस होयलुंड गोल की ओर बढ़े लेकिन उनका शाट मामूली अंतर से बाहर चला गया। वहीं स्पिनात्ज़ोला के क्रास पर कप्तान जियोवानी डी लोरेन्जो का हेडर भी लक्ष्य से चूक गया।

इन चूके हुए मौकों का खामियाजा नापोली को तब भुगतना पड़ा जब इंटर को पेनल्टी मिली। अमीर रहमानी के हेनरिक मखितार्यान पर फाउल के बाद दिए गए फैसले पर नाराजगी जताने के चलते नापोली के कोच एंतोनियो कान्टे को रेड कार्ड दिखाया गया। हाकान चालहानोग्लू ने 73वें मिनट में पेनल्टी को पोस्ट से टकराते हुए गोल में बदल दिया और इंटर फिर 2–1 से आगे हो गया।

लेकिन नापोली ने हार नहीं मानी। मैच के 81वें मिनट में मैटियो पोलितानो के फ्लोटेड क्रास को नोआ लैंग ने बायलाइन से वापस मैदान में डाला और मैकटोमिने ने सिक्स–यार्ड बाक्स के किनारे से शानदार वाली लगाकर स्कोर 2–2 कर दिया।

अतिरिक्त समय में मखितार्यान का डिफ्लेक्टेड शाट पोस्ट से टकराकर वापस आया और इंटर सातवीं लगातार लीग जीत से वंचित रह गया।

इस तरह स्काट मैकटोमिने के दमदार प्रदर्शन की बदौलत नापोली ने सान सिरो में एक अहम अंक हासिल किया और सीरी ए की खिताबी दौड़ को और रोमांचक बना दिया।

रोहित एकदिवसीय में सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले खिलाड़ी बने, गेल को पीछे छोड़ा

वडोदरा। भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा ने न्यूजीलैंड के खिलाफ यहां पहले ही एकदिवसीय क्रिकेट मैच में दो छक्के लगाते ही एक बड़ा रिकार्ड अपने नाम कर लिया। अब रोहित एकदिवसीय में सबसे अधिक 329 छक्के लगाने वाले खिलाड़ी बन गये हैं। इससे पहले ये रिकार्ड वेस्टइंडीज के विस्फोटक बल्लेबाज क्रिस गेल के नाम था, गेल ने 328 छक्के लगाये थे। पहले एकदिवसीय में भारतीय टीम ने 301 रनों का लक्ष्य हासिल करते हुए जीत दर्ज की थी। रोहित ने इस मैच में पहले और दूसरे ओवर में दो छक्के लगाकर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अपने 650 छक्के भी पूरे किये। ये उपलब्धि हासिल करने वाले वह पहले खिलाड़ी हैं। रोहित हालांकि बड़ी पारी नहीं खेल पाये और 9वें ओवर में काइल जैमीसन की गेंद पर पेवेलियन लौट गए। उन्होंने 29 गेंदों में तीन चौके और दो छक्के लगाकर 26 रन बनाए। रोहित के नाम अब एकदिवसीय में सलामी बल्लेबाज के तौर पर 329 छक्के हो गये हैं। वहीं दूसरे नंबर पर खिसके गेल को पीछे छोड़ दिया है, जिनके नाम 328 छक्के हैं। वहीं गत वर्ष उन्होंने एकदिवसीय में सबसे ज्यादा छक्कों का शाहिद अफरीदी का रिकार्ड भी तोड़ा था।

पूर्व वर्ल्ड नंबर-3 मिलोस राओनिक ने पेशेवर टेनिस से लिया संन्यास

सिडनी,12 जनवरी (एजेंसियां)।

कनाडा के पूर्व विश्व नंबर–3 टेनिस खिलाड़ी मिलोस राओनिक ने रविवार को 35 वर्ष की उम्र में पेशेवर टेनिस से संन्यास लेने की घोषणा कर दी। अपनी जबरदस्त सर्विस के लिए मिसाइल के नाम से मशहूर राओनिक ने करीब डेढ़ दशक लंबे करियर में आठ एटीपी टूर खिताब जीते और 2 करोड़ अमेरिकी डालर से अधिक की इनामी राशि अर्जित की।

राओनिक के करियर का सर्वश्रेष्ठ दौर वर्ष 2016 में रहा, जब उन्होंने आस्ट्रेलियन ओपन के सेमीफाइनल और विंबलडन के फाइनल में जगह बनाई। हालांकि, दोनों ही मुकाबलों में उन्हें ब्रिटेन के एंडी मरे से हार का सामना करना पड़ा।

सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर अपने संन्यास की घोषणा करते हुए राओनिक ने लिखा, यह वह पल है जिसके आने का आपको एहसास होता है लेकिन आप कभी इसके लिए पूरी तरह तैयार नहीं होते। यह जितना तैयार मैं हो सकता था, उतना ही है। टेनिस मेरे जीवन का सबसे बड़ा प्यार और जुनून रहा है।

उन्होंने कहा, मैं खुद को बेहद भाग्यशाली मानता हूं कि मुझे अपने सपनों को जीने और पूरा करने का मौका मिला। हर दिन बेहतर बनने पर ध्यान देना और देखना कि यह मुझे कहां तक ले जाता है– यही मेरी जिंदगी रही। पूर्व यूगोस्लाविया में 1990 के दशक की शुरुआत में जन्मे राओनिक महज तीन साल की उम्र में अपने परिवार के साथ कनाडा चले गए थे। उन्होंने 2008 में पेशेवर टेनिस में कदम रखा और 2011 में पैसिफिक कोस्ट चैंपियनशिप जीतकर अपना पहला एटीपी खिताब हासिल किया, जहां उन्होंने फाइनल में फर्नांडो वर्दास्को को हराया। राओनिक 2013 से 2020 के बीच चार बार मास्टर्स 1000 टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंचे लेकिन खिताब जीतने से चूक गए। इनमें पहला फाइनल कनाडियन ओपन में राफेल नडाल के खिलाफ था, जबकि बाकी तीन फाइनल में उन्हें नोवाक जोकोविच से हार मिली। 2020 सिनसिनाटी मास्टर्स में जोकोविच के खिलाफ खेला गया फाइनल उनके करियर का आखिरी एटीपी फाइनल साबित हुआ। उनका आखिरी टूर–स्तरीय मुकाबला 2024 पेरिस ओलंपिक में रहा, जहां पहले दौर में उन्हें जर्मनी के डोमिनिक कोएफर से हार का सामना करना पड़ा।

बार्सिलोना ने रियल मैड्रिड को हराकर स्पेनिश सुपर कप का खिताब जीता

जेद्दा। जेद्दा के किंग अब्दुल्ला स्पोर्ट्स सिटी स्टेडियम में रविवार रात खेले गए स्पेनिश सुपर कप 2026 के फाइनल में बार्सिलोना ने रोमांचक मुकाबले में रियल मैड्रिड को 3–2 से हराकर खिताब अपने नाम कर लिया। इस जीत के हीरो रहे राफिन्हा, जिन्होंने दो शानदार गोल दागे। मैच की शुरुआत दोनों टीमों के बीच संतुलित रही, लेकिन पहले हाफ के अंतिम 10 मिनटों में मुकाबला पूरी तरह रोमांच से भर गया। 36वें मिनट में राफिन्हा ने बाक्स में घुसकर शानदार लो शाट लगाते हुए बार्सिलोना को बढ़त दिलाई। पहले हाफ के स्टापेज टाइम के दूसरे मिनट में रियल मैड्रिड ने जोरदार वापसी की। विनीसियस जूनियर ने हाफवे लाइन के पास से गेंद लेकर तेज दौड़ लगाई, दो डिफेंडरों को छकाया और बेहतरीन फिनिश के साथ स्कोर 1–1 कर दिया। हालांकि, बार्सिलोना ने दो मिनट के भीतर फिर बढ़त हासिल कर ली। राबर्ट लेवांडोव्स्की को पेनल्टी एरिया में जगह मिली और उन्होंने खूबसूरत चिप शाट के जरिए टीम को 2–1 से आगे कर दिया। लेकिन पहले हाफ का ड्रामा यहीं खत्म नहीं हुआ। रियल मैड्रिड के कार्नर पर राफिन्हा ने गोललाइन क्लियरेंस किया, मगर गोंजालो गार्सिया ने रिबाउंड पर शाट मारा, जो क्रासबार से टकराकर गोललाइन के अंदर चला गया और स्कोर 2–2 हो गया।

न्यूज़ीलैंड वनडे सीरीज से बाहर हुए वाशिंगटन सुंदर, आयुष बडोनी को मिला मौका

नई दिल्ली,12 जनवरी (एजेंसियां)।

न्यूज़ीलैंड के खिलाफ चल रही वनडे सीरीज के बीच भारतीय टीम को बड़ा झटका लगा है। आलराउंडर वाशिंगटन सुंदर चोट के कारण शेष दो वनडे मैचों से बाहर हो गए हैं। बीसीसीआई के अनुसार, वडोदरा के बीसीए स्टेडियम में खेले गए पहले वनडे के दौरान गेंदबाजी करते समय सुंदर की बाईं निचली पसली के हिस्से में अचानक दर्द हुआ।

चोट लगने के बाद सुंदर ने केवल पांच ओवर ही गेंदबाजी की और इसके बाद मैदान छोड़ना पड़ा। वह न्यूज़ीलैंड की पारी के दौरान दोबारा फील्डिंग के लिए नहीं उतर सके, जिसके चलते भारतीय पारी में केवल एक ही गेंदबाज अपना पूरा 10 ओवर का कोटा पूरा कर पाया।

हालांकि, 301 रनों के लक्ष्य का पीछा करते समय हर्षित राणा के आउट होने के बाद सुंदर को मजबूरी में नंबर 8 पर बल्लेबाजी के लिए उतरना पड़ा। साफ तौर पर असहज दिख रहे सुंदर ने एक छोर संभाले रखा, जबकि केएल राहुल ने पारी को संभालते हुए अंतिम से पहले ओवर में भारत को जीत दिलाई।

बीसीसीआई ने बताया कि सुंदर की चोट की आगे स्कैन जांच की जाएगी, जिसके बाद मेडिकल टीम विशेषज्ञों की राय लेगी। फिलहाल उन्हें आईडीएफसी फर्स्ट बैंक वनडे सीरीज के शेष दोनों मुकाबलों से बाहर कर दिया गया है। इसके साथ ही न्यूज़ीलैंड के खिलाफ होने वाली पांच मैचों की टी20 सीरीज में उनकी उपलब्धता भी संदेह में है। शुरुआती टी20 मैचों में उनका खेलना मुश्किल माना जा रहा है।

यह चोट ऐसे समय पर आई है जब भारतीय टीम पहले से ही तिलक वर्मा के बिना पहले तीन टी20 मैच खेलने जा रही है। तिलक के बाहर होने और सुंदर की फिटनेस को लेकर अनिश्चितता ने आगामी मेंस टी20 वर्ल्ड कप से पहले टीम प्रबंधन की चिंता बढ़ा दी है। भारत 7 फरवरी से मुंबई में अपने टी20 वर्ल्ड कप अभियान की शुरुआत करेगा।

इस बीच, पुरुष चयन समिति ने वाशिंगटन सुंदर के स्थान पर आयुष बडोनी को टीम में शामिल किया है। बडोनी दूसरे वनडे से पहले राजकोट में टीम से जुड़ेंगे। यह बडोनी का वनडे टीम में पहला मौका है।

दूसरे और तीसरे वनडे के लिए भारत की अपडेटेड टीम-

शुभमन गिल (कप्तान), रोहित शर्मा, विराट कोहली, केएल राहुल (विकेटकीपर), श्रेयस अय्यर (उपकप्तान), रवींद्र जडेजा, मोहम्मद सिराज, हर्षित राणा, प्रसिद्ध कृष्णा, कुलदीप यादव, नितीश कुमार रेड्डी, अर्शदीप सिंह, यशस्वी जायसवाल, ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), आयुष बडोनी।

आस्ट्रेलियन ओपन 2026 ड्रा से पहले एटीपी रैंकिंग में अल्कराज-सिनर शीर्ष पर बरकरार

नई दिल्ली,12 जनवरी (एजेंसियां)।

मेलबर्न में होने वाले आस्ट्रेलियन ओपन 2026 के ड्रा से पहले सोमवार को ताज़ा एटीपी रैंकिंग जारी कर दी गई है। स्पेन के कार्लोस अल्कराज और इटली के जैनिक सिनर ने क्रमश: पहले और दूसरे स्थान पर अपनी स्थिति बरकरार रखी है। यही रैंकिंग आस्ट्रेलियन ओपन 2026 के ड्रा के लिए इस्तेमाल की जाएगी, जिसका आयोजन गुरुवार को होगा।

अल्कराज और दो बार के डिफेंडिंग चैंपियन सिनर को ड्रा में अलग–अलग हाफ में रखा जाएगा, ठीक वैसे ही जैसे पिछले चार ग्रैंड स्लैम में देखने को मिला है। दिलचस्प बात यह है कि दोनों खिलाड़ियों ने इस सीज़न में अब तक कोई प्रतिस्पर्धी मैच नहीं खेला है। हालांकि, शनिवार को दक्षिण कोरिया के इंचियोन में एक एग्ज़ीबिशन मैच में दोनों आमने–सामने आए थे।

बब्लिक की टाप–10 में एंट्री

अन्य प्रमुख बदलावों की बात करें तो कज़ाख़स्तान के अलेक्जेंडर बब्लिक ने हांगकांग ओपन का खिताब जीतकर पहली बार एटीपी टाप–10 में जगह बना ली है। फाइनल में उन्होंने इटली के लोरेन्जो मुसेत्ती को सीधे सेटों में हराया। 28 वर्षीय बुब्लिक ने अपने करियर का नौवां खिताब जीता और एक स्थान की छलांग लगाकर 10वें नंबर पर पहुंच गए। फाइनल में हार के बावजूद मुसेत्ती को फायदा हुआ और वह दो स्थान ऊपर चढ़कर करियर की सर्वश्रेष्ठ 5वीं रैंकिंग पर पहुंच गए। उन्होंने कनाडा के फेलिक्स आगर–अलियासिम से यह स्थान छीना।

एटीपी टाप–10 रैंकिंग (अंक सहित)

- 1. कार्लोस अल्कराज (स्पेन) – 12,050
- 2. जैनिक सिनर (इटली) – 11,500
- 3. अलेक्जेंडर ज्वेरेव (जर्मनी) – 5,105
- 4. नोवाक जोकोविच (सर्बिया) – 4,780
- 5. लोरेन्जो मुसेत्ती (इटली) – 4,105

- 6. एलेक्स डी मिनार (आस्ट्रेलिया) – 4,080
- 7. फेलिक्स आगर–अलियासिम (कनाडा) – 3,990
- 8. बेन शेल्टन (अमेरिका) – 3,960
- 9. टेलर फ्रिट्ज़ (अमेरिका) – 3,840
- 10. अलेक्जेंडर बब्लिक (कज़ाख़स्तान) – 3,065

अन्य अहम बदलाव

ब्रिस्बेन में अपना 22वां करियर खिताब जीतने वाले डेनिल मेदवेदेव एक स्थान ऊपर चढ़कर 12वें नंबर पर पहुंच गए हैं। वहीं, उपविजेता ब्रैंडन नकाशिमा चार स्थान की छलांग लगाकर अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ 29वीं रैंकिंग पर लौट आए।

लंबी चोट के बाद वापसी करते हुए यूनाइटेड कप में अपनी टीम को खिताब दिलाने वाले पोलैंड के ह्यूबर्ट हर्काच ने 30 स्थान की बड़ी छलांग लगाकर 53वां स्थान हासिल किया। बेल्जियम के राफेल कोलिग्नन 12 स्थान ऊपर चढ़कर 72वें नंबर पर पहुंचे, जो उनकी अब तक की सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग है।

टाप–100 में फ्रांस के आर्थर रिंडरकनेश (26), अमेरिका के अलेक्जेंडर कोवाचेविच (54), पोलैंड के कामिल माजचर्ज़ाक (58), बेल्जियम के अलेक्जेंडर ब्लाक्स (95) और पेरू के इग्नासियो बुसे (99) ने भी करियर–हाई रैंकिंग हासिल की।

भारतीय खिलाड़ियों की मौजूदा एटीपी रैंकिंग

डबल्स

- युकी भांबरी – 21
- एन. श्रीराम बालाजी – 82 (–1)
- अनिरुद्ध चंद्रशेखर – 92 (–4)
- रित्विक चौधरी बोल्लीपल्ली – 94 (–3)
- एन. विजय सुंदर प्रशांत – 109 (–2)
- निकी पूनाचा – 145 (+7)
- सिद्धांत बंथिया – 155 (–5)
- रामकुमार रामनाथन – 160 (–3)
- अर्जुन कढ़े – 183 (–2)
- जीवन नेदुंचेझियन – 187 (–9)

सिंगल्स

- सुमित नागल – 279 (–4)
- आर्यन शाह – 394 (+4)
- धक्षिणेश्वर सुरेश – 468 (+53)
- करण सिंह – 470 (–4)
- मानव धामने – 499 (+57)।

साल 1997 में बर्बादी की कगार पर खड़ी थी एप्पल कंपनी

न्यूयार्क,12 जनवरी (एजेंसियां)। **बेहद कम लोगों को मालूम होगा कि साल 1997 में आईफोन बनाने वाली एप्पल कंपनी के पास मुश्किल से 90 दिनों का कैश बचा था। अगर हालात नहीं बदलते, तो शायद आज न आईफोन होता और न ही मैकबुक। ऐपल कंपनी आज भले ही दुनिया की सबसे मूल्यवान कंपनियों में शुमार हो, लेकिन एक दौर ऐसा भी था जब यह पूरी तरह बर्बादी के कगार पर खड़ी थी।**

ऐसे नाजुक समय में ऐपल के ऑफिस में एक अहम मीटिंग चल रही थी। तभी उस शख्स की एंट्री हुई, जिसे 12 साल पहले उसी की बनाई कंपनी से बाहर कर दिया गया था स्टीव जॉब्स। मीटिंग रूम में दर्जनों प्रोडक्ट्स की लिस्ट पड़ी थी। इंजीनियर और मैनेजर अपने-अपने आइडिया लेकर तैयार थे। लेकिन स्टीव जॉब्स ने किसी की नहीं सुनी। उन्होंने बोर्ड पर एक बड़ा सा 'एक्स' बनाया और साफ शब्दों में कहा कि हमें इस सारे कचरे की जरूरत नहीं है।

उन्होंने ऐलान किया कि ऐपल अब सिर्फ चार प्रोडक्ट्स बनाएगा। उस वक्त लोगों को यह फैसला पागलपन लगा, लेकिन यही कदम आगे चलकर ऐपल को ट्रिलियन डॉलर की कंपनी बनाने की नींव बना। स्टीव जॉब्स की सफलता के पीछे कोई रॉकेट साइंस नहीं था। उन्होंने बस भीड़ से अलग सोचने की हिम्मत दिखाई। उनका मानना था कि ज्यादा फीचर्स नहीं, बल्कि बेहतर अनुभव जरूरी है। यही सोच आगे चलकर ऐपल की पहचान बन गई। स्टीव का बचपन साधारण था। उन्हें गोद लिया गया था। कॉलेज की पढ़ाई बीच में छोड़ दी, लेकिन सीखना नहीं छोड़ा। उन्होंने कैलीग्राफी सीखी, जिसे लोग बेकार मानते थे, लेकिन यही कला यादगार फोंट्स के रूप में मैक कंप्यूटर की जान बनी। स्टीव जॉब्स ने अपने दोस्त स्टीव वोजनिएक के साथ एक गैरेज से ऐपल की शुरुआत की थी। उनका सपना था कि कंप्यूटर सिर्फ दफ्तरों तक सीमित न रहें, बल्कि आम लोगों तक पहुंचें। ऐपल 1 और ऐपल 2 ने बाजार में हलचल मचा दी। लेकिन काम को लेकर स्टीव की सनक और टकराव भरे रवैये के कारण 1985 में उन्हें अपनी ही कंपनी से बाहर कर दिया गया। यह उनके लिए बड़ा झटका था, लेकिन उन्होंने हार नहीं मानी। इसके बाद उन्होंने नेक्स्ट कंपनी बनाई और पिक्सर को खरीदा, जिसने एनिमेशन की दुनिया बदल दी। उधर, स्टीव के बिना ऐपल भ्रम और असफलताओं में फंसती चली गई। जब हालात बिगड़े, तो ऐपल ने नेक्स्ट को खरीद लिया और स्टीव जॉब्स की वापसी हुई। लौटते ही स्टीव ने 70 फीसदी प्रोडक्ट्स बंद कर दिए और सादगी को अपना मंत्र बनाया। इसी सोच से आईमैक, आईपॉड और फिर 2007 में आईफोन जन्मा, जिसने मोबाइल की परिभाषा बदल दी।

न्यूज ब्रीफ

गूगल ने जीमेल में शुरू किए जेमिनी आधारित नए एआई फीचर

सैन फ्रांसिस्को। गूगल ने अपने ईमेल प्लेटफॉर्म जीमेल में जेमिनी तकनीक पर आधारित नए एआई फीचर एआई इनबॉक्स शुरू करने का ऐलान किया है। इस नए फीचर्स का उद्देश्य यूजर्स को ज्यादा उपयोगी और व्यक्तिगत अनुभव देना है। कंपनी ने कहा है कि ये नए फीचर फिलहाल अमेरिका में जीमेल यूजर्स के साथ-साथ गूगल एआई प्रो और अल्ट्रा सब्सक्राइबर्स के लिए शुरू हुआ हैं। जीमेल के प्रोडक्ट वाइस प्रेसिडेंट ब्लेक बार्न्स ने बताया कि अभी ये फीचर्स अंग्रेजी भाषा में उपलब्ध हैं और आने वाले महीनों में हम इन्हें दूसरी भाषाओं और देशों में भी लांच करने वाले हैं।
एआई इनबॉक्स एक तरह से व्यक्तिगत ब्रीफिंग की तरह काम करता है, जो यूजर्स को जरूरी कामों की याद दिलाकर महत्वपूर्ण ईमेल को सामने लाता है। यह फीचर उन लोगों के ईमेल को प्राथमिकता देता है जिनसे आप अक्सर बात करते हैं, जो आपके कॉन्टेक्ट सूची में हैं या जिन लोगों से आपके संबंध महत्वपूर्ण हैं। गूगल ने बताया कि यह सारा विश्लेषण पूरी सुरक्षा और गोपनीयता के साथ होता है और यूजर्स का डेटा पूरी तरह उसके नियंत्रण में रहता है। फिलहाल इस फीचर को कुछ चुनिंदा यूजर्स के लिए उपलब्ध कराया गया है। जब आप कई जवाबों वाला कोई ईमेल खोलते हैं, तब जीमेल उस पूरी बातचीत को कुछ मुख्य बिंदुओं के संक्षिप्त सारांश में बदल देगा, जिससे यूजर को जल्दी समझ आ जाएगा कि बातचीत में क्या जरूरी बातें हुई हैं। इसके अलावा, अगर यूजर अपने इनबॉक्स से कोई सवाल पूछता है, तब जेमिनी एआई उसकी मदद से सीधा और आसान उत्तर देगा। यह सुविधा सभी यूजर्स के लिए बिना किसी शुल्क के उपलब्ध कराई है।

मुकेश अंबानी ने गुजरात में की रिलायंस के पांच बड़े कमिटमेंट्स की घोषणा

मुंबई। रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी ने वाइब्रेंट गुजरात रीजनल कॉन्फ्रेंस में गुजरात के

लिए पांच महत्वपूर्ण कमिटमेंट्स की घोषणा की। उन्होंने बताया कि पिछले पांच साल में रिलायंस ने राज्य में 3.5 लाख करोड़ रुपये से अधिक का निवेश किया है और अगले पांच साल में इसे 7 लाख करोड़ रुपये तक दोगुना किया जाएगा। इस निवेश का उद्देश्य बड़े पैमाने पर रोजगार पैदा करना और लोगों की आजीविका को मजबूत करना है। मुकेश अंबानी ने बताया कि जामनगर में दुनिया का सबसे बड़ा इंटीग्रेटेड क्लीन एनर्जी इकोसिस्टम तैयार किया जा रहा है। इसमें सोलर पावर, एनर्जी स्टोरेज, ग्रीन हाइड्रोजन, ग्रीन फर्टिलाइजर, सस्टेनेबल एविएशन और एडवांस्ड मटीरियल्स शामिल होंगे। इस प्रोजेक्ट का उद्देश्य जामनगर को भारत का सबसे बड़ा ग्रीन एनर्जी और ग्रीन मटीरियल्स एक्सपोर्ट हब बनाना है। रिलायंस कच्छ में मल्टी-गीगावॉट, यूटिलिटी-स्केल सोलर प्रोजेक्ट विकसित करेगा। यह प्रोजेक्ट चौबीसों घंटे क्लीन पावर सप्लाई के लिए डिजाइन किया गया है और इसे दुनिया की सबसे बड़ी क्लीन एनर्जी परियोजनाओं में से एक बताया गया है। जामनगर में भारत का सबसे बड़ा एआई-रेडी डेटा सेंटर बनाया जाएगा। जियो लॉन्च करेगा पीपल-फर्स्ट इंटेलिजेंस प्लेटफॉर्म, जो भारत और दुनिया के लिए काम करेगा। इसका उद्देश्य हर भारतीय को अपनी भाषा और डिवाइस पर एआई सेवाओं का उपयोग करने का अवसर देना है। रिलायंस फाउंडेशन प्रधानमंत्री के 2036 ओलंपिक को अहमदाबाद लाने के विजन को समर्थन देगा।

प्रीमियर एनर्जीज 11,000 करोड़ निवेश कर उत्पादन क्षमता बढ़ाएगी

नई दिल्ली। नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र की कंपनी प्रीमियर एनर्जीज अपने घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय बाजार में बढ़ती

मांग को पूरा करने के लिए 11,000 करोड़ रुपये की महत्वाकांक्षी विस्तार योजना तैयार कर रही है। कंपनी वर्तमान में तेलंगाना के हैदराबाद के पास चार इकाइयों से 3.2 गीगावाट सेल और 5.1 गीगावाट मॉड्यूल का उत्पादन करती है। विस्तार के तहत, आंध्र प्रदेश में 7.4 गीगावाट सेल और तेलंगाना में 6 गीगावाट मॉड्यूल क्षमता जोड़ी जाएगी। इस विस्तार के बाद कंपनी की वार्षिक सेल क्षमता 10.6 गीगावाट और मॉड्यूल क्षमता 11.1 गीगावाट तक पहुंच जाएगी। कंपनी ने विस्तार के लिए पिछले साल आईपीओ के माध्यम से 1,300 करोड़ रुपये जुटाए। इसके अलावा इरेडा से 2,200 करोड़ रुपये का ऋण और बाकी राशि आंतरिक स्रोतों से आएगी। कंपनी के एक अधिकारी के अनुसार भारत में कंपनी के पास अगले एक साल के लिए 13,000 करोड़ रुपये के ऑर्डर बुक हैं।

सब्सक्रिप्शन के लिए लॉन्च हुआ नर्मदेश ब्रास का आईपीओ, 15 जनवरी तक लगा सकते हैं बोली

नई दिल्ली,12 जनवरी (एजेंसियां)। **ब्रास मैन्युफैक्चरिंग कंपनी नर्मदेश ब्रास इंडस्ट्रीज का 44.87 करोड़ रुपये का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए लॉन्च कर दिया गया। इस आईपीओ में 15 जनवरी तक बोली लगाई जा सकती है। इश्यू की क्लोजिंग के बाद 16 जनवरी को शेयरों का अलॉटमेंट किया जाएगा, जबकि 19 जनवरी को अलॉटेड शेयर डीमैट अकाउंट में क्रेडिट कर दिए जाएंगे। कंपनी के शेयर 20 जनवरी को बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर लिस्ट हो सकते हैं।**

इस आईपीओ में बोली लगाने के लिए 515 रुपये प्रति शेयर का मूल्य तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 240 शेयर का है। नर्मदेश ब्रास इंडस्ट्रीज के इस आईपीओ में रिटेल इनवेस्टर्स को दो लॉट यानी 480 शेयरों के लिए बोली लगाना होगा, जिसके लिए उन्हें 2,47,200 रुपये का निवेश करना होगा। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले कुल 8,71,200 शेयर जारी हो रहे हैं। इनमें 34 करोड़ रुपये के 6,55,200 नए शेयर और नौ करोड़ रुपये के 1,70,400 शेयर ऑफर फॉर सेल विंडो के जरिये बेचे जा रहे हैं।

इस आईपीओ में रिटेल इनवेस्टर्स के लिए 47.38 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व किया गया है। इसके अलावा नॉन इंस्टीट्यूशनल इनवेस्टर्स (एनआईआई) के लिए भी 47.38 प्रतिशत हिस्सा और मार्केट मेकर्स के लिए 5.24 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व है। इस इश्यू के लिए आर्यमन फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड को बुक रनिंग लीड मैनेजर बनाया गया है, जबकि केफिन टेक्नोलॉजीज लिमिटेड को रजिस्ट्रार बनाया गया है। वहीं जेएंडके सिक्योरिटीज एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड कंपनी का मार्केट मेकर है।

कंपनी की वित्तीय स्थिति की बात करें तो कैपिटल मार्केट रेगुलेटर सेबी के पास जमा कराए गए ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत में उतार-चढ़ाव होता रहा है। वित्त वर्ष 2022-23 में कंपनी को 89 लाख रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था, जो अगले वित्त वर्ष 2023-24 में बढ़ कर 7.10 करोड़ रुपये हो गया। इसके बाद वित्त वर्ष 2024-25 में कंपनी का शुद्ध लाभ घट कर 5.72 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। वहीं, मौजूदा वित्त वर्ष की पहली छमाही यानी अप्रैल से 30 सितंबर 2025 की अवधि में कंपनी को 4.01 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हो चुका है।

इस दौरान कंपनी की राजस्व प्राप्ति में मजबूती बनी रही। वित्त वर्ष 2022-23 में इसे 60.09 करोड़ का कुल राजस्व प्राप्त हुआ, जो वित्त वर्ष 2023-24 में बढ़ कर 79.06 करोड़ और वित्त वर्ष 2024-25 में उछल कर 88.05 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। मौजूदा वित्त वर्ष की पहली छमाही यानी अप्रैल से 30 सितंबर 2025 की अवधि में कंपनी को 34.21 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त हो चुका है।

इस अवधि में कंपनी पर लदे कर्ज के बोझ में लगातार बढ़ोतरी होती गई। वित्त वर्ष 2022-23 के अंत में कंपनी पर 5.94 करोड़ रुपये के कर्ज का बोझ था, जो वित्त वर्ष 2023-24 में बढ़ कर 22.43 करोड़ रुपये और वित्त वर्ष 2024-25 में उछल कर 24.73 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। हालांकि मौजूदा वित्त वर्ष की पहली छमाही यानी सितंबर 2025 के अंत तक कंपनी पर लदे कर्ज का बोझ घट कर 19.21 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया था।

इस अवधि में कंपनी के रिजर्व और सरप्लस में भी बढ़ोतरी हुई। वित्त वर्ष 2023-24 में ये 6.97 करोड़ रुपये के स्तर पर था, जो 2024-25 में बढ़ कर 12.69 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। वहीं, मौजूदा वित्त वर्ष की पहली छमाही यानी अप्रैल से 30 सितंबर 2025 तक ये उछल कर 23.30 करोड़ रुपये के स्तर पर था।

इसी तरह ईबीआईटीडीए (अर्निंग बिफोर इंट्रेस्ट, टैक्सेज, डिप्रेशिएशंस एंड एमॉर्टाइजेशन) 2022-23 में 2.13 करोड़ रुपये के स्तर पर था, जो 2023-24 में बढ़ कर 11.41 करोड़ रुपये हो गया। इसके बाद 2024-25 में कंपनी का ईबीआईटीडीए कम होकर 9.34 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। वहीं मौजूदा वित्त वर्ष की पहली छमाही यानी 30 सितंबर 2025 तक ये 6.24 करोड़ रुपये के स्तर पर रहा।

ऑनलाइन मिठाई ऑर्डर करने पर महिला के साथ हुआ धोखा, हजारों गंवाए

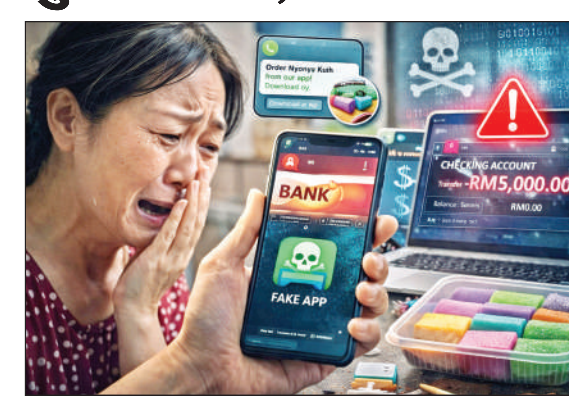

क्वालालंम्पुर,12 जनवरी (एजेंसियां)। मलेशिया के पेनांग में रहने वाली एक महिला ने ऑनलाइन पारंपरिक मिठाई ऑर्डर करने पर साइबर धोखाधडी की शिकार हो गई। एक अनजान व्हाट्सएप लिंक के जरिए ऐप डाउनलोड करना उसकी सबसे बड़ी भूल साबित हुई, जिसके चलते उसके बैंक खाते से एक लाख रुपये से ज्यादा की रकम साफ हो गई। दरअसल, महिला ने किसी वेरिफाइड फूड डिलीवरी प्लेटफॉर्म से ऑर्डर करने की बजाय व्हाट्सएप पर आए एक लिंक पर भरोसा कर लिया। लिंक भेजने वाले ने उसे बताया कि एक खास ऐप डाउनलोड करके वह आसानी से न्योन्या कुइह ऑर्डर कर सकती है। बिना किसी जांच-पड़ताल के महिला ने उस लिंक से ऐप इंस्टॉल कर लिया। ऐप डाउनलोड होने के कुछ ही समय बाद उसके बैंक अकाउंट से आरएम 5,000 यानी भारतीय मुद्रा में करीब 1 लाख 11 हजार रुपये गायब हो गए। जब महिला को इसका अहसास हुआ, तब तक बहुत देर हो चुकी थी। इस घटना के बाद महिला ने पेनांग पुलिस में शिकायत दर्ज करवाई। मामला इतना गंभीर था कि पेनांग के आईपीडी बारत डाया कमर्शियल क्राइम इन्वेस्टिगेशन डिपार्टमेंट के प्रमुख एएसपी देवन रमन ने खुद पीड़िता से मुलाकात की और इस पूरे मामले को लेकर सोशल मीडिया पर एक वीडियो साझा किया। वीडियो में पीड़िता रोते हुए बताती है कि वह सिर्फ स्वादिष्ट पारंपरिक मिठाई खरीदना चाहती थी, लेकिन अब उसके खाते में पैसे नहीं बचे और मानसिक शांति भी छिन गई है। एएसपी देवन रमन ने इस मौके पर चेतावनी दी कि ऐसे स्कैम अब बेहद आम हो गए हैं और लोग थोड़ी सी लापरवाही के चलते बड़ी रकम गंवा रहे हैं। पुलिस अधिकारी के मुताबिक, स्कैमर्स सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर खासतौर पर फेसबुक पर न्योन्या पेस्ट्री जैसे लोकप्रिय खाने के आकर्षक विज्ञापन डालते हैं। इसके बाद वे लोगों से व्हाट्सएप पर संपर्क करते हैं और फर्जी ऐप डाउनलोड करने को कहते हैं। जैसे ही कोई व्यक्ति उस ऐप को इंस्टॉल करता है, स्कैमर्स को फोन की संवेदनशील जानकारियों और बैंक डिटेल्स तक पहुंच मिल जाती है।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

उड़ी उड़ी...

भारत और जर्मनी के बीच द्विपक्षीय व्यापार अब 50 अरब डॉलर के पार पहुंच चुका है और इसे और तेजी से बढ़ाने पर जोर दिया गया। वर्तमान में 2,000 से अधिक जर्मन कंपनियां भारत में सक्रिय हैं। जर्मनी भारत को यूरोप में अपने सबसे भरोसेमंद आर्थिक साझेदारों में देख रहा है, जबकि भारतीय कंपनियों के लिए जर्मनी को यूरोपीय बाजार का प्रवेश द्वार माना जा रहा है।

वैश्विक संतुलन की डोर : रक्षा, ऊर्जा और बहुध्रुवीय संकेत

चांसलर मर्ज ने भारत के साथ सुरक्षा सहयोग बढ़ाने की इच्छा स्पष्ट रूप से जताई। बदलते वैश्विक हालात में जर्मनी अब अपनी ऊर्जा और रक्षा जरूरतों के लिए किसी एक देश पर निर्भर नहीं रहना चाहता। भारत के साथ रक्षा उत्पादन, सैन्य प्रशिक्षण और रणनीतिक संवाद को मजबूत करना इसी दिशा में एक अहम कदम है। साथ ही जर्मनी भारत को हिंद0प्रशांत क्षेत्र में एक स्थिरता कारक के रूप में देखता है।

प्रधानमंत्री मोदी द्वारा चांसलर मर्ज को जर्मन मर्सिडीज कार में साथ ले जाना भी प्रतीकात्मक था। यह संदेश जर्मन उद्योग जगत और यूरोपीय निवेशकों के लिए था कि भारत आधुनिकता, तकनीक और वैश्विक मानकों के साथ कदम से कदम मिलाकर चल रहा है और अब केवल एक उभरता बाजार नहीं, बल्कि एक विश्वसनीय साझेदार है।

दोनों नेताओं का एक साथ पतंग उड़ाना भी गहरे अर्थ लिए हुए था। इसे इस संकेत के रूप में देखा गया कि वैश्विक राजनीति के आसमान में वे अपनी साझेदारी की पतंग ऊंची रखना चाहते हैं और उन ताकतों को संदेश देना चाहते हैं जो नियम-आधारित अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था को कमजोर करती हैं। यह संदेश अप्रत्यक्ष रूप से आक्रामक विस्तारवाद और दबाव की राजनीति में विश्वास रखने वाले देशों के लिए भी था।

यूरोप से अमेरिका तक प्रभाव

भारत और जर्मनी के बीच हुए ये समझौते केवल द्विपक्षीय लाभ तक सीमित नहीं हैं, बल्कि इनके दूरगामी सामरिक प्रभाव हैं। यह साझेदारी यूरोपीय संघ के लिए स्पष्ट संकेत है कि भारत अब यूरोप की एशिया नीति का केंद्र बनता जा रहा है। यदि भारत0यूरोपीय संघ मुक्त व्यापार समझौता आगे बढ़ता है, तो उसका सबसे मजबूत आधार भारत0जर्मनी संबंध ही होंगे। इससे यूरोप की चीन पर आर्थिक निर्भरता कम हो सकती है और आपूर्ति श्रृंखलाओं में विविधता आएगी।

जर्मनी, जो यूरोपीय संघ की आर्थिक धुरी माना जाता है, भारत के साथ गहरे रिश्तों के माध्यम से पूरे यूरोप की रणनीतिक सोच को प्रभावित करेगा। हरित ऊर्जा, इलेक्ट्रिक मोबिलिटी, सेमीकंडक्टर और उन्नत विनिर्माण में भारत0जर्मनी सहयोग यूरोप को नई दिशा दे सकता है।अमेरिका भी इस उभरती साझेदारी पर करीबी नजर रखेगा। चूंकि अमेरिका भारत और जर्मनी दोनों का करीबी साझेदार है, इसलिए लोकतांत्रिक मूल्यों पर आधारित इस संतुलन को वह सकारात्मक रूप में देखेगा, हालांकि यह भी चाहेगा कि यह साझेदारी उसके हिंद0प्रशांत दृष्टिकोण के अनुरूप बनी रहे।

निष्कर्ष: साझा डोर, ऊंची उड़ान

भारत के लिए जर्मनी के साथ बढ़ता सहयोग उसकी रणनीतिक स्वायत्तता को और मजबूत करता है और बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था में उसकी संतुलित भूमिका को रेखांकित करता है। वहीं जर्मनी के लिए भारत आर्थिक अवसरों के साथ-साथ स्थिरता और भरोसे का आधार है।

बहरहाल, अहमदाबाद में उड़ी पतंगें केवल उत्सव का हिस्सा नहीं थीं। वे उस साझेदारी का प्रतीक थीं, जो आने वाले वर्षों में वैश्विक राजनीति के आकाश में नई दिशा तय कर सकती है। भारत और जर्मनी ने स्पष्ट संकेत दे दिया है कि उनकी पतंग अब साझा डोर से बंधी हैऔर हवा चाहे जैसी भी हो, वे उसे ऊंचा रखने का माद्दा रखते हैं।

जल है तो...

अच्छे मानसून के बाद भी बारिश का पानी जलभरों में नहीं पहुंच पाता। आवासीय और व्यावसायिक क्षेत्रों में बोरवेलों की बढ़ती संख्या ने स्थिति को और बिगाड़ दिया है। जवाहरलाल नेहरू प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय हैदराबाद के जल संसाधन विशेषज्ञ बी वेंकटेश्वर राव ने कहा, अधिकांश अपार्टमेंट कॉम्प्लेक्स में रिचार्ज पिट नहीं हैं, जिससे बारिश के पानी को जमीन में समाने की बहुत कम संभावना रहती है। इसके बजाय, तूफानी पानी को तेजी से नालों में बहा दिया जाता है। इसके अलावा, वाटर, लैंड एंड ट्रीज एक्ट (डब्ल्यूएएलटीए), 2002 को प्रभावी ढंग से लागू नहीं किया जा रहा है।

विभाग का दावा: प्री-मानसून की तुलना में सुधार हालांकि, भूजल विभाग के अधिकारियों का कहना है कि व्यापक तस्वीर प्री-मानसून स्तरों की तुलना में कुछ सुधार दिखाती है। ''दिसंबर में भूजल स्तर में मई 2025 (प्री-मानसून) स्तरों की तुलना में 5.41 मीटर की शुद्ध वृद्धि दिखी,''।

उन्होंने यह भी जोड़ा कि दशकीय दिसंबर औसत (2015-2024) की तुलना में, 28 मंडलों में भूजल स्तर में मामूली से लेकर 13.4 मीटर तक की वृद्धि दर्ज की गई। ''इनमें से 12 मंडलों ने दीर्घकालिक दिसंबर औसत की तुलना में 2 मीटर से अधिक सुधार दर्ज किया गया।

जिलों के ...

इसके अतिरिक्त, जिलों के नाम बदलने के लिए रेलवे, डाक विभाग और भारतीय सर्वेक्षण विभाग जैसे संस्थानों से अनापत्ति प्रमाण पत्र लेना अनिवार्य होगा।

एक महत्वपूर्ण तकनीकी बाधा केंद्र सरकार की जनगणना प्रक्रिया भी है। जनगणना पूरी होने तक राज्यों को जिलों या राजस्व डिवीजनों की सीमाओं में बदलाव न करने का सुझाव दिया गया है। अधिकारियों के अनुसार, यदि राज्य सरकार इस समय कोई भी बदलाव करना चाहती है, तो उसे केंद्र सरकार से विशेष अनुमति लेनी होगी। वर्तमान में नलगोंडा, भद्राद्री कोत्तागुडेम, महबूबाबाद, कुमुरम भीम आसिफाबाद, निर्मल, मंचेरियाल, जोगुलांबा गद्वाल, राजन्ना सिरसिल्ला और अविभाजित वरंगल जिलों से सबसे अधिक प्रशासनिक शिकायतें प्राप्त हुई हैं।

अब...

मुख्यमंत्री ने बताया कि 'प्रणाम' कार्यक्रम के तहत वरिष्ठ नागरिकों के लिए स्थापित किए जा रहे डे-केयर सेंटर देश में अपनी तरह के पहले केंद्र हैं। यह देखते हुए कि कुछ वरिष्ठ नागरिकों की उनके बच्चों द्वारा उपेक्षा की जाती है, रेड्डी ने कहा कि सरकार आगामी बजट सत्र में एक कानून लाएगी। इसके तहत माता-पिता की उपेक्षा करने वाले सरकारी कर्मचारियों के वेतन से 10-15 प्रतिशत राशि काटकर सीधे उनके माता-पिता के बैंक खातों में जमा की जाएगी। उन्होंने जोर देकर कहा, ''जो लोग अपने माता-पिता की देखभाल नहीं कर रहे हैं, वे समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी नहीं निभा रहे हैं।''

जाति जनगणना और समावेशी स्वास्थ्य नीति का लक्ष्य

मुख्यमंत्री ने यह भी घोषणा की कि सरकार बजट सत्र के दौरान सभी नागरिकों को चिकित्सा उपचार प्रदान करने के लिए एक 'स्वास्थ्य नीति' की घोषणा करेगी। तेलंगाना में कांग्रेस सरकार द्वारा कराए गए जाति सर्वेक्षण का उल्लेख करते हुए उन्होंने दावा किया कि केंद्र सरकार ने इसके दबाव में आकर राष्ट्रीय जनगणना के हिस्से के रूप में जाति जनगणना की घोषणा की है।रेवंत रेड्डी ने पूर्व केंद्रीय मंत्री एस. जयपाल रेड्डी को दिव्यांगजनों के लिए प्रेरणा स्रोत बताया और कहा कि उन्होंने दिव्यांगता के बावजूद एक उत्कृष्ट सांसद और नेता के रूप में अपनी पहचान बनाई। अंत में, मुख्यमंत्री ने दिव्यांगजनों को रेट्रोफिटेड मोटर चालित वाहन, बैटरी चालित ट्राइसाइकिल और अन्य सहायक उपकरण वितरित किए।

उपग्रहों को निर्धारित...

और सोमवार को इसने पांचवीं बार उड़ान भरी। यह रॉकेट ब्लास्ट-ऑफ के तुरंत बाद धीरे-धीरे आसमान की ओर ऊपर उठा, उसकी निचले हिस्से से मोटी नारंगी लौ निकल रही थी, उसने गति पकड़ी और ऊपर की तरफ धुआं छोड़ता जा रहा था ।

इस लिफ्ट-ऑफ के लगभग चार मिनट बाद रॉकेट का तीसरा स्टेज चालू हुआ और बाद में इंजन बंद हो गया।

इस पीएसएलवी-सी62 का वजन 260 टन और इसकी लंबाई 44.4 मीटर थी।यह पीएसएलवी एक चार-चरण/इंजन वाला रॉकेट है जो ठोस और तरल ईंधन द्वारा बारी-बारी से संचालित होता है, जिसमें शुरुआती उड़ान के क्षणों के दौरान अधिक बल देने के लिए पहले चरण से छह बूस्टर मोटर जुड़े होते हैं।

गौरतलब है कि बीते साल भी इसरो के दो मिशन फेल हुए थे। इसमें पहला मिशन 18 मई, 2025 को पीएसएलवी-सी61 से भेजा गया था। इसमें ईओएस-09, एक सिंथेटिक अपर्चर रडार वाला पृथ्वी अवलोकन उपग्रह था जो बीच रास्ते में ही फेल हो गया। इसके पहले 29 जनवरी, 2025 को जीएसएलवी-एफ15, एक पाइरो वाल्व की खराबी के कारण अपने एनवीएस-02 नेविगेशन उपग्रह को निर्धारित कक्षा में पहुंचने में विफल रहा।

इससे पहले भी 2021 में, भारत ने एक और रणनीतिक उपग्रह जीआईएसएटी-1 खो दिया क्योंकि उसके रॉकेट जीएसएलवी-एफ10 का क्रायोजेनिक स्टेज चालू नहीं हो पाया। 2017 में एक और उपग्रह-नेविगेशन उपग्रह आईआरएनएसएस-1एच- भी फेल हो गया था क्योंकि पीएसएलवी की हीट शील्ड अलग नहीं हुई। इसरो ने बाद में इस समस्या का कारण पाइरो सेपरेशन सिस्टम में खराबी बताया।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, 19 Towers (T19),
Near Bus Stand, Ranigunj,
Secunderabad - 500 003
8688868345

शुभ लाभ
म्हारो भाग्यनगर
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, मंगलवार, 13 जनवरी, 2026

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें।

श्री खेमदास मठ में नव-निर्मित मंदिरों की भव्य प्राण प्रतिष्ठा तैयारियां जोरों पर

गणमान्य अतिथियों को आमंत्रण

हैदराबाद, 12 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। श्री खेमदास मठ में नव-निर्मित मंदिरों की प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम को लेकर तैयारियाँ जोरों पर हैं। इस पावन अवसर पर मठ परिसर में धार्मिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक वातावरण के बीच भव्य आयोजन किया जा रहा है।

श्री खेमदास मठ में पंडित गणेश नारायणजी, महासर माता, भगवान श्री अग्रसेनजी, सिद्धि श्री हरिपुरुषजी महाराज, बाबा श्री खेमदासजी महाराज तथा बाबा श्री बालकदासजी महाराज के नव-निर्मित मंदिरों की विधिवत प्राण प्रतिष्ठा संपन्न होगी। वैदिक मंत्रोच्चार एवं पारंपरिक धार्मिक अनुष्ठानों के साथ यह कार्यक्रम श्रद्धा और आस्था का केंद्र रहेगा।

प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम में अतिथि के रूप में एच विनोगोपाल राव (एडवाइजर टू गवर्नमेंट, प्रोटोकॉल एंड पब्लिक रिलेशंस, तेलंगाना), राजेश अग्रवाल (राजेश कॉरपोरेशन, चेयरमैन आत्मगौरव भवन) तथा सूरज तिवारी (टीपीसीसी सेक्रेटरी, प्रोटोकॉल तेलंगाना) को आमंत्रित किया गया है।

इस धार्मिक आयोजन के लिए विनोद अग्रवाल, शशिकांत अग्रवाल, राजकुमार अग्रवाल, दिनेश कुमार अग्रवाल एवं चेतनदास स्वामी द्वारा अतिथियों को आमंत्रित किया गया। आयोजन समिति द्वारा कार्यक्रम को भव्य और सुव्यवस्थित रूप देने के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएँ की जा रही हैं।

श्री खेमदास मठ में होने वाला यह प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम श्रद्धालुओं एवं समाजजनों के लिए आस्था, भक्ति और सांस्कृतिक एकता का प्रेरण-स्रोत बनेगा।

केंद्रीय हिंदी निदेशालय हैदराबाद क्षेत्रीय कार्यालय को मिले नये उपनिदेशक

हैदराबाद, 12 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। केंद्रीय हिंदी निदेशालय नई दिल्ली के क्षेत्रीय कार्यालय हैदराबाद के उपनिदेशक के रूप में हुकम चंद मीणा ने आज नियमित रूप से कार्यभार ग्रहण कर लिया। निदेशालय के क्षेत्रीय कार्यालय, हैदराबाद के अधीन गोवा, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, महाराष्ट्र और कर्नाटक राज्यों में कार्यरत सभी स्वैच्छिक हिंदी संस्थाओं को सशक्त और सक्रिय बनाना उनकी प्रमुख प्राथमिकता होगी।

उनका मानना है कि हिंदी केवल एक भाषा नहीं, बल्कि भारत की सांस्कृतिक आत्मा, आपसी संवाद और राष्ट्रीय एकता का सशक्त माध्यम है। हिंदी के माध्यम से देश की विविधता को एक सूत्र में पिरोया जा सकता है।

यह भाषा सरल, सहज और भावनाओं को अभिव्यक्त करने में अत्यंत सक्षम है, इसी कारण यह आज देश के कोने-कोने में लोगों को जोड़ने का कार्य कर रही है।

क्षेत्रीय कार्यालय, हैदराबाद के अंतर्गत आने वाले राज्यों में नवलेखक शिविर, राष्ट्रीय संगोष्ठी, छात्र अध्ययन यात्रा, प्राध्यापक व्याख्यान माला, छात्र अनुदान योजना, पीसीपी कार्यक्रम आदि योजनाओं का प्रभावी, सुव्यवस्थित और व्यापक क्रियान्वयन किया जाएगा। इन कार्यक्रमों का उद्देश्य युवाओं, विद्यार्थियों, लेखकों, शिक्षकों और आम नागरिकों को हिंदी से जोड़ना तथा उनमें भाषा के प्रति रुचि और सम्मान विकसित करना है। निदेशालय की ओर से हिंदी के प्रचार-प्रसार में किसी भी प्रकार की कमी नहीं छोड़ी जाएगी। संविधान के अनुच्छेद 351 के अंतर्गत हिंदी के विकास और विस्तार को नई दिशा दी जाएगी। यह प्रयास केवल हिंदी बोलने वालों तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि उन लोगों तक भी पहुँचेगा जो अभी हिंदी से दूर हैं, ताकि वे भी इसे अपनाने में सहज महसूस करें।

हिंदी को एक संपर्क भाषा के रूप में बढ़ावा दिया जाएगा, जिससे विभिन्न भाषाओं और संस्कृतियों के लोग आपस में आसानी से संवाद कर सकें। हिंदी के माध्यम से शिक्षा, संस्कृति, साहित्य और सामाजिक समरसता को मजबूत करने का लक्ष्य रखा गया है, ताकि हिंदी निरंतर आगे बढ़ते हुए देश और समाज के विकास में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभा सके।

झुँझुनू वाले विष्णु अवतारी श्री बाबा गंगाराम त्रिशक्ति महोत्सव 25 जनवरी को, तैयारी बैठक सम्पन्न

हैदराबाद, 12 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।
बाबा गंगाराम सेवा समिति, हैदराबाद की एक महत्वपूर्ण बैठक 11 जनवरी को लोअर टैंकबंड स्थित केशव शर्मा जी के निवास स्थान पर सम्पन्न हुई। बैठक में आगामी 25 जनवरी को आयोजित होने वाले झुंझुनू वाले विष्णु अवतारी श्री बाबा गंगाराम जी के त्रिशक्ति महोत्सव की तैयारियों की विस्तार से समीक्षा की गई।

बैठक के दौरान समिति के सभी सदस्यों को विभिन्न जिम्मेदारियाँ सौंपी गईं, ताकि त्रिशक्ति महोत्सव का आयोजन भव्य, सुव्यवस्थित एवं श्रद्धालुओं की सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए किया जा सके। समिति ने यह भी जानकारी दी कि इस महोत्सव में देशभर से बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के आने की संभावना है, जिनके ठहरने एवं भोजन की समुचित व्यवस्था समिति द्वारा की जाएगी।

प्रचार-प्रसार एवं बैनरों का विमोचन

महोत्सव के प्रचार-प्रसार को लेकर विभिन्न भाषाओं में तैयार किए गए आकर्षक बैनरों का विमोचन भी बैठक के दौरान किया गया। समिति सदस्यों ने अधिक से अधिक श्रद्धालुओं तक महोत्सव की जानकारी पहुँचाने पर विशेष जोर दिया।

भव्य कार्यक्रम और विशेष प्रस्तुतियाँ

झुंझुनू वाले विष्णु अवतारी श्री बाबा गंगाराम त्रिशक्ति महोत्सव का आयोजन सिकंदराबाद स्थित हरियाणा भवन में अत्यंत भव्यता और उल्लास के साथ किया जाएगा। इस अवसर पर कोलकाता से पधारे सुप्रसिद्ध भजन गायक श्री केशव मधुकर अपनी मधुर भजन प्रस्तुतियों से वातावरण को भक्तिमय बनाएंगे।

साथ ही अंतर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त, इंडिया गॉट टैलेंट एवं एशिया गॉट टैलेंट फेम, विश्वविख्यात सैंड आर्टिस्ट नितीश भारती बाबा गंगाराम जी की लीलाओं पर आधारित सैंड आर्ट की विशेष प्रस्तुति देंगे। नितीश भारती जी ने अपनी अद्भुत कला से विश्वभर के अनेक मंचों पर प्रस्तुति दी है। विशेष रूप से उल्लेखनीय है कि हैदराबाद में पहली बार वे बाबा गंगाराम जी की लीलाओं को सैंड आर्ट के माध्यम से प्रस्तुत करने जा रहे हैं, जो श्रद्धालुओं के लिए एक अविस्मरणीय अनुभव होगा।

बैठक में गणमान्य जनों की उपस्थिति

बैठक की अध्यक्षता अशोक केजरीवाल जी ने की। इस अवसर पर हरिनारायण व्यास, केशव शर्मा, श्याम गोयनका, संजय जालान, विशाल सराफ, संतोष टाटियां, विनोद अग्रवाल, शरद संघवी, विशाल डीडवानिया, अमित मोदी, संतोष केजरीवाल, कुसुम सराफ, शिल्पा गोयनका, अनुराधा शर्मा, मीना मोदी, सुप्रिया डीडवानिया एवं मधु अग्रवाल मुख्य रूप से उपस्थित रहे। यह त्रिशक्ति महोत्सव श्रद्धा, भक्ति और सांस्कृतिक समरसता का अनुपम संगम साबित होने जा रहा है।

श्री वैष्णव सत्संग मंडल सुल्तान बाजार के सदस्य राधेश्याम दुर्गा राठी बद्रीप्रसाद सुरेखा सारडा गोपीकिशन इन्दिरा बंग देवकिशन श्यामयाता नावंदर एवं इन्दिरा भराडीया एड्लाबाद में गोदादेवी के मन्दिर में दर्शन करते हुए।

डोंगरेजी महाराज जन्म शताब्दी महोत्सव 15 फरवरी को

विशाल लोक डायरो का आयोजन, बैनर का हुआ विमोचन

हैदराबाद, 12 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। पूज्य श्री रामचंद्र डोंगरेजी महाराज गौशाला, इंजापुर के तत्वावधान में आयोजित होने वाले पूज्य डोंगरेजी महाराज जन्म शताब्दी महोत्सव के संबंध में बैनर का विधिवत विमोचन किया गया।आज जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में गौशाला के अशोक पटेल एवं जयंती पटेल ने बताया कि श्री रामचंद्र डोंगरेजी महाराज गौशाला, इंजापुर द्वारा आगामी 15 फरवरी (शिवरात्रि) के पावन अवसर पर विशाल लोक डायरो का आयोजन किया जाएगा। आयोजन से संबंधित बैनर का विमोचन निलकंठ विद्यापीठ के संस्थापक पूज्य शास्त्री सत्यप्रकाश दास स्वामीजी के करकमलों से किया गया। रामोजी फिल्म सिटी के समीप स्थित निलकंठ विद्यापीठ में आयोजित इस बैनर विमोचन कार्यक्रम में विवेक स्वामी, लव फॉर काऊ फाउंडेशन के चेयरमैन जसमत पटेल व ट्रस्टी रिद्धीश जागीरदार, जिवरामभाई पटेल, शिवलाल पटेल, पुनीत पटेल, मनोज पटेल, तरुण महेता, वसंत पटेल, अशोक पटेल, सुरेश पटेल, किरण पटेल, हसमुख पटेल, भगवानजी पटेल, प्रभु पटेल, घनश्याम पटेल, हरजीवन पटेल, लालजीभाई पटेल, रमेश मजेठिया, मुन्नाभाई सहित अनेक गणमान्य उपस्थित रहे।

नागोल में पाटीदार समाज द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान सांसद ईटेला राजेन्द्र ने भी इस आयोजन का अवलोकन किया। उन्होंने कहा कि श्री उमिया धाम, मेडचल में आयोजित होने वाले कार्यक्रम में उनका तन, मन और धन से पूर्ण सहयोग रहेगा। उन्होंने कार्यक्रम में स्वयं उपस्थित रहने का आश्वासन देते हुए समस्त गुजराती समाज से अधिकाधिक संख्या में सहभागिता का आह्वान किया। इस अवसर पर पूज्य श्री रामचंद्र डोंगरेजी महाराज गौशाला, इंजापुर के ट्रस्टी वसंत पटेल के नेतृत्व में एक टीम ने मेडचल स्थित श्री उमिया धाम का दौरा किया। टीम ने आगामी कार्यक्रम की सफलता हेतु श्री उमिया माता की विधिवत पूजा-अर्चना कर आशीर्वाद प्राप्त किया। इस दौरान श्री उमिया धाम के चेयरमैन कांतीभाई गोराणी, जसमत पटेल, हसमुख पटेल, किरण पटेल, भरत पटेल आदि उपस्थित रहे।कांतीभाई गोराणी ने कहा कि श्री कच्छ कडवा पाटीदार समाज, सिकंदराबाद-हैदराबाद आगामी विशाल लोक डायरो कार्यक्रम में हरसंभव सहयोग करेगा। उन्होंने न केवल पाटीदार समाज, बल्कि समस्त 36 कोम के लोगों से भी कार्यक्रम में भाग लेने हेतु व्यक्तिगत पहल करने की बात कही।

लव फॉर काऊ फाउंडेशन के चेयरमैन जसमत नानजीभाई पटेल ने कहा कि संत शिरोमणि श्री रामचंद्रजी डोंगरेजी महाराज का स्वप्न था कि भाग्यनगर के समीप किसी ग्राम में शुद्ध पर्यावरण युक्त गौ-निवास स्थापित हो, जहाँ शहरी प्रदूषण से मुक्त वातावरण में गौभक्तों को शुद्ध वायु एवं शुद्ध जल उपलब्ध हो सके। उन्होंने सभी गौभक्तों से अवकाश या रविवार के दिन अधिकाधिक संख्या में गौशाला पधारने का अनुरोध किया।

केबीआर पार्क पर स्वामी विवेकानंद जयंती पर अन्नदान

हैदराबाद, 12 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में सोमवार को स्वामी विवेकानंद जयंती के अवसर पर इंडो अमेरिकन कैंसर हॉस्पिटल के समीप स्थित केबीआर पार्क में नियमित अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

स्वामी विवेकानंद जयंती पर अपने विचार व्यक्त करते हुए उमाकांत गुप्ता ने कहा कि स्वामी विवेकानंद का जीवन चरित्र युवाओं के लिए प्रेरण-स्रोत है और वह देशभक्ति की भावना को जागृत करता है। इस सेवा कार्यक्रम में मनीष अग्रवाल, सुभाष अग्रवाल, उमाकांत गुप्ता, उर्मिला गुप्ता एवं रणधीर सहित अन्य सदस्यों ने सक्रिय रूप से अपनी सेवाएं प्रदान करते हुए जरूरतमंदों को भोजन वितरित किया।

कार्यक्रम के अंत में सभी सदस्यों ने स्वामी विवेकानंद के विचारों को अपने जीवन में अपनाने का संकल्प लिया।

कच्छ कडवा पाटीदार समाज का स्वर्ण जयंती महोत्सव

भव्यता एवं उत्साह के साथ सम्पन्न

हैदराबाद, 12 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। श्री हैदराबाद कच्छ कडवा पाटीदार समाज, श्री हैदराबाद कच्छ कडवा पाटीदार महिला मंडल एवं पटेल युवक मंडल, हैदराबाद का स्वर्ण जयंती महोत्सव अत्यंत भव्यता, गरिमा और उत्साह के साथ सम्पन्न हुआ।

यहां जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में समाज के मंत्री शंकर पटेल ने बताया कि समाज की स्थापना के 50 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में यह स्वर्ण जयंती महोत्सव शुक्रवार 9 जनवरी से रविवार 11 जनवरी 2026 तक नागोल स्थित शुभम कन्वेंशन सेंटर में त्रिदिवसीय रूप में आयोजित किया गया।महोत्सव के अवसर पर सभी का स्वागत करते हुए मंत्री शंकर पटेल ने कहा कि यह ऐतिहासिक उत्सव समाजजनों को आपस में जोड़ने, विविधता में एकता का संदेश देने तथा सामाजिक सद्भाव को सुदृढ़ करने का अवसर है। यह आयोजन समाज के गौरवशाली अतीत को स्मरण करते हुए भविष्य की दिशा तय करने का एक महत्वपूर्ण मंच है।समाज अध्यक्ष देवशीभाई पोकार ने सभी समाजबंधुओं का अभिनंदन करते हुए कहा कि वरिष्ठ सदस्यों के मार्गदर्शन, मातृशक्ति की संस्कृति-संरक्षण भूमिका और युवाओं की ऊर्जा के त्रिविध संगम से हैदराबाद समाज, महिला मंडल और युवक मंडल की 50वीं वर्षगांठ को स्वर्ण जयंती के रूप में मनाने का निर्णय लिया गया। यह समारोह समाज के संघर्ष, समृद्धि और कठिन परिश्रम की गौरवगाथा को उजागर करने का स्वर्णिम अवसर है।

समाज की 50 वर्षों की विकास यात्रा

समाज ट्रस्ट चेयरमैन श्री रामजीभाई पटेल ने जानकारी दी कि संवत 2032, पोष सुद 8, शुक्रवार 09-01-1976 को हैदराबाद कच्छ कडवा पाटीदार समाज की स्थापना की गई थी।

इसके बाद समाज ने निरंतर प्रगति की- वर्ष 1986 में पहला समाज भवन श्री पाटीदार भवन, कोत्तापेट। वर्ष 1996 में दूसरा भवन श्री उमिया भवन एवं वर्ष 2006 में तीसरा भवन श्री लक्ष्मीनारायण भवन, एल.बी. नगर के पास निर्मित किया गया।

यह सब वरिष्ठ समाजबंधुओं की दूरदृष्टि, संगठनात्मक एकता और सामूहिक प्रयासों का परिणाम है। समाज के भविष्य को ध्यान में रखते हुए 3 एकड़ भूमि का संपादन भी किया गया है, जिसका उपयोग आगामी समय में समाजोपयोगी कार्यों के लिए किया जाएगा।

तीन दिवसीय कार्यक्रमों की विस्तृत झलक

मंत्री शंकर पटेल ने बताया कि महोत्सव का शुभारंभ 9 जनवरी को प्रातः 8 बजे शांति हवन एवं विष्णु सहस्त्रनाम यज्ञ से हुआ। दोपहर 2 बजे मुख्य प्रवेशद्वार, सभाखंड, अन्नपूर्णा भवन एवं फोटो गैलरी का उद्घाटन लाभार्थी परिवार द्वारा किया गया।

दोपहर 2.30 बजे से धार्मिक सत्र में संत श्री वल्लभकृष्णाचार्य का स्वागत, कर्टन राइज़र, गणपति वंदना एवं स्वागत नृत्य प्रस्तुत किया गया। संत श्री द्वारा सनातन धर्म एवं वर्तमान युग पर ज्ञानवर्धक प्रवचन एवं आशीर्वचन प्रदान किया गया। रात्रि 8.30 बजे से सुरेश पटेल एवं मीराबेन पटेल (राजकोट) द्वारा भजन संध्या, लोक साहित्य एवं हास्य रस की प्रस्तुति दी गई।

शनिवार, 10 जनवरी को प्रातः 8.30 बजे से महिला मंडल द्वारा नारायणी सत्र आयोजित किया गया। प्रातः 10.30 बजे सुश्री दीपाली दीदी ने सामाजिक जीवन एवं युवा उत्कर्ष पर प्रेरणादायी प्रवचन दिया। दोपहर 2.30 बजे पटेल युवक मंडल द्वारा सरदार पटेल सत्र और सायं 4 बजे शैलेषभाई सागपरिया द्वारा सरदार पटेल पर प्रभावशाली व्याख्यान दिया गया। रात्रि में युवक-युवतियों द्वारा रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए।

रविवार, 11 जनवरी को प्रातः 8.30 बजे डॉक्यूमेंट्री फिल्म का प्रसारण हुआ। इसके बाद केन्द्रीय समाज, तेलंगाना-आंध्र प्रदेश समाज एवं अन्य संस्थाओं द्वारा आशीर्वचन कार्यक्रम आयोजित किया गया।

गणमान्य अतिथियों की उपस्थिति एवं समाज की प्रमुख मांग

आशीर्वचन कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में अखिल भारतीय कच्छ कडवा पाटीदार समाज के अध्यक्ष श्री गोपालभाई भावाणी एवं मंत्री श्री अशोक भावाणी उपस्थित रहे। विशेष अतिथि एवं सम्माननीय अतिथियों में टीएपी समाज अध्यक्ष हंसराज दिवाणी, विभिन्न जोन व समाजों के अध्यक्ष-मंत्रीगण, मलकाजगिरी सांसद श्री ईटेला राजेन्द्र, लव फॉर काऊ फाउंडेशन के चेयरमैन जसमत पटेल, रिद्धीश जागीरदार, गोविंद शाह, महेश पटेल, जिग्नेश दोशी, मुकेश बदियाणी, तरुण मेहता सहित अनेक गणमान्य व्यक्तियों ने भाग लिया।अखिल भारतीय अध्यक्ष श्री गोपालभाई भावाणी ने युवाओं को बुजुर्गों की सांस्कृतिक विरासत को संजोने और समाज की परंपराओं के पालन हेतु प्रेरित किया।संयोजक कुशाल पटेल ने सांसद ईटेला राजेन्द्र के समक्ष समाज की दो दशक पुरानी मांग हैदराबाद/सिकंदराबाद से कच्छ (गांधीधाम, भुज, नलिया) तक सीधी रेल सेवा को प्रमुखता से रखा।सांसद ईटेला राजेन्द्र ने आश्वस्त किया कि वे इस मांग को लेकर केंद्रीय रेल मंत्री से चर्चा कर शीघ्र आवश्यक कार्रवाई का प्रयास करेंगे।

जसमत पटेल ने लव फॉर काऊ फाउंडेशन को समाज द्वारा दिए गए सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया तथा 15 फरवरी को श्री उमियाधाम में आयोजित डोंगरेजी महाराज जन्म शताब्दी महोत्सव के विशाल लोक डायरो कार्यक्रम में सहभागिता का आह्वान किया।समाज की ओर से सभी अतिथियों, दानदाताओं, सहयोगियों और कार्यकर्ताओं का शाल, माला एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मान किया गया।

कार्यक्रम में ट्रस्ट मंडल, समाज, महिला मंडल एवं युवक मंडल के पदाधिकारीगण तथा बड़ी संख्या में समाजबंधुओं की उपस्थिति रही।

राष्ट्रीय युवा दिवस पर किया गया अन्नदान

हैदराबाद, 12 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में बेगम बाजार स्थित भू देवी माता मंदिर के पास गौशाला के सामने राष्ट्रीय युवा दिवस के अवसर पर नियमित अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन श्रद्धा और सेवा भाव के साथ किया गया।

इस अवसर पर राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के संयोजक महेश अग्रवाल ने कहा कि भारत युवा शक्ति का देश है। यदि युवा सही दिशा में अपने ऊर्जा और समय का उपयोग करें तो देश को प्रगति की नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि स्वामी विवेकानंद का जीवन युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत है, जिन्होंने आत्मविश्वास, सेवा और राष्ट्रभक्ति का मार्ग दिखाया।महेश अग्रवाल ने कहा कि राधे-राधे ग्रुप द्वारा लगातार किए जा रहे सेवा कार्य समाज के कमजोर वर्गों के लिए संबल बन रहे हैं। अन्नदान केवल भूख मिटाने का कार्य नहीं, बल्कि मानवता और करुणा का सशक्त माध्यम है।इस अवसर पर जगतनारायण अग्रवाल, महेश अग्रवाल, रवि अग्रवाल, विनोद तोष-णीवाल, अरुण विजयवर्गीय, राजेश (योगा), शिव भगवान, गोविंद राम जी, अनिल भाई, मीना अग्रवाल, लता गोयल, नीलम विजयवर्गीय, अर्चना शास्त्री तथा रेनू शास्त्री सहित राधे-राधे ग्रुप के कई अन्य सदस्य एवं स्वयंसेवक उपस्थित रहे।

हिंदी लेखक संघ हैदराबाद की 612वीं मासिक गोष्ठी आज

हैदराबाद, 12 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। हिंदी लेखक संघ, हैदराबाद की 612वीं मासिक गोष्ठी का आयोजन बच्चन अकादमी एवं कबीर चिंतन के संयुक्त तत्वावधान में मंगलवार, 13 जनवरी को सायं 6.00 बजे से मौज़मजाही मार्केट स्थित आरोग्य हॉस्पिटल, कैलाश डायग्नोस्टिक सेंटर के सेलार सभागृह में किया जाएगा।

कार्यक्रम के प्रथम सत्र में देश के प्रख्यात गीतकार गोपाल दास नीरज के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर सारगर्भित चर्चा होगी। इस सत्र में कवि अशोक दोशी तथा कवि ठाकुर दिनेश सिंह अपने विचार प्रस्तुत करेंगे।कार्यक्रम का संचालन हिंदी लेखक संघ, हैदराबाद के कार्यदर्शी एवं गोलकोंडा दर्पण के संपादक कवि गोविंद अक्षय करेंगे। वे संघ की गतिविधियों के साथ-साथ बच्चन अकादमी और कबीर चिंतन की साहित्यिक पहलों से भी उपस्थित साहित्य-प्रेमियों को अवगत कराएंगे।द्वितीय सत्र में कवि गोष्ठी आयोजित की जाएगी, जिसमें शहर के वरिष्ठ एवं युवा कवि समकालीन परिस्थितियों तथा जीवन के विविध पहलुओं पर आधारित रचनाओं का काव्य-पाठ प्रस्तुत करेंगे।गीतकार चंपालाल बैद एवं डॉ. प्रेमलता शीवास्तव ने सभी साहित्यकारों, कवियों एवं हिंदी प्रेमियों से समय पर उपस्थित होकर कार्यक्रम को सफल बनाने का अनुरोध किया है। कार्यक्रम के आरंभ में कवि राजकुमार यादव की ओर से जलपान की व्यवस्था रहेगी।

काव्य-धारा ने नवगीत सृजन पर आयोजित की कार्यशाला

हैदराबाद, 12 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

काव्य-धारा प्रकाशन, तेलंगाना ने आरोग्य अस्पताल सभागार में नवगीत विधान व सृजन पर कार्यशाला का आयोजन किया। वरिष्ठ गीतकार सत्य प्रसन्न ने कवियों को संबोधित किया।सुनीता लुल्ला ने स्वागत किया। वर्षा शर्मा ने सरस्वती वंदना व संचालन किया। सत्य प्रसन्न ने कहा कि नवगीत आधुनिक युगबोध से संपन्न विधा है, जो रागात्मकता के साथ तर्क-यथार्थ को ग्रहण करती है। शंभूनाथ सिंह के अनुसार यह भारतीय परिप्रेक्ष्य वाली आधुनिकता है। तंत्र-सभ्यता के जटिल जीवन, अकेलापन, नगरीकरण, पर्यावरण संकट पर नवगीत स्वर देता है।

सत्य प्रसन्न ने बताया कि नवगीत परंपरा का पोषक व आधुनिक बोध से सजग है। सामाजिक चेतना, निर्धन के प्रति सहानुभूति व सांस्कृतिक सम्मान इसमें विद्यमान है।द्वितीय सत्र में सुनीता लुल्ला, सत्य प्रसन्न, वर्षा शर्मा, रचना चतुर्वेदी, डॉ. ऋता शुक्ला, रजनी पांडेय, उमा देवी सोनी, प्रेमलता श्रीवास्तव, श्रेयस चतुर्वेदी, दर्शन सिंह व नीतिश पांडेय ने काव्य पाठ किया। सुनीता लुल्ला ने धन्यवाद ज्ञापित कर समापन घोषित किया।

स्वामी विवेकानन्द के जन्म दिवस पर उस्मानिया हॉस्पिटल भारतीय मजदूर संघ द्वारा आयोजित कार्यक्रम में पुष्पांजलि अर्पित करते हुए बीजेपी नेता गोविंद नारायण राठी एवं अन्य।

डॉ. अहिल्या मिश्र की स्मृति में भावपूर्ण श्रद्धांजलि सभा आयोजित

हैदराबाद, 12 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

कादम्बिनी क्लब हैदराबाद, साहित्य गरिमा पुरस्कार समिति हैदराबाद एवं ऑथर्स गिल्ड ऑफ़ इंडिया, हैदराबाद चैप्टर के संयुक्त तत्वावधान में शनिवार, दिनांक 10 जनवरी को कादम्बिनी क्लब की संस्थापिका डॉ. अहिल्या मिश्र की स्मृति में कीमती भवन, रामकोट में एक भावपूर्ण श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया।

कार्यकारी अध्यक्ष मीना मुथा एवं महासचिव प्रवीण प्रणव द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति में बताया गया कि वरिष्ठ साहित्यकार, नाटककार, निबंधकार, कहानीकार, कवयित्री, संपादिका एवं समाजसेवी डॉ. अहिल्या मिश्र का 15 दिसंबर को दुखद निधन हो गया। वे विगत 32 वर्षों से कादम्बिनी क्लब का सफल संचालन करती रहीं और हिंदी भाषा की सेवा, प्रचार-प्रसार में सतत रूप से सक्रिय रहीं।

अपने साहित्यिक योगदानों के लिए वे अनेक पदों एवं मान-सम्मानों से विभूषित हुईं। उनके कई साहित्यिक ग्रंथ प्रकाशित हुए, जिन्हें राष्ट्रीय स्तर पर ख्याति प्राप्त हुई। वे भारत सरकार के विभिन्न मंत्रालयों की सलाहकार समितियों की सदस्य भी रहीं।

डॉ. अहिल्या मिश्र नारी सशक्तिकरण के प्रति अपने संघर्षशील एवं क्रांतिकारी विचारों के लिए विशेष रूप से जानी जाती थीं। विद्वता, सरलता, भावुकता और संघर्ष-शक्ति का अद्भुत संगम उनके व्यक्तित्व में स्पष्ट दिखाई देता था। उनका जन्म 16 सितंबर 1948 को हुआ। बिहार से हैदराबाद आकर उन्होंने हिंदी का परचम लहराया।

पति स्व. राजदेव मिश्र के निधन के पश्चात भी उन्होंने हिम्मत नहीं हारी और निरंतर आगे बढ़ती रहीं। परिवार में पुत्र मानवेन्द्र मिश्र, पुत्रवधू डॉ. आशा मिश्र ‍मुक्ताफ, पोता आर्यव तथा पौत्रियाँ दिव्या और अक्षिति हैं। उन्होंने सदैव क़रीबी रिश्तेदारों का भी विशेष ध्यान रखा और घर-बाहर की जिम्मेदारियों का संतुलन बनाए रखते हुए एक लौह-स्त्री के रूप में अपनी पहचान बनाई।

श्रद्धांजलि सभा में डॉ. मदनदेवी पोकरणा, शांति अग्रवाल, श्रुतिकांत भारती, मधु भटनागर, डॉ. बी. बालाजी, डॉ. रमा द्विवेदी, सरिता सुराणा, दर्शन सिंह, डॉ. कृष्णा सिंह, एडवोकेट अशोक तिवारी, डॉ. सीमा तिवारी, प्रवीण पांडया, रिद्धिश जागीरदार, हर्षलता दुधोड़िया, जितेंद्र प्रकाश, के. राजन्ना, जी. परमेश्वर सहित अनेक वक्ताओं ने डॉ. अहिल्या मिश्र के साथ जुड़े अपने संस्मरण साझा किए।

प्रो. ऋषभदेव शर्मा ने कहा कि डॉ. अहिल्या मिश्र के जाने से एक ऐसा शून्य उत्पन्न हुआ है जिसे भरा नहीं जा सकता। वात्सल्य, दृढ़ता और कोमलता से सुसज्जित उनका व्यक्तित्व सबके लिए प्रेरणास्रोत रहा। वे किसी के लिए माँ, किसी के लिए गुरु, दीदी या बुआ थीं। ईश्वर परिवार को इस अपूरणीय क्षति को सहन करने की शक्ति प्रदान करें।

भक्तराम, पुष्पा वर्मा, उमा सोनी, भावना पुरोहित, शुभ्रा मोहंतो और शिल्पी भटनागर ने अश्रुपूर्ण भावांजलि अर्पित की।

पुत्र मानवेन्द्र मिश्र ने कहा कि उनकी माता की संघर्षशीलता, अध्ययनशीलता, बालिकाओं को उच्च शिक्षा के लिए प्रेरित करना तथा व्यस्त जीवन के बावजूद सभी को समय देना अनुकरणीय है। वे आगे भी माँ की साहित्यिक विरासत को आगे बढ़ाने में संस्था का सहयोग करते रहेंगे।

डॉ. आशा मिश्र ‍मुक्ताफ ने कहा कि डॉ. अहिल्या मिश्र उनके लिए सदैव मार्गदर्शक और प्रेरणाश्रोत रहीं और साहित्यिक व पारिवारिक जीवन की सीख उन्होंने उन्हीं से प्राप्त की।

सभा में सीताराम माने, शोभा देशपांडे, चन्द्रलेखा कोठारी, डॉ. अनीता मिश्र, सत्यनारायण काकड़ा, इटेला सम्मन्ना, शशि राय, बलवीर, द्विवेदी, ललित मुथा, देवा प्रसाद मायला, किरन सिंह, सुमित्रा, जसमत पटेल, अमृतकुमार जैन, वर्षा शर्मा, सुनीता गुप्ता, डॉ. सुषमा देवी, सरिता दीक्षित, तृप्ति मिश्रा, दीपक कुमार दीक्षित, सौरभ भटनागर, विभा सहित अनेक गणमान्य उपस्थित रहे।उपस्थित सभी सदस्यों ने पुष्पांजलि अर्पित कर डॉ. अहिल्या मिश्र की आत्मा की चिरशांति के लिए प्रार्थना की। श्रद्धांजलि सभा का संचालन मीना मुथा ने किया। एन. आर. श्याम, अवधेश कुमार सिन्हा सहित कई अन्य व्यक्तियों ने भी अपने शोक संदेश भेजे।

ब्यावर संघ बैंगलोर के अध्यक्ष बने ललित डाकलिया

चेयरमैन पद पर महेन्द्र भंसाली निर्वाचित

बेंगलूरू, 12 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। श्री ब्यावर संघ बैंगलोर की ओर से शहर के एक रिसॉर्ट में आयोजित नववर्ष 2026 स्नेहाभिनंदन एवं आमसभा के अवसर पर ललित डाकलिया का अध्यक्ष पद पर सर्वसम्मति से निर्विरोध चयन किया गया। वहीं महैन्द्र भन्साली को संघ का चेयरमैन नियुक्त किया गया। निर्वाचन अधिकारी पन्नालाल कोठारी द्वारा जैसे ही सभा के बीच अध्यक्ष पद के परिणाम की घोषणा की गई, उपस्थित सदस्यों में हर्ष की लहर दौड़ गई

और सभी ने नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को बधाइयां दीं।

सभा के प्रारम्भ में निवर्तमान चेयरमैन अरविन्द खिंवसरा एवं निवर्तमान अध्यक्ष पदमचंद बोहरा ने ब्यावर संघ में पधारे सभी सदस्य परिवारों का स्वागत एवं अभिनंदन किया। महामंत्री अरविन्द कोठारी ने अपने संबोधन में पिछले कार्यकाल के दौरान आयोजित कार्यक्रमों की जानकारी दी तथा ब्यावर शहर का प्रामाणिक इतिहास उपस्थित जनों के समक्ष प्रस्तुत किया। कोषाध्यक्ष दिनेश लोढ़ा ने अपने कार्यकाल के दौरान हुए आय-व्यय का विस्तृत ब्यौरा सभा में रखा।

कार्यक्रम के मुख्य प्रायोजक आनन्द राज-अशोक कुमार खिंवसरा परिवार रहे। सह-प्रायोजक सज्जनराज-अमित कुमार कोठारी रहे, जबकि सहयोगी के रूप में नीलम-प्रकाश पारख, अमरचंद-महावीरचंद तातेड, तेजराज-दिलीप कुमार खिंवसरा, ललित कुमार-ज्ञानेश कुमार मेहता, गौतमचंद-तरुण कुमार बोथरा, श्रीमती निर्मला देवी-हीरालाल कांटेड़, महावीरचंद-गौतमचंद वेदमुथा, हीरालाल-दीपक कुमार बोहरा तथा पवन कुमार-दक्ष कुमार खारीवाल परिवार का योगदान रहा। संघ की ओर से सभी लाभार्थियों का शाल, माला एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मान किया गया।

ज्ञातव्य है कि बैंगलोर शहर में ब्यावर के लगभग साढ़े पाँच सौ परिवार निवास करते हैं। कार्यक्रम की व्यवस्थाओं में संघ की कार्यकारिणी के साथ-साथ श्री ब्यावर संघ युवा शाखा एवं ब्यावर युवा लेडीज विंग का सक्रिय सहयोग रहा। युवा शाखा के महामंत्री कुलदीप छाजेड़ ने संघ द्वारा युवाओं को मिल रहे सहयोग के लिए आभार व्यक्त करते हुए भविष्य में युवाओं को और अधिक आगे बढ़ाने व प्रोत्साहित करने की बात कही। इस अवसर पर युवा शाखा, लेडीज विंग तथा इनके द्वारा संचालित ज्ञान वाटिका की समस्त शिक्षिकाओं को मंच पर आमंत्रित कर शब्दों से बहुमान किया गया।

जैन डायरेक्ट के राजेन्द्र जैन ने संघ के सदस्यों को संघ की वेबसाइट एवं मोबाइल एप की जानकारी दी। कार्यक्रम का संचालन एंकर सोनम कवाड ने किया।

समारोह में सभी परिवारों के सदस्यों ने बड़ी संख्या में उपस्थित रहकर परस्पर मिलन एवं आपसी मेलजोल बढ़ाया। बच्चों ने विभिन्न प्रतियोगिताओं में भाग लेकर अनेक पुरस्कार भी जीते, जिससे कार्यक्रम उल्लास और आनंद से परिपूर्ण रहा।

कैलाश मठ में सप्तदिवसीय श्री शिव महापुराण कथा का पावन शुभारंभ

भव्य कलश यात्रा के साथ हुआ मंगल आरंभ

वाराणसी, 12 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। पावन नगरी वाराणसी स्थित कैलाश मठ में सप्तदिवसीय श्री शिव महापुराण कथा का दिव्य एवं मंगलमय शुभारंभ श्रीश्री 1008 महामण्डलेश्वर स्वामी आशुतोषानन्द गिरि जी महाराज के पावन सानिध्य में भव्य कलश यात्रा के साथ संपन्न हुआ। इस अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु भक्तों ने सहभागिता की और सम्पूर्ण वातावरण हर-हर महादेव के जयघोष से भक्तिमय हो उठा।

कथा के प्रथम दिवस पूज्य महाराज श्री ने शिवभक्ति, शिवलिंग की उत्पत्ति तथा शिव तत्व से संबंधित अनेक दिव्य, आध्यात्मिक एवं प्रेरणादायक कथाओं का भावपूर्ण वर्णन किया। अपने प्रवचन में उन्होंने बताया कि शिवलिंग ब्रह्मांडीय चेतना का प्रतीक है तथा सच्ची शिवभक्ति से मानव जीवन में धर्म, शांति, सद्भाव एवं अंततः मोक्ष की प्राप्ति होती है।

कथा के मध्य मुख्य यजमान राजेंद्र शर्मा जी के जन्मदिवस के पावन अवसर पर पूज्य महाराजश्री द्वारा उन्हें दीर्घायु, उत्तम स्वास्थ्य, पारिवारिक सुख-समृद्धि एवं समस्त मनोकामनाओं की पूर्ति हेतु शिवकृपा का विशेष आशीर्वाद प्रदान किया गया।

इस पावन शिव महापुराण कथा के आयोजक रामाअवतार राजेंद्र शर्मा जी एवं श्री महेंद्र शर्मा जी (आश्रत परिवार), शक्कर कोटा, चारकमान, हैदराबाद हैं।

श्री शिव महापुराण कथा आगामी दिनों तक प्रतिदिन जारी रहेगी, जिसमें श्रद्धालुओं को शिव महापुराण के विविध दिव्य, आध्यात्मिक एवं कल्याणकारी प्रसंगों का श्रवण लाभ प्राप्त होगा। कथा का नित्य लाइव प्रसारण पूज्य महाराज श्री के आधिकारिक चैनल स्वामी आशुतोषानंद पर किया जाएगा।

अल्ट्राटेक सीमेंट के बिरला वाइट डिवीज़न और ग्रासिम इंडस्ट्रीज लिमिटेड के बिरला ऑपस पेंट में उत्कृष्ट प्रदर्शन पर सर्वश्रेष्ठ विक्रेता के अवार्ड से आदित्य बिरला ग्रुप के चेयरमैन कुमार मंगलम बिरला एवं प्रबंध निदेशक हिमांशु कंपानिया ने मुंबई में आयोजित अभिनंदन अवार्ड समारोह में नेहा बिल्डप्रो प्राइवेट लिमिटेड, हैदराबाद के हरिनारायण व्यास एवं नकुल व्यास को सम्मानित किया।

एक पेड़ माँ के नाम : राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग के सदस्य और रेल अधिकारियों ने किया वृक्षारोपण

हैदराबाद, 12 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। पर्यावरण संरक्षण और हरियाली को बढ़ावा देने के उद्देश्य से चलाए जा रहे राष्ट्रव्यापी अभियान एक पेड़ माँ के नाम के अंतर्गत 12 जनवरी 2026 को रेलवे डिग्री कॉलेज, लाल्लागुडा के परिसर में वृक्षारोपण अभियान का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग के माननीय सदस्य जातोथु हुसैन ने शिरकत की।

वृक्षारोपण के इस पुनीत कार्य में जातोथु हुसैन के साथ दक्षिण मध्य रेलवे के प्रधान मुख्य कार्मिक अधिकारी सिद्धार्थ काटी ने भी उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस अवसर पर रेलवे डिग्री कॉलेज के प्रिंसिपल और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने भी अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। सभी गणमान्य व्यक्तियों ने कॉलेज परिसर में विभिन्न प्रकार के पौधों का रोपण किया और हरित पर्यावरण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की।

एक पेड़ माँ के नाम अभियान के तहत आयोजित इस कार्यक्रम के दौरान माननीय सदस्य जातोथु हुसैन और सिद्धार्थ काटी ने पर्यावरण संतुलन बनाए रखने में पेड़ों की भूमिका पर जोर दिया।

बीएपीएस स्वामिनारायण अक्षरधाम मंदिर का 22वां पाटोत्सव भक्तिभाव व दिव्यता के साथ सम्पन्न

हैदराबाद, 12 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। बी.ए.पी.एस. स्वामिनारायण अक्षरधाम मंदिर, रसूलपुरा, सिकंदराबाद का 22वां पाटोत्सव रविवार, दिनांक 11 जनवरी 2026 को संस्था के वरिष्ठ संत पूज्य श्रीरंगदास स्वामी की पावन उपस्थिति में अत्यंत भक्तिभाव, श्रद्धा एवं दिव्यता के साथ मनाया गया।

प्रातः 7.30 बजे ठाकुरजी की श्रृंगार आरती के पश्चात मंदिर के मुख्य सिंहासन में विराजमान सभी मूर्तियों का पंचामृत अभिषेक उपस्थित संतों द्वारा विधिपूर्वक किया गया। साथ ही, उपस्थित भक्तजनों ने भी यांत्रिक व्यवस्था के माध्यम से भगवान के जलाभिषेक का पुण्य लाभ प्राप्त किया।

इसके पश्चात 9.00 बजे से 10.30 बजे तक संतों के सान्निध्य में भगवान की दिव्य महापूजा का आयोजन हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में भक्तजन सहभागी बने।

महापूजा के उपरांत पाटोत्सव के उपलक्ष्य में एक विशिष्ट सभा का आयोजन किया गया। इस अवसर पर स्मृतियों से भरपूर वीडियो दर्शन कराए गए तथा पूज्य श्रीरंगदास स्वामी द्वारा प्रेरणादायक कथावार्ता प्रस्तुत की गई। अपने उद्बोधन में पूज्य स्वामीजी ने मंदिर एवं सत्संग की महिमा का वर्णन करते हुए सभी भक्तों को नियमित रूप से मंदिर दर्शन और सत्संग का लाभ लेकर जीवन को धन्य बनाने की प्रेरणा दी।

सभा के अंत में मंदिर के कोठारी पूज्य आत्मचिंतनदास स्वामी ने सभी उपस्थित भक्तों का अभिवादन एवं आभार प्रकट करते हुए मंदिर से निरंतर जुड़े रहने का संदेश दिया।

सभा के पश्चात पाटोत्सव के अवसर पर ठाकुरजी को संतों एवं हरिभक्तों द्वारा अन्नकूट का भोग अर्पित किया गया। इसके बाद सभी भक्तजनों ने ठाकुरजी की दिव्य महा आरती में सहभागिता की।

मकर संक्रांति को दान पर्व के रूप में मनाया जाता है। इसी परंपरा के अंतर्गत स्वामिनारायण संप्रदाय में संतों द्वारा झोली मांगने (भिक्षा) की विशेष परंपरा निभाई गई।

आरती के पश्चात सभी संतों ने स्वामिनारायण हरे सच्चिदानंद प्रभु के जयघोष के साथ भिक्षा का आह्वान किया।

अंत में उपस्थित सभी भक्तों ने संतों की झोली में अपनी श्रद्धापूर्वक सेवा समर्पित की, ठाकुरजी के दिव्य दर्शन किए तथा महाप्रसाद ग्रहण कर कृतार्थ हुए।

श्री नृसिंह मंदिर तगारीनाका चौक में पंडित गोवर्धन शर्मा के सान्निध्य में मिगसर की थाली व भगवान का भव्य अलंकर के दर्शन करते हुए रामदेव नागला, शंकरलाल बंग, ब्रिजेश तिवाडी, चंद्रभान व्यास, राजेश करवा, अनिल जायलवाल, श्रवण व्यास, संदीप जयलवाल, विजय शर्मा पांडिया, गोपाल शर्मा, गिरधारी शर्मा, भरत अग्रवाल, रोहित सारडा आदि उपस्थित थे।

आंध्रा-तेलंगाना ज्ञानशाला ज्ञानार्थी परीक्षा 2025 सम्पन्न

हैदराबाद, 12 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। जैन श्वेताम्बर तेरापंथ महासभा के ज्ञानशाला प्रकोष्ठ के निर्देशन में तथा श्री जैन श्वेताम्बर तेरापंथी सभा, सिकंदराबाद के तत्वावधान में ज्ञानशाला ज्ञानार्थी परीक्षा 2025 का आयोजन रविवार, 11 जनवरी को पूर्ण प्रामाणिकता, गुणवत्ता एवं गरिमामय वातावरण में सुव्यवस्थित रूप से किया गया। यह वार्षिक मौखिक परीक्षा देशभर एवं विदेशी केंद्रों में एक ही समय पर आयोजित की गई।

राजेन्द्र बोथरा द्वारा जारी विज्ञप्ति के अनुसार, हैदराबाद में कुल 7 परीक्षा केंद्र स्थापित किए गए। डी.वी. कॉलोनी स्थित तेरापंथ भवन में तेरापंथी सभा सिकंदराबाद के अध्यक्ष सुशील संचेती, मंत्री हेमंत संचेती, पूर्व अध्यक्ष बाबूलाल बैद, ज्ञानशाला विभाग संयोजक वीरेंद्र घोषल, क्षेत्रीय संयोजक संगीता गोलछा, अरिहंत गुजरानी, निर्मल बैंगाणी, बच्छराज श्यामसुखा, तेयुप से जिनेन्द्र सेठिया, तेमम की सहमंत्री व ज्ञानशाला मीडिया प्रभारी मीनाक्षी सुराणा, तेमम की प्रचार-प्रसार मंत्री मनीषा सुराणा, मुख्य प्रशिक्षक पुष्पा बरड़िया, परीक्षा सह-व्यवस्थापक सुमन सेठिया, क्षेत्रीय सह संयोजक सुरभि सिंघी, अरुणा भंडारी, उषा सुराणा, यशोदा कोठारी सहित अनेक पदाधिकारी उपस्थित रहे, जिनकी साक्षी में प्रश्नपत्र खोले गए।हिमायत नगर सभा भवन में तेरापंथ सभा व महासभा सदस्य लक्ष्मीपत बैद, आंचलिक संयोजक सीमा दस्साणी, केंद्र परीक्षा व्यवस्थापक सरिता नखत, तेमम अध्यक्ष नमिता सिंघी, तेयुप अध्यक्ष राहुल गोलछा, कांतिलाल संचेती आदि की उपस्थिति में प्रश्नपत्र खोले गए।बोलाराम केंद्र पर सभा प्रतिनिधि रतनचंद सुराणा, अनिल कातरेला, तेयुप के नीरज सुराणा एवं ज्ञानशाला प्रशिक्षिकाएं उपस्थित रहीं।हाईटेक सिटी केंद्र में आंचलिक सह संयोजक सरोज लोढ़ा, सभा सदस्य प्रकाश बैद, बिनोद सुराणा व अन्य प्रशिक्षक मौजूद रहे।शिवरामपल्ली केंद्र पर तिलोकचंद सिपाणी, नरेन्द्र सुराणा, वरिष्ठ प्रशिक्षक सरोज लूणिया; अत्तापुर केंद्र पर वीरेंद्र बैद, महेंद्र मरोठी तथा तेमम से निशा सेठिया; क्वाडीगुडा केंद्र पर मुकेश चौरड़िया, हुकुमीचंद कोटेचा, तेमम से मंजु दुगड़ एवं टीपीएफ से रिषभ दुगड़ की उपस्थिति रही।सभी परीक्षा केंद्रों पर सभा प्रतिनिधियों, कार्यसमिति सदस्यों एवं तेरापंथ महिला मंडल प्रतिनिधियों की

साक्षी में परीक्षकों द्वारा प्रश्नपत्र खोले गए। ऑनलाइन परीक्षा में दिव्या चौरड़िया एवं स्वाति सुराणा का विशेष सहयोग रहा।

तेलंगाना क्षेत्र के सात केंद्रों में आयोजित परीक्षा में 280 ज्ञानार्थियों ने सहभागिता दर्ज कराई, वहीं आंध्रा प्रदेश के 5 केंद्रों में 74 ज्ञानार्थी परीक्षा में सहभागी बने। वर्षभर की मेहनत के लिए सभी ज्ञानार्थियों एवं प्रशिक्षिकाओं की सराहना करते हुए पदाधिकारियों ने शुभकामनाएं प्रेषित कीं।हिमायत नगर केंद्र पर आरती चौरड़िया, गीतिका नाहटा तथा डी.वी. कॉलोनी में पूर्व ज्ञानार्थी ह्रीत्वी बोहरा, सिद्धि पोकरणा आदि ने व्यवस्थाओं में सराहनीय सहयोग दिया।18 जनवरी (रविवार) को ज्ञानशाला प्रशिक्षिकाओं एवं ज्ञानार्थियों के लिए पिकनिक का आयोजन किया जाएगा।

DAILY शुभ लाभ
Classifieds

CHANGE OF NAME
I, MARADANA TRINADHA NAIDU is Father of No-14678659H, Rank- NK, Name- BHASKARA RAO MARADANA, R/o H.No-1-8, Vill & PO- Komarada, Teh- Komarada, Dist- Vizianagaram, A.P. I have to change my Name from TRINADHA NAIDU to MARADANA TRINADHA NAIDU for all purpose vide affidavit dated: 12/01/2026.

CHANGE OF NAME
I, MARADANA PARVATI is mother of No-14678659H, Rank- NK, Name- BHASKARA RAO MARADANA, R/o H.No-1-8, Vill & PO- Komarada, Teh- Komarada, Dist- Vizianagaram, A.P. I have to change my Name from PARVATHI to MARADANA PARVATI for all purpose vide affidavit dated: 12/01/2026.

CHANGE OF NAME
I, No. JC 734568X Sub Braj Shyam Singh Rathore of Adm bn, Aoc Centre, Secunderabad, Ts that my daughter name is changed from PALAK to PALAK S RATHORE

CHANGE OF NAME
I, No. 6947926L Nk Jayanta Debnath of Adm bn, Aoc Centre, Secunderabad, Ts that my mother name is changed from PRATI DEVI to ARATI DEBNATH

CHANGE OF NAME
I, No. JC 736281Y NB SUB Vikash Kumar of Adm bn, Aoc Centre, Secunderabad, Ts that my father name is changed from JAGNATH PRASAD SINGH to JAGARNATH SINGH

CHANGE OF NAME
I, No. 6948341K Nk Jinesh Kumar P M of Adm bn, Aoc Centre, Secunderabad, Ts that my mother name is changed from VILASINI PG to VILASSINI P G and also my father name is changed from MOHANAN PK to MOHANAN P K

CHANGE OF NAME
I, PRAVEEN KUMRI is legally wedded spouse of Army No.6948288K Nk Rakesh Kumar Ranvir R/o.Vill:Rasulpur, Post:Badi Pachri, Teh:Buhana, Dist: Jhun Jhunu, Rajasthan - 333515 have changed my name from PRAVEEN KUMRI to PRAVIN vide affidavit dt:12/01/2026 before C.V.N Rama Krishna, Advocate and Notary, Secunderabad

CHANGE OF NAME
I, No. 6943802Y Hav K M Shingne of Adm bn, Aoc Centre, Secunderabad, Ts that my Self name is changed from KISHOR SHINGNE MOTHIRAM to KISHOR MOTHIRAM SHINGNE

CHANGE OF NAME
I, No. 6943802Y Hav K M Shingne of Adm bn, Aoc Centre, Secunderabad, Ts that my Daughter name is changed from NIHA KISHOR SHINGNE to NEHA KISHOR SHINGNE

CHANGE OF NAME
I, No. 6948034M Nk Shanmugam K of Adm bn, Aoc Centre, Secunderabad, Ts that my father name is changed from KUPPUSAMY to KUPPUSAMY KAVERIGOUNDAR and also my mother name is changed from KUPPAMMAL to KUPPAMMAL KUPPUSAMI

CHANGE OF NAME
I, No. 6948214P Nk Chandragouda Patil of Adm bn, Aoc Centre, Secunderabad, Ts that my Son name is changed from ROHAN to ROHAN CHANDRAGOUDA PATIL and also my mother name is changed from KASTURU PATIL to KASTUREVVA CHAMBANNA PATIL

CHANGE OF NAME
I, No. 6943699Y Hav Yaramala Subba Reddy of Adm bn, Aoc Centre, Secunderabad, Ts that my son name is changed from Y VENKATA YASWANT KUMAR REDDY to YARAMALA YASWANTH KUMAR REDDY

CHANGE OF NAME
I, No. 6948017M Nk Sanjay Singh of Adm bn, Aoc Centre, Secunderabad, Ts that my father name is changed from DHASHRATH SINGH to DASRATH

CHANGE OF NAME
I, S SUJI is legally wedded spouse of Army No.6948027W NK Prabhu S R/o.Vill:Athorathan Kottai, Post: Paiyur, Teh&Dist: Krishna giri, Tamil Nadu 635112 have changed my name from S SUJI to SUJI vide affidavit dt:12/01/2026 before C.V.N Rama Krishna, Advocate and Notary, Secunderabad

CHANGE OF NAME & DOB
I, BOORA BULAXMI Mother of Service No. 15725993N L/Nk BOORA RAJASHEKAR, Resident of H.No.2-85, Vill:Burugupally, P.O:Tipparam, Dist:Siddipet, Telangana-502301 have changed my name and DOB from BOORA BHOOLAXMI, DOB:01-04-1973 to BOORA BULAXMI, DOB:08-04-1973 vide affidavit dt:12-01-2026 before G.Shobha, Advocate and Notary, Brahmanwadi, Begumpet, Hyderabad.

CHANGE OF NAME & DOB
I, SATHIYA. M , is legally wedded spouse of No 9112711P Rank Hav, Name N.SUNDARAM PILLAI S/o. NELLAIYAPPAN PILLAI, presently residing 13/94B/3, Madhava Nager, Thovala, THOVALAI, Kanniyakumari, Tamil Nadu 629302 do hereby that I have changed my name & DOB from N. MURUGAN SATHIYA to SATHIYA. M & 08-09-1989 to 03-02-1989, due to wrong entry in service record of my Husband. vide Affidavit No.A432125. Date 08-01-2026

CHANGE OF NAME
I, ROMITA DEVI is legally wedded spouse of Army No.15815310W Sep NGANGBAM BIKRAMJIT SINGH R/o.Vill: Langthabal, Post: Kanchipur, Teh: Langthabal, Dist: Imphal West, Manipur 795003 have changed my name from ROMITA DEVI to NGANGAM ROMITA DEVI vide affidavit dt:12/01/2026 before C.V.N Rama Krishna, Advocate and Notary, Secunderabad

CHANGE OF NAME
I,No. 6943838X Nk Garad Shahaji Shrirang of Adm bn, Aoc Centre, Secunderabad, Ts that my mother name is changed from INDUBAI to INDUMATI SHRIRANG GARAD

आंध्र प्रदेश महेश कोऑपरेटिव अर्बन बैंक लिमिटेड को

टेक्नोलॉजी और आईटी रिस्क मैनेजमेंट के लिए प्रतिष्ठित आईबीए पुरस्कार

हैदराबाद, 12 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

आंध्र प्रदेश महेश कोऑपरेटिव अर्बन बैंक लिमिटेड (ए.पी. महेश कोऑपरेटिव अर्बन बैंक) को इंडियन बैंक्स एसोसिएशन (आईबीए) द्वारा 09 जनवरी 2026 को मुंबई में आयोजित 21वें वार्षिक बैंकिंग टेक्नोलॉजी कॉन्फ्रेंस, एक्सपो एवं साइटेशन्स 2024–25 में कोऑपरेटिव सेक्टर बैंक्स कैटेगरी में दो प्रतिष्ठित सम्मानों से नवाजा गया। बैंक को BEST TECHNOLOGY BANK अवार्ड (रनर–अप) तथा BEST IT RISK MANAGEMENT BANK (स्पेशल मेंशन) से सम्मानित किया गया।

ये प्रतिष्ठित पुरस्कार बैंक द्वारा एडवांस्ड टेक्नोलॉजी सॉल्यूशंस के प्रभावी उपयोग, डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर को सुदृढ़ करने तथा इंडस्ट्री की बेस्ट प्रैक्टिस के अनुरूप मजबूत आईटी रिस्क मैनेजमेंट फ्रेमवर्क लागू करने के निरंतर प्रयासों की मान्यता हैं। यह उपलब्धि सुरक्षित एवं भरोसेमंद तरीके से ग्राहकों की सुविधा और संतुष्टि के लिए टेक्नोलॉजी के उपयोग के प्रति बैंक की प्रतिबद्धता को भी दर्शाती है तथा बैंक के दीर्घकालिक विजन की सशक्त पुष्टि करती है।

आंध्र प्रदेश और तेलंगाना का एकमात्र कोऑपरेटिव बैंक

विशेष उल्लेखनीय है कि ए.पी. महेश कोऑपरेटिव अर्बन बैंक लिमिटेड आंध्र प्रदेश और तेलंगाना का एकमात्र कोऑपरेटिव बैंक है, जिसने इस राष्ट्रीय स्तर के मंच पर ये प्रतिष्ठित सम्मान प्राप्त किए हैं। यह उपलब्धि टेक्नोलॉजी में उत्कृष्टता और सुरक्षित बैंकिंग संचालन की दिशा में बैंक की यात्रा का एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर मानी जा रही है। इस अवसर की तस्वीर में बैंक के मैनेजिंग डायरेक्टर एवं सीईओ वी. अरविंद को भारतीय रिजर्व बैंक के डिप्टी गवर्नर रबी शंकर के हाथों से पुरस्कार प्राप्त करते हुए देखा जा सकता है। समारोह में आईआईटी मुंबई के प्रोफेसर पटनायक (एमेरिटस) तथा आईबीए के सीईओ अतुल कुमार गोयल भी उपस्थित रहे।इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए बैंक के मैनेजिंग डायरेक्टर एवं सीईओ वी. अरविंद ने कहा कि यह उपलब्धि बैंक के बोर्ड, मैनेजमेंट और कर्मचारियों के सामूहिक प्रयासों का परिणाम है तथा अपने ग्राहकों को सुरक्षित, संरक्षित और टेक्नोलॉजी–संचालित बैंकिंग सेवाएं प्रदान करने के बैंक के विजन को और अधिक मजबूत करती है।

विस्तार योजनाएं और मजबूत वित्तीय आधार

महेश बैंक वर्तमान में तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, महाराष्ट्र और राजस्थान– इन चार राज्यों में 45 शाखाओं के नेटवर्क के साथ कार्यरत है। बैंक आरबीआई के पात्रता मानदंडों के अधीन अपने 50वें स्वर्ण जयंती समारोह वर्ष 2028 तक 5 नई शाखाएं खोलने की योजना बना रहा है।

अपने मूल सिद्धांतों को बनाए रखते हुए बैंक स्वयं को एक ऐसे संगठन में परिवर्तित कर रहा है, जो किसी भी कमर्शियल बैंक के समकक्ष नवीनतम टेक्नोलॉजी एडवांसमेंट के साथ उत्पाद और सेवाएं प्रदान करता है। 09.01.2026 तक बैंक का बिजनेस मिक्स 2812.38 करोड़ रुपये रहा, जो इसके सशक्त वित्तीय आधार और सतत विकास को दर्शाता है।

रंगारेड्डी के डिवीजनों को हैदराबाद में मिलाने के खिलाफ बड़ा प्रदर्शन

हैदराबाद, 12 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने रंगारेड्डी जिले के विभिन्न डिवीजनों को हैदराबाद में शामिल करने के प्रस्ताव का कड़ा विरोध करते हुए एक विशाल धरना प्रदर्शन किया। भाजपा की स्पष्ट मांग है कि रंगारेड्डी जिले के अंतर्गत आने वाले राजेंद्रनगर सर्कल, बंडलागुड़ा जागीर, शमशाबाद और महेश्वरम के नवनिर्मित डिवीजनों को किसी भी स्थिति में हैदराबाद में विलयन किया जाए। इस मांग को लेकर राजेंद्रनगर के अरामघर चौरस्ता पर भारी संख्या में कार्यकर्ताओं ने विरोध जताया।

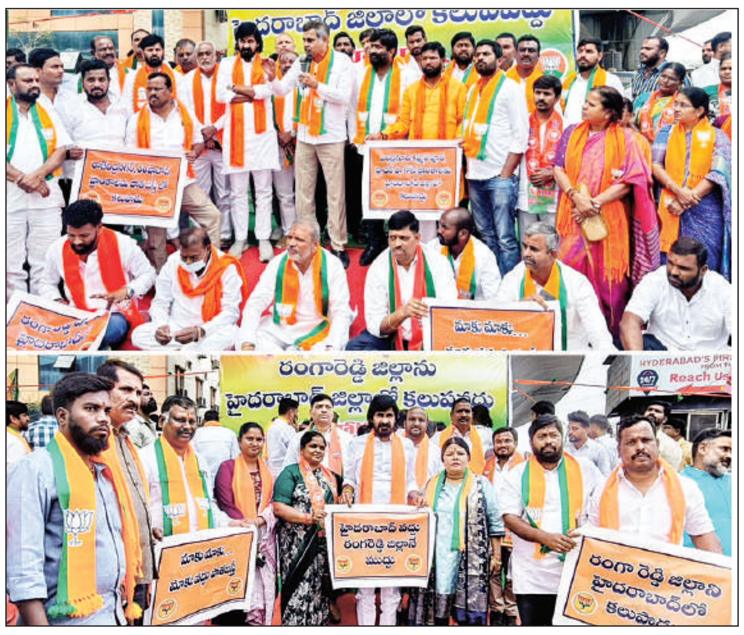

सांसद कोंडा विश्वेश्वर रेड्डी और जिला नेतृत्व की भागीदारी

इस विरोध कार्यक्रम में चेवेल्ला के सांसद कोंडा विश्वेश्वर रेड्डी ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। प्रदर्शनकारियों को संबोधित करते हुए उन्होंने सरकार की नीतियों की आलोचना की और स्थानीय स्वायत्तता की रक्षा पर जोर दिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता रंगारेड्डी जिला भाजपा अध्यक्ष राजगोपाल गौड़ ने की। इस दौरान नेताओं ने चेतावनी दी कि यदि सरकार ने जनभावनाओं के विरुद्ध जाकर इन क्षेत्रों का हैदराबाद में विलय किया, तो आंदोलन को और उग्र किया जाएगा।

नेताओं और कार्यकर्ताओं का एकजुट संघर्ष

अरामघर चौरस्ता पर आयोजित इस धरने में जिला और राज्य स्तर के कई वरिष्ठ नेताओं ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम में मंडल अध्यक्षों, डिवीजन अध्यक्षों और भाजपा के प्रमुख कार्यकर्ताओं ने बड़ी संख्या में भाग लेकर अपनी एकजुटता प्रदर्शित की।

भाजपा नेताओं का तर्क है कि इन नए डिवीजनों को रंगारेड्डी जिले में ही बनाए रखना प्रशासनिक और स्थानीय विकास की दृष्टि से आवश्यक है।

विरोध प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्ताओं ने सरकार विरोधी नारे लगाए और मांग की कि नवगठित डिवीजनों की पहचान और उनके भौगोलिक अस्तित्व के साथ कोई छेड़छाड़ न की जाए। इस कार्यक्रम ने क्षेत्र में राजनीतिक सरगर्मी बढ़ा दी है और स्थानीय प्रशासन को स्पष्ट संदेश दिया है।

आरक्षण से पहले ही टिकटों की रेस तेज

हैदराबाद, 12 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

नगर निकाय चुनावों के लिए आरक्षण फाइनल होने से पहले ही टिकट पाने की होड़ शुरू हो गई है। निकाय चुनाव की अधिसूचना जल्द ही जारी होने की व्यापक चर्चाओं के बीच, उम्मीदवारी के इच्छुक उम्मीदवारों ने पार्टी टिकट सुरक्षित करने के प्रयास तेज कर दिए हैं। इसके परिणामस्वरूप, प्रमुख राजनीतिक दलों के विधायकों और निर्वाचन क्षेत्र के प्रभारियों के आवासों पर हलचल बढ़ गई है और सिफारिशें चाहने वाले उम्मीदवारों तथा उनके समर्थकों की भीड़ उमड़ रही है।

इच्छुक उम्मीदवार पार्टी नेताओं को आश्वासन दे रहे हैं कि टिकट मिलने पर वे निश्चित रूप से जीत हासिल करेंगे। इस बीच, वे स्थानीय नेताओं, जाति संघों के सदस्यों और कॉलोनी के बुजुर्गों को अपने साथ लाकर नेतृत्व पर दबाव भी बढ़ा रहे हैं। इस शुरुआती गहमागहमी ने जमीनी स्तर पर मजबूत राजनीतिक सक्रियता पैदा कर दी है। हालांकि, नगर निगम वार्डों के लिए आरक्षण की आधिकारिक घोषणा अभी बाकी है और अभी तक चुनाव अधिसूचना भी जारी नहीं की गई है।

आरक्षण पर स्पष्टता न होने के बावजूद टिकट की उम्मीदें बरकरार

विभिन्न नगर पालिकाओं में वार्डों के लिए आरक्षण अभी तय नहीं हुआ है। हालांकि कहा जा रहा है कि आरक्षण प्रक्रिया अपने अंतिम चरण में है, लेकिन अनिश्चितता बरकरार है। इसके बावजूद, उम्मीदवारों का मानना है कि आरक्षण उनके पक्ष में हो सकता है। इसलिए, उन्होंने पहले से ही टिकट सुरक्षित करने के अपने प्रयासों को तेज कर दिया है। कई जगहों पर इस बात पर चर्चा शुरू हो गई है कि सीट एससी, एसटी, बीसी या सामान्यश्रेणी के लिए आरक्षित है या नहीं, वे चुनाव लड़ेंगे।

इस बीच, कुछ आकांक्षी कथित तौर पर आरक्षण की घोषणा के आधार पर या तो अपने लिए या अपने जीवनसाथी (पति/पत्नी) के लिए टिकट मांग रहे हैं। यह रुझान सभी नगर पालिकाओं में चर्चा का एक आम विषय बन गया है। साथ ही, नगरपालिका अध्यक्ष

के पदों के लिए भी आरक्षण की पुष्टि नहीं हुई है। हालांकि, कई अध्यक्ष पद के दावेदारों का मानना है कि पिछले आरक्षण पैटर्न जारी रह सकते हैं, इसलिए उन्होंने भी टिकटों के लिए जोरदार पैरवी शुरू कर दी है।

कांग्रेस और भाजपा में कड़ा मुकाबला

सत्तारूढ़ कांग्रेस पार्टी में नगर निकाय चुनाव लड़ने के इच्छुक उम्मीदवारों के बीच कड़ी प्रतिस्पर्धा देखी जा रही है। अविभाजित जिलों से जुड़ी कई नगर पालिकाओं में कांग्रेस के संभावित उम्मीदवार टिकट सुरक्षित करने के लिए सक्रिय रूप से काम कर रहे हैं। उन स्थानों पर उनके प्रयास बढ़ गए हैं जहाँ पार्टी की जीत की प्रबल संभावनाएँ दिख रही हैं। इसके परिणामस्वरूप, कांग्रेस के भीतर आंतरिक प्रतिस्पर्धा तेज हो गई है।

दूसरी ओर, निर्मल, आदिलाबाद, कागजनगर और भैंसा जैसी नगर पालिकाओं में उम्मीदवार भाजपा के टिकट पर चुनाव लड़ने में रुचि दिखा रहे हैं। इन क्षेत्रों में भाजपा विधायकों की मौजूदगी ने और अधिक उम्मीदवारों को आगे आने के लिए प्रोत्साहित किया है। इस बीच, मंचेरियाल, चेन्नूर, बेल्लमपल्ली, लक्षेटीपेट, कत्तनपल्ली, नसपुर और खानापुर जैसी नगर पालिकाओं में कांग्रेस के अध्यक्ष पद के उम्मीदवारों ने अपने प्रयास तेज कर दिए हैं।

कुल मिलाकर, सभी नगर पालिकाओं में राजनीतिक गतिविधियाँ तेज हो गई हैं। हालांकि, आरक्षण और आधिकारिक चुनाव कार्यक्रम पर स्पष्टता का अभी भी इंतजार है। तब तक, नगर निकाय चुनावों में टिकट की रेस और भी तीव्र होने की उम्मीद है।

बोराबंडा में युवती की निर्मम हत्या

हैदराबाद, 12 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

शहर के बोराबंडा इलाके में एक और युवती भिभत्स हत्या का शिकार हो गई। युवक द्वारा यह सोचकर कि युवती उससे ठीक से बात नहीं कर रही है, एक युवती को बेहद नृशंस तरीके से मारे जाने की घटना ने स्थानीय स्तर पर भारी हड़कंप मचा दिया। इस घटना के साथ शहर में महिलाओं की सुरक्षा पर एक बार फिर से गंभीर चर्चा शुरू हो गई है। सूचना मिलते ही पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और जांच शुरू की। इस घटना पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।पुलिस द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार आरोपी ज़हीर की बंजारा हिल्स के एक पब में खनीज फातिमा नाम की युवती से पहचान हुई थी। युवती जब पब में काम कर रही थी, तब वहां अक्सर आने के दौरान दोनों के बीच पहचान बनी और धीरे–धीरे दोस्ती हो गई। शुरुआत में सामान्य बातचीत करने वाले दोनों के बीच धीरे–धीरे नजदीकी संबंध बन गया। लेकिन कुछ दिनों पहले खनीज फातिमा ने बंजारा हिल्स के पब को छोड़कर बोराबंडा क्षेत्र के उर्वशी बार में नौकरी कर ली। इस पृष्ठभूमि में उसने ज़हीर से बात करना कम कर दिया।फोन कॉल्स पर भी ठीक से प्रतिक्रिया न देने के कारण, ज़हीर को लगा कि युवती उसे जानबूझकर दूर कर रही है और उपेक्षा कर रही है। यह संदेह धीरे–धीरे घृणा में बदल गया, जांच में यह बात सामने आई।

इस पृष्ठभूमि में बात करने के बहाने युवती को बुलाकर, ज़हीर ने बातचीत के दौरान ही उस पर हमला कर दिया और बेहद नृशंस तरीके से उसकी हत्या कर दी। घटना के बाद पुलिस ने आरोपी को हिरासत में ले लिया, मामला दर्ज कर गहराई से जांच शुरू कर दी है।

बदरीविशाल पन्नालाल पित्ती ट्रस्ट एवं अग्रवाल सेवा दल का 158वां नि:शुल्क मेगा मेडिकल कैंप आयोजित

288 से अधिक लोगों ने लिया स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ

हैदराबाद, 12 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

बदरीविशाल पन्नालाल पित्ती ट्रस्ट एवं अग्रवाल सेवा दल द्वारा, अग्रवाल समाज मलकपेट शाखा के सहयोग से 158वां निशुल्क मेगा मेडिकल कैंप संतोषनगर इंद्राप्रस्थ कॉलोनी स्थित दिल्ली पब्लिक स्कूल परिसर में सफलतापूर्वक आयोजित किया गया। अग्रवाल सेवा दल के अजीत गुप्ता द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, इस शिविर में घखचड सनशाइन हॉस्पिटल, बेगमपेट की ओर से जनरल फिजिशियन, कार्डियोलॉजी, हड्डी रोग, ईसीजी, 2–डी इको, बीएमडी, बीपी जांच एवं आरबीएस जैसी महत्वपूर्ण जांच एवं चिकित्सकीय सेवाएं प्रदान की गईं।कार्डियोलॉजी विभाग से डॉ. प्रणय गोरे, ऑर्थो विभाग से डॉ. गायत्री व डॉ. मबरूर सहित नर्सिंग स्टाफ शुभांकर, संगीता, मल्लेश्वरी, बीएमडी तकनीशियन मोहन व अनिल, 2–डी इको टेक्नीशियन अलकेंदु तथा विपणन विभाग से उदय कुमार ने सेवाएं दीं।शिविर में रेनबो चिल्ड्रन्स हार्ट हॉस्पिटल के विशेषज्ञों ने भी अपनी सेवाएं प्रदान कीं।इसके साथ ही लायंस क्लब ऑफ हैदराबाद – साधुराम आई हॉस्पिटल, दोमलगुडा द्वारा 161 रोगियों की नेत्र जांच की गई, जिनमें से 69 लोगों को निशुल्क चश्मे वितरित किए गए तथा 12 रोगियों के मोतियाबिंद ऑपरेशन की व्यवस्था की गई। इस सेवा में अजीत कश्यप, एच. भगवान, प्रतीक्षा, के. नर्सिंग राव एवं के. भास्कर ने योगदान दिया।

सामान्य चिकित्सा सेवाएं डॉ. अखिल सुगंधी एवं डॉ. मीनल खिरैया सुगंधी (अखिल क्लिनिक) द्वारा दी गईं।दंत चिकित्सा सेवाएं एसएनआर डेंटल के डॉ. एस. तेजस्वी नवनीत राज द्वारा और फिजियोथैरेपी सेवाएं बजाज फिजियो केयर की डॉ. मीता बजाज द्वारा प्रदान की गईं।इसके अतिरिक्त श्री भगवान महावीर विकलांग सहायता समिति द्वारा जरूरतमंद रोगियों को कृत्रिम अंग उपलब्ध कराए गए तथा निशुल्क डायलिसिस की सेवाएं भी दी गईं।इस अवसर पर अग्रवाल सेवा दल एवं शिविर के संयोजक प्रदीप अग्रवाल, सुधीर गुप्ता, सुरेन्द्र गोयल, अजीत गुप्ता, निखिल रानासरिया, अग्रवाल समाज अध्यक्ष अनिरुद्ध गुप्ता, अग्रवाल समाज मलकपेट शाखा से पंकज संघी, सत्यनारायण मोदी, गोविंद नारायण मोदी, अशोक कुमार अग्रवाल, प्रदीप बंसल, श्याम सुंदर अग्रवाल, सुरेश पटवारी, शैलेश अग्रवाल, महावीर प्रसाद अग्रवाल, पंकज पटवारी, चंद्र मोहन अग्रवाल, विवेक केडिया, निश्चिंत अग्रवाल, रोहन अग्रवाल, शीतल रूंगटा, रेखा अग्रवाल, मीता बजाज, नीता मोदी, मीरा अग्रवाल, साक्षी अग्रवाल, स्वाति अग्रवाल, महेंद्र अग्रवाल, सतीश गोयल सहित बड़ी संख्या में समाजसेवी उपस्थित रहे।दिल्ली पब्लिक स्कूल के कर्मचारियों नागालक्ष्मी मुड़ीसेटी, राबिया जावेद, अजीत कुमार, तिरुमलेश, निखिल, महेश, वेंकटेश, चोटों विजया लक्ष्मी, स्वयंसेवक अजय तुलस्यान, सतीश गर्ग, राधेश्याम बियानी, सुनैना नरसरिया, अरुणा तुलस्यान, समाजसेवी शंकरलाल यादव, घनश्याम यादव एवं पित्ती लेमिनेशन के सदस्य भी कार्यक्रम में मौजूद रहे।इस मेगा मेडिकल कैंप के माध्यम से 288 से अधिक लोगों ने विभिन्न निशुल्क स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उठाया। आयोजकों ने सभी चिकित्सकों, स्वयंसेवकों एवं सहयोगियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

अपने लिए जीते जी खोदी कब्र!

हैदराबाद, 12 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना में 80 वर्षीय एक व्यक्ति, जिसने स्वस्थ जीवन जीते हुए अपनी खुद की समाधि बनाई थी, 11 जनवरी को इस दुनिया से चल बसे।लक्ष्मीपुरम गांव के निवासी नक्का इंद्रय्या ने वर्षों पहले अपनी अंतिम विश्राम स्थली का निर्माण कर राष्ट्रीय स्तर पर ध्यान आकर्षित किया था।

यह शांतिपूर्ण पहल उन्होंने यह सुनिश्चित करने के लिए की थी कि उनके बच्चों को शोक की घड़ी में कोई बोझ न झेलना पड़े।इंद्रय्या ने जो अपनी समाधि बनाई, वह अपनी पत्नी की समाधि के ठीक बगल में स्थित है। उन्होंने स्थल पर एक पट्टिका लगाई है जिस पर जीवन और मृत्यु की अनंत सत्यताओं पर संदेश अंकित है।

उन्होंने इस स्थल पर जाना, आसपास की सफाई करना, पौधों को पानी देना और शांतिपूर्वक ध्यान लगाना अपनी दिनचर्या बना लिया था।इस व्यक्ति का जीवन देने की अथक भावना से चिह्नित था।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.